- नोएडा के थाने में महिला वकील की अवैध हिरासत यौन उत्पीड़न पर सुप्रीम सख्ती - 12

- चीन के साथ व्यापार घाटा इसी साल 106 अरब डॉलर पहुंचने के आसार - 12

- भारत के साथ रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाएगा अमेरिका - 13

- टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा आज - 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.52

सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या 07:13 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 20 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 120, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

लखनऊ में घने कोहरे के बीच धीमी गति से रेंगते वाहन।

कोहरे की चादर में लिपटा प्रदेश, 50 जिलों में रेड अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 17 जिलों में घने कोहरे का आरेंज अलर्ट, आठ जिलों में यलो अलर्ट के बीच मध्यम कोहरा होने की संभावना
- मौसम विभाग ने 40 जिलों में कोल्ड-डे अलर्ट का पूर्वानुमान एवं संभावना जारी की है

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में 50 जिलों के लिए घने कोहरे के मद्देनजर खराब मौसम का रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। 17 जिलों में घना कोहरा का आरेंज अलर्ट है, जबकि आठ जिलों में यलो अलर्ट के बीच मध्यम कोहरा होने की संभावना है। इसको लेकर राहत आयुक्त की ओर से कंट्रोल रूम से निरंतर मैसेज कर डीएम, एसएसपी, एसपी और सहित आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य अधिकारियों व आमजन को चेतावनी की सूचना भेजी जा है।

दरअसल, मौसम विभाग ने 40 जिलों में कोल्ड-डे अलर्ट का पूर्वानुमान एवं संभावना जारी की है। प्रदेश में घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी का सितम है। फिलहाल मौसम विभाग ने शुक्रवार को तीन दिन का बुलेटिन जारी किया है। जिसमें पहले दिन प्रदेश के 50 जिलों में रेड एलर्ट-अत्यन्त घना कोहरा, 17 जिलों में आरेंज एलर्ट-घना कोहरा और आठ जिलों में यलो अलर्ट-मध्यम कोहरा होने की संभावना जारी की है। इसके बाद राहत आयुक्त डॉ. ह्रषिकेश भास्कर यशोद ने अपने कंट्रोल रूम से आमजन को एसएमएस के माध्यम से खराब मौसम की चेतावनी भेजी है। यह लगातार किया जा रहा है। कंट्रोल रूम द्वारा सचेत एप के माध्यम से गुरुवार व शुक्रवार के बीच 12 करोड़ 52 लाख लोगों के मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से मौसम का अलर्ट भेजा गया है। राहत आयुक्त ने बताया कि आगे भी मौसम विभाग के माध्यम से पूर्वानुमान एवं चेतावनी प्राप्त होने पर आमलोगों के मोबाइल पर मौसम संबंधी अलर्ट कंट्रोल रूम द्वारा भेजे जाएंगे। उन्होंने आमजन से अपील किया कि वे इस मैसेज पढ़कर उसी अनुसार अपनी यात्रा करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को शीतलहर एवं ठंड से बचने की आवश्यकता है। उन्होंने आम जनमानस से अपील किया है कि सरकार द्वारा ठंड एवं शीतलहरी से बचाव के संबंध में जारी गाइडलाइन का अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

कोई भी अप्रिय घटना न हो : मुख्य सचिव

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने घने कोहरे एवं कड़ाके की ठंड की स्थिति को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जनसुरक्षा पर विशेष बल दिया गया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धुंध अथवा कोहरे के कारण किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न घटित हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

1070 पर करें कॉल, तुरंत मिलेगी मदद

खराब मौसम के बीच अगर कोई नागरिक आपात स्थिति में 1070 पर कॉल करता है, तो उसे तत्काल सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही कंट्रोल रूम से प्रदेश के सभी जिलों में कंबल वितरण, रैन बसेरों तथा अलाव की स्थिति की निगरानी भी की जा रही है।

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस नेताओं को मोदी-अदाणी के 'डीपफेक' वीडियो हटाने के आदेश

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक अदालत ने कांग्रेस पार्टी और उसके चार नेताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी के डीप फेक वीडियो को सोशल मीडिया मंचों से हटाने का निर्देश दिया है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा दायर मानहानि के दीवानी मुकदमे की सुनवाई करते हुए, अतिरिक्त दीवानी न्यायाधीश श्रीकांत शर्मा की अदालत ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और उसके नेताओं जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा और उदयभानु चिब को सभी सोशल मीडिया मंचों से 'डीपफेक' वीडियो हटाने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी आज बंगाल का करेंगे दौरा

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और नदिया में एक रैली को संबोधित करेंगे तथा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। उनकी यह यात्रा राज्य में मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच होगी। उनका यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस एसआईआर का लगातार विरोध कर रही है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि इससे बड़ी संख्या में पात्र मतदाता, विशेषकर शरणार्थी हिंदू, मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

कोडीन सिरप तस्करों से सपा मुखिया का सीधा रिश्ता : योगी

अखिलेश पर किया हमला, कहा-धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा

- सीएम बोले- मामले के तार सपा से जुड़े, दूध का दूध-पानी का पानी होगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर करारा हमला किया। आरोप लगाया कि कोडीन सिरप तस्करों से सपा मुखिया का सीधा रिश्ता है। अब तक जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनके तार सपा से जुड़े हुए पाए गए हैं। जांच अभी जारी है और पूरी रिपोर्ट आने के बाद तस्वीर और स्पष्ट हो जाएगी, लेकिन प्रारंभिक तथ्यों ने सपा की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से सवाल पर कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। प्रदेश के लगभग हर माफिया के संबंध समाजवादी पार्टी से रहे हैं, यह तथ्य पहले भी सामने आता रहा है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ व यूपी पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए अभियुक्तों के राजनीतिक संबंधों की जांच चल रही है। सपा, जो अपनी कार्यप्रणाली के लिए पहले से बदनाम रही है, इस मामले में भी अपनी संलिप्तता उजागर होते हुए देखेगी।

सपा प्रमुख के बयानों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी स्थिति बिल्कुल वैसी है, जैसा कि इस पंक्ति में कहा गया है कि 'यही कसूर मैं बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा। उन्होंने कहा कि जिन माफियाओं के साथ उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं, स्वाभाविक रूप से अवैध लेन-देन और आपराधिक गठजोड़ की परतें भी खुलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच को अपना काम करने दिया जाए, अंत में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

वंदे मातरम् पर सदन में होगी विशेष चर्चा

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थापना तिथि और 'वंदे मातरम्' को संविधान के अनुरूप मान्यता देने की अधिसूचना की तिथि एक ही है। ऐसे में राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने पर विधानसभा में चर्चा ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इसके रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंच होने के नाते विधानमंडल में सकारात्मक और सार्थक विमर्श होना चाहिए। सरकार चाहती थी कि सत्र अधिक दिनों तक चले, लेकिन मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के चलते अवधि सीमित रखी गई है।

योगी ने रखा कोडीन मामले पर सरकार का पक्ष

कोडीन सिरप मामले पर मुख्यमंत्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कोडीन फॉस्फेट एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत आने वाली औषधि है। जिसका उपयोग अधिकृत रूप से कफ सिरप निर्माण में किया जाता है। इसका आवंटन सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा तय कोटे के तहत ही होता है। लेकिन कई स्थानों पर इस कफ सिरप का नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिकायतें मिलने के बाद यूपी पुलिस, एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने संयुक्त रूप से कार्रवाई शुरू की। इस मामले की निगरानी राज्य-स्तरीय एसआईटी कर रही है। कानून से ऊपर कोई नहीं है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बांग्लादेश में एक नेता की मौत के बाद बवाल, तोड़फोड़-आगजनी

- पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक था शरीफ उस्मान हादी

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं हुईं, जिससे देशभर में तनाव व्याप्त हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पहले ही ध्वस्त हो चुके, बांग्लादेश के संस्थापक मुजीबुर्रहमान के आवास 32 धानमंडी पर तोड़फोड़ की।

देश के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार को रात को हमलों और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर पत्थरबाजी भी शामिल है। ये घटनाएं मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस द्वारा टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए इंकलाब मंच के नेता हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद हुईं। इससे पहले इंकलाब मंच ने हादी की मृत्यु की घोषणा की थी। उनका शव शाम तक घर लाया जाएगा। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में एक उम्मीदवार थे। छह दिन तक जिंदगी-मौत के बीच जंग लड़ने के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पिछले सप्ताह उन्होंने मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी, तब एक नकाबपोश बंदूकधारी ने उनके सिर में गोली मार दी थी। प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना की भंग हो चुकी पार्टी आवामी लीग के एक कार्यालय को भी ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

आगजनी के बाद मामले को संभालते सेना के जवान।

हिंदू युवक की पीटकर हत्या, पेड़ पर टांग जलाया शव

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोप में हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की पीटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई। यह देश में धार्मिक अल्पसंख्यक के खिलाफ हिंसा की नवीनतम घटना है। मृत व्यक्ति की पहचान दीपू चंद्र दास (25) के रूप में हुई, जो मैमनसिंह शहर में एक कारखाने में काम करता था। अंतरिम सरकार ने हिंदू समुदाय के व्यक्ति की पीटकर हत्या किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार ने कहा, इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लिस ने बताया कि दास को पहले गरुवार रात कारखाने के बाहर भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों को लेकर पीटा और फिर एक पेड़ से लटका दिया। भालुका मॉडल थाने के निरीक्षक ने बताया, घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने शव को ढाका-मैमनसिंह राजमार्ग के किनारे छोड़ दिया और उसे आग लगा दी।

पारंपरिक चिकित्सा को दिलानी होगी पहचान

प्रदर्शनी में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम व अन्य।

नई दिल्ली, एजेंसी

- डब्ल्यूएचओ के पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक सम्मेलन में बोले मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा को वह मान्यता नहीं मिलती जिसकी वह हकदार है और अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए उसे विज्ञान के माध्यम से जनता का विश्वास जीतना होगा। डब्ल्यूएचओ के पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि अनुसंधान को मजबूत करने, डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने और विश्वसनीय नियामक ढांचा विकसित करने से पारंपरिक चिकित्सा को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा की बात आती है तो सुरक्षा और प्रमाण से संबंधित प्रश्न हमेशा उठते हैं। इस शिखर सम्मेलन में आप सभी ने अश्वगंधा का उदाहरण देखा है। सदियों से इसका उपयोग हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में होता रहा है। कोविड-19 के दौरान इसकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ी और कई देशों में इसका उपयोग शुरू हुआ।'

भारत ने दिखाया कि परंपरा और विज्ञान एक साथ आगे बढ़ सकते

नई दिल्ली। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा एकीकृत और समावेशी होनी चाहिए। साथ ही भारत ने दिखाया कि परंपरा और विज्ञान एक साथ आगे बढ़ सकते हैं और दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। भारत सरकार के साथ संयुक्त रूप से आयोजित यह सम्मेलन बुधवार को शुरू हुआ था और 100 से अधिक देशों के मंत्री, वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

युवराज, सोनू सूद व अन्य की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी ने सट्टेबाजी मामले में की कार्रवाई 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति की कुर्क

ईडी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा के साथ ही तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती और अभिनेता सोनू सूद की संपत्तियों को एक अवैध सट्टेबाजी एप से जुड़े धनशोधन मामले में कुर्क कर लिया है, जिनकी अनुमानित कीमत 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतरिम आदेश जारी करने के बाद अभिनेत्री नेहा शर्मा, मॉडल एवं अभिनेत्री उर्वशी रौतेला की

मां एवं बांग्ला अभिनेता अंकुश हाजरा की संपत्तियों को भी कुर्क किया गया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में सूद की लगभग एक करोड़ रुपये की, चक्रवर्ती की 59 लाख रुपये की, युवराज सिंह की 2.5 करोड़ रुपये की, शर्मा की 1.26 करोड़ रुपये की, उथप्पा की 8.26 लाख रुपये की, हाजरा की 47 लाख रुपये की और रौतेला की मां की 2.02 करोड़ रुपये की संपत्तियां शामिल हैं।

इन सभी लोगों से अतीत में ईडी ने पूछताछ की थी और इन संपत्तियों को कुराकाओ द्वीपीय देश में पंजीकृत कथित अवैध सट्टेबाजी एप की अपराध से प्राप्त आय के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ईडी ने कुछ समय पहले इस जांच के तहत पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन और सुरेश रैना की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी।

दिल्ली में 10 हजार कक्षाओं में लगेंगे एयर प्यूरीफायर

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने की घोषणा, कहा- प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए प्रतिबद्ध

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को घोषणा की कि 10,000 कक्षाओं में हवा को साफ करने के लिए 'एयर प्यूरीफायर' लगाए जाएंगे। सूद ने कहा कि सरकार दीर्घकालिक प्रशासनिक उपायों के माध्यम से प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने पिछली आप सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, हम वे नहीं हैं जो आईआईटी की डिग्री दिखाते हैं और 'सम-विषम' या 'गाड़ी ऑन, गाड़ी ऑफ' जैसे अभियानों का प्रचार करते हैं। हम प्रदूषण की समस्या को दीर्घकालिक प्रशासनिक उपायों के माध्यम से हल कर रहे हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में 2016 में दो बार सम-विषम योजना लागू की गई थी। पहली बार एक से 15 जनवरी तक जबकि दूसरी बार 15 से 30 अप्रैल, 2016 तक यह योजना लागू गई थी। यह योजना वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

गहमागहमी

विधान परिषद का शीतकालीन सत्र शुरू, प्रश्नों से लेकर कार्य स्थगन तक गरमाई कार्यवाही

बेसिक शिक्षा के मुद्दे पर सपा सदस्यों ने सदन से किया वॉकआउट

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : शीतकालीन सत्र के पहले दिन शुक्रवार को विधान परिषद में नियम-105 के तहत सपा सदस्यों द्वारा प्रदेश में बेसिक शिक्षा के गिरते स्तर का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा कि वर्ष 2015-16 के सापेक्ष प्रदेश में करीब 22 हजार प्राथमिक विद्यालय कम हुए हैं, आठ लाख बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के उत्तर से असंतुष्ट सपा सदस्य सदन से उठकर चले गए। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि यह विषय पूर्व सत्र में सरकार को संदर्भित किया जा चुका है। उक्त सूचना अंतर्गत सपा नेता आशुतोष सिन्हा व डॉ.मान सिंह ने कहा कि शिक्षा का स्तर मिटने की कगार पर आ है। प्रदेश में 1.20 लाख पद बेसिक शिक्षा विभाग में रिक्त हैं, माध्यमिक में सहायक अध्यापक के 70 हजार पद रिक्त हैं। शिक्षा को मिटाने के लिए कंपोजिट शब्द का इस्तेमाल हुआ है। भोजनावकाश के बाद प्रमुख सचिव विधान परिषद् ने उत्तर प्रदेश के सन् 2025 ई. के परिषद कार्य सूची में अंकित क्रम चौथे से लेकर 14वें तक बने अधिनियमों की घोषणा की। इसके पहले सुबह सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में वंदेमातरम् के साथ प्रारंभ हुई।

विधान परिषद में बोलते बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

रिटायर्ड आईपीएस अफसर की तैनाती का मुद्दा उठा

सपा के डॉ.मान सिंह ने राज्य शिक्षा सेवा आयोग के मुखिया पद पर एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए। इसी क्रम में सोनभद्र के ओबरा इंटर कॉलेज से संबंधित प्रतिनियुक्ति एवं शिक्षकों के सेवा नियमावली व समान वेतन से जुड़े कार्यस्थगन प्रस्तावों को भी सभापति ने पूर्व में सरकार को संदर्भित किए जाने का हवाला देते हुए अस्वीकार कर दिया। नियम-223 के अंतर्गत शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने विधान परिषद सदस्यों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यक्रमों में आमंत्रित न किए जाने को लेकर विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाया, सभापति ने नेता सदन को अवलोकन के निर्देश दिए। इससे पहले, पूर्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं विधान परिषद के पूर्व सदस्य गोरख प्रसाद निषाद के निधन पर सदन में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

23 मिनट तक चली विधानसभा की कार्यवाही

राज्य ब्यूरो। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मऊ घोसी से सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा गया। मुख्यमंत्री योगी, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और अन्य नेताओं ने सुधाकर सिंह के निधर पर शोक प्रकट कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा में दो मिनट का मौन रखने के बाद सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। पहले दिन की कार्यवाही 23 मिनट तक चली।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

25 लाख मीट्रिक टन के पार पहुंची धान खरीद

अमृत विचार, लखनऊ : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उप्र. में धान खरीद को लेकर योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों का असर साफ दिख रहा है। अब तक 4,09,444 किसानों से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है। किसानों को 5,569 .97 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। प्रदेश में धान खरीद के लिए 4,743 ऑनलाइन क्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। 19 दिसंबर तक 8,82,988 किसानों का पंजीकरण हुआ, जिसमें से 6,68,698 का सत्यापन पूरा किया जा चुका है। बाजरे की खरीद में भी बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। चालू वर्ष में 1,72,109 .30 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा गया, जो पिछले वर्ष से दोगुना है। वहीं ज्वार की खरीद 26,448 .60 मीट्रिक टन रही, जिसमें 7,814 किसानों ने फसल बेची और 91 .49 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

आयुष्मान भारत योजना ने पकड़ी रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तेजी से आम नागरिकों तक पहुंच रही है। लक्ष्य है कि कोई भी पात्र गरीब परिवार स्वास्थ्य सुरक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में 9 करोड़ लक्षित लाभार्थियों में से अब तक 5,42,13,534 आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। अब तक 74 .4 लाख से अधिक लाभार्थियों के इलाज के मामलों में 12,283 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम सेटल किए जा चुके हैं। इससे लाखों गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक राहत मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से अधिकारियों को सख्त निर्देश हैं कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

स्नातक मतदाताओं को जोड़ेंगे डॉ.वीरेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा जौनपुर सदर में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता बनाने और एसआईआर कार्य के लिए डॉ. वीरेन्द्र कुमार यादव को नामित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा निर्देश मिलते ही लाडलेपुर, करंजाकलां, जौनपुर निवासी डॉ .वीरेन्द्र ने कहा कि पार्टी द्वारा दी गयी जिम्मेदारी ईमानदारी के साथ निर्वाहन करते हुए विश्वास को मजबूत बनाऊंगा।

एसआईआर को गंभीरता से पूरा करें : मायावती

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) कार्य को पूरी गंभीरता और तत्परता से पूरा कराने का निर्देश दिया है। पार्टी की ऑल इंडिया बैठक में उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटि रहित बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। इसके लिए जरूरत पड़ने पर कुछ दिनों के लिए संगठनात्मक गतिविधियों को स्थगित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को संपन्न बैठक में पिछली ऑल इंडिया बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की समीक्षा करते हुए संगठन को मजबूत करने, तैयारियों को तेज करने तथा प्रत्येक वर्ष महापुरुषों के सम्मान में होने वाले कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा की .उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट की शुद्धता के साथ-साथ देश की चुनावी व्यवस्था को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना भी उतना ही जरूरी है। धनबल, बाहुबल और सरकारी तंत्र के दुरुपयोग को लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया।

प्रदेश सरकार के सामने 'पैसा है, काम नहीं' की चुनौती

रिकॉर्ड बजट के आठ महीने बाद भी आधे से कम खर्च, मुख्यमंत्री ने जताई नाराजगी

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- पुराना पैसा अटका, नया अनुपूरक बजट प्रस्तावित, विधानसभा में उठेंगे तीखे सवाल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के सामने इन दिनों 'पैसा है, काम नहीं' की गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 8.40 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट पेश करने के आठ महीने बाद भी सरकार आधे से कम धनराशि खर्च कर पाई है। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही सख्त रुख अपना चुके हों, लेकिन विभागीय सुस्ती टूटती नजर नहीं आ रही। ऐसे में विधानसभा सत्र में उस वक्त तीखे सवाल उठना तय हैं, जब पुराना पैसा खर्च नहीं हो पा रहा और सरकार नया अनुपूरक बजट लाने की तैयारी में है।

पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सड़कों, जल जीवन मिशन, आवास, महिला कल्याण और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में बड़े-बड़े ऐलान किए। दावा था कि विकास की रफ्तार तेज होगी। मगर 1 अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक के आंकड़े इन दावों को कमजोर करते हैं। योजनाओं के लिए तय करीब 3.88 लाख करोड़ रुपये में से सिर्फ 1.28 लाख करोड़ रुपये ही खर्च हो सके हैं। यानी वित्तीय वर्ष के दो-तिहाई समय के बाद भी खर्च एक-तिहाई के आसपास सिमटा है।

बजट और खर्च की तस्वीर (1 अप्रैल–30 नवंबर 2025)

- कुल बजट (2025-26) : 8.40 लाख करोड़ रुपये
- योजनाओं के लिए आवंटन : 3.88 लाख करोड़ रुपये
- अब तक खर्च : 1.28 लाख करोड़ (लगभग 33 प्रतिशत)
- औसत विभागीय खर्च : 49 प्रतिशत
- महिला कल्याण : 64 प्रतिशत
- ऊर्जा : 60 प्रतिशत
- लोक निर्माण : 40 प्रतिशत
- कृषि : 41 प्रतिशत
- बाल विकास : 44 प्रतिशत
- ग्रामीण/शहरी विकास व नमामि गंगे : 15–23 प्रतिशत

इसी सुस्ती को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में वित्तीय स्वीकृतियों और विभागीय खर्च की समीक्षा बैठक बुलाई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि योजनाएं फाइलों में नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए। अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले फंड का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। सरकार की चिंता यह भी है कि देरी से न सिर्फ परियोजनाओं की लागत बढ़ेगी, बल्कि केंद्र से मिलने वाली सहायता पर भी असर पड़ेगा।

सरकार का पक्ष है कि बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में शुरुआती महीनों में खर्च की रफ्तार धीमी रहती है और साल के अंतिम महीनों में तेजी आती है। फिर भी मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक को स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि हीला-हवाली बर्दाश्त नहीं होगी और जरूरत पड़ी तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक खर्च की धीमी रफ्तार का असर केंद्र से मिलने वाली सहायता पर भी पड़ता है। प्रगति रिपोर्ट कमजोर रहने से अगली किस्त अटक जाती है, जिससे योजनाएं और ज्यादा लटकती हैं।

ऊर्जा व महिला कल्याण आगे, बाकी विभाग पिछड़े

विभागवार स्थिति में असंतुलन साफ दिखता है। ऊर्जा विभाग ने 60 फीसदी और महिला कल्याण विभाग ने 64 फीसदी बजट खर्च कर अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके उलट लोक निर्माण विभाग 40 फीसदी, कृषि 41 फीसदी और बाल विकास विभाग 44 फीसदी पर अटका है। सबसे खराब स्थिति ग्रामीण विकास, शहरी विकास, औद्योगिक विकास और नमामि गंगे जैसे अहम विभागों की है, जहां खर्च 15 से 23 फीसदी के बीच सिमटा है। यही वे विभाग हैं, जिनकी योजनाएं सीधे आम जनता की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी हैं।

अनुपूरक बजट पर सवाल

22 दिसंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार 2025-26 का अनुपूरक बजट पेश करेगी। विभागों ने अतिरिक्त धन की मांग भेजनी शुरू कर दी है। यही विरोधाभास विपक्ष के हमले का आधार बन रहा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का आरोप है कि बजट कागजों में बड़ा है, जमीन पर उसका असर नहीं दिख रहा। आने वाले महीनों में असली परीक्षा यही होगी कि सरकार खर्च की रफ्तार बढ़ा पाती है या नहीं। क्योंकि अगर पैसा समय पर और सही जगह खर्च नहीं हुआ, तो बढ़ता बजट आकार भी सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रह जाएगा।

एसआईआर में ढिलाई नहीं, हर स्तर पर जवाबदेही तय : योगी

गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई निगरानी की जिम्मेदारी

गोरखपुर में एसआईआर को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर प्रशासन और संगठन दोनों को सख्त संदेश दिया है। गोरखपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। एसआईआर में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी और हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती की बुनियाद निष्पक्ष और शुद्ध मतदाता सूची है, इसलिए इस अभियान को पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं की बैठक में फीडबैक लिए और अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी अपात्र नाम मतदाता सूची में न रहने पाए और किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की शुचिता से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें लापरवाही सीधे जनविश्वास को प्रभावित करती है।

बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि एसआईआर को लेकर मंडल स्तर तक समीक्षा बैठकें पूरी कर ली गई हैं और जिलों में कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल और जिला स्तर पर समन्वय बनाकर कार्य किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियात्मक अड़चन न आए। अभियान में राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी को भी अहम बताते हुए मुख्यमंत्री ने संगठन के कार्यकर्ताओं को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ता मतदाता सूची के सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जनता जानती है माफिया पालने वाले कौन

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर में पूर्ववर्ती सपा सरकार और उसके मुखिया पर बिना नाम लिए जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पहचान पर बदनुमा दाग लगाने वाले माफिया को पालने वाले कौन लोग हैं, यह जनता भली-भांति जानती है। आज जो लोग आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं, उनके माफिया के साथ फोटो टीवी चैनलों पर दिखाई दे रहे हैं। वे माफिया से तोहफे लेते नजर आ रहे हैं। यही वे लोग हैं, जिन्होंने प्रदेश में हर जिले में माफिया पालकर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' की पहचान बना दी थी। मुख्यमंत्री 137 .83 करोड़ रुपये की लागत से बने गोरखनाथ ओवरब्रिज के लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों की नीयत खराब थी। विकास के लिए आए पैसे का बंदरबांट किया गया और परिवार का खजाना भरने के चक्कर में प्रदेश का खजाना खाली कर दिया गया।

नववर्ष की भीड़ को खिचड़ी मेले का रिहर्सल मानें

अमृत विचार, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेला, गोरखपुर महोत्सव और जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। गोरखनाथ मंदिर परिसर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि नववर्ष के पहले दिन उमड़ने वाली भीड़ को खिचड़ी मेला प्रबंधन का रिहर्सल माना जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

विप सदस्यों को आमंत्रित न करने का मुद्दा उठाया

अमृत विचार, लखनऊ : विशेषाधिकार हनन और भ्रष्टाचार की सूचनाएं नियम-223 के अंतर्गत शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने विधान परिषद सदस्यों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यक्रमों में आमंत्रित न किए जाने को लेकर विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाया, सभापति ने नेता सदन को अवलोकन के निर्देश दिए। इसके अलावा शिक्षक नेता ने नियम 115 के तहत प्राच्य भाषा एवं संस्कृत माध्यमिक विद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों के स्थानान्तरण की सुविधा होने का मामला उठाया, शिक्षकों के एकल स्थानान्तरण की व्यवस्था न होने का मुद्दा उठाया। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने सूचना सरकार को संदर्भित कर दिया। नियम 110 अंतर्गत ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने महराजगंज में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के भ्रष्टाचार का मामला उठाया, उक्त समेत 110 की सभी छह सूचनाएं सरकार को संदर्भित कर दी गयी हैं। प्रश्नकाल में उप्र. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रोजेक्ट्स को लेकर सवाल पूछे, उत्तर से असंतुष्ट होने पर सभापति ने मामले को प्रश्न एवं संदर्भ समिति को भेजने के निर्देश दिए।

कोडिन युक्त सिरप मामले में बड़ी कानूनी सफलता

अमृत विचार, लखनऊ : कोडिनयुक्त कफ सिरप के अवैध डायवर्जन से जुड़े मामलों में योगी सरकार को बड़ी कानूनी सफलता मिली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा चलाए जाने को पूरी तरह सही ठहराया है और आरोपियों की सभी रिट याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक (अरेस्ट स्टे) की मांग भी नामंजूर कर दी।

इन मामलों में शुभम जायसवाल, भोला प्रसाद और आसिफ मोहम्मद सहित कई आरोपी शामिल हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यदि कोडिनयुक्त सिरप का भंडारण और उपयोग वैध लाइसेंस और मानकों के बाहर किया गया है तो वह एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध है। अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने चार दिनों तक बहस की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए सरकार का पक्ष मजबूती से रखा। एफएसडीए, पुलिस और एसटीएफ द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को कोर्ट ने अहम माना। यह फैसला योगी सरकार की सख्त ड्रग नीति और नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अभियान की बड़ी जीत माना जा रहा है।

चार जिलों में 13 परियोजनाएं स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

रेरा मुख्यालय पर प्राधिकरण की बैठक में मौजूद अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी।

- लखनऊ, नोएडा, मथुरा के साथ मऊ में 4424 करोड़ से बनेंगी 19,379 आवासीय व व्यावसायिक इकाइयां

अमृत विचार : रेरा ने रियल एस्टेट को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ, नोएडा, मथुरा और मऊ में 13 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन जिलों में संबंधित बिल्डरों द्वारा 4424 करोड़ के निवेश से 19,379 आवासीय एवं व्यावसायिक यूनिट विकसित की जाएंगी। इसमें आवासीय प्लॉट, फ्लैट के साथ व्यावसायिक श्रेणी में स्टूडियो और शॉप खरीदने का लोगों को मौका मिलेगा।

शुक्रवार को न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में प्राधिकरण की 191वीं बैठक हुई। इस दौरान नोएडा में चार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें दो व्यावसायिक और दो आवासीय परियोजनाओं में कुल 17,051 यूनिट विकसित की जाएंगी। इसी तरह लखनऊ में स्वीकृत चार आवासीय परियोजनाओं में 241 आवासीय यूनिटों का निर्माण किया जाएगा। मथुरा में चार आवासीय परियोजनाओं में 2,035 यूनिट विकसित की जाएंगी। इससे मथुरा क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। वहीं, मऊ में एक व्यावसायिक परियोजना को मंजूरी मिली है। इसमें 52 दुकानें बनाकर बेची जाएंगी।

भर्ती परीक्षा में धांधली का आरोपी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन की टीम ने 2018 में आयोजित वीडीओ, समाज कल्याण पर्यवेक्षक व ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती परीक्षा में धांधली के आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अंबेडकरनगर के इब्राहिमपुर बलरामपुर का रहने वाला अंकुर वर्मा है। उसे ईओडब्ल्यू की टीम ने केदारनगर से गुरुवार को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा वीडीओ (ग्राम विकास अधिकारी), समाज कल्याण पर्यवेक्षक एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के कुल 1953 पदों पर परीक्षा का आयोजन 2018 में किया गया था। परीक्षा कराने की जिम्मेदारी टीसीएस लि. को सौंपी गई थी। साक्ष्य व दस्तावेजों के आधार पर कुल 173 आरोपियों को दोषी पाया गया। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

पीएम के कार्यक्रम में बीएलओ की ड्यूटी लगाने का विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि बस्ती में अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, मृतक (एएसडी) सूची सत्यापन के बाद सही पाए गए मतदाताओं को छोड़कर शेष एएसडी मतदाताओं की सूची पुनः बीएलओ व बीएलए को उपलब्ध करा दी जाए। साथ ही लखनऊ में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के चलते कई बीएलओ को 17 दिसंबर से कार्यक्रम की तैयारी में लगाए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। सपा ने एसआईआर की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा है।

एमएसएमई के लिए एमआईसीई प्रोत्साहन योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार की बड़ी पहल अधिकतम छह लाख रुपये तक की मिलेगी सहायता
- नई नीति 2025-2030 के तहत 'ब्रांड यूपी' को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान

अमृत विचार: राज्य सरकार ने प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025–2030 के अंतर्गत पहली बार एमआईसीई (बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी) प्रोत्साहन योजना लागू की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना, निर्यात को गति देना, निवेश आकर्षित करना और 'ब्रांड यूपी' को वैश्विक पहचान दिलाना है।

यह पहल विशेष रूप से उन एमएसएमई इकाइयों के लिए लाभकारी होगी, जो अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से अपने उत्पादों और सेवाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना चाहती हैं। इस योजना के तहत आयोजित होने वाले एमआईसीई कार्यक्रमों पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रति प्रतिभागी 7,000 रुपये की सहायता या फिर एक कार्यक्रम के लिए अधिकतम 6 लाख रुपये तक की अनुदान राशि निर्धारित की गई है। एक एमआईसीई संचालक को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम दो कार्यक्रमों के लिए ही इस योजना का लाभ मिलेगा।

आवेदन की प्रक्रिया : कार्यक्रम के आयोजन से कम से कम 60 दिन पहले निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो, उत्तर प्रदेश के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद 60 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट और आवश्यक दस्तावेज संबंधित कार्यालय में जमा करने होंगे। सभी आवेदनों की जांच के लिए निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के अंतर्गत एक स्क्रीनिंग समिति गठित की गई है।

भुगतान और निगरानी व्यवस्था : योजना के अंतर्गत दावों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर स्वीकृति दी जाएगी। स्वीकृत धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

कौन ले सकता है योजना का लाभ : योजना का लाभ वही एमआईसीई आयोजन ले सकेंगे, जिन्हें पर्यटन मंत्रालय से मान्यता प्राप्त हो। इसके लिए उत्तर प्रदेश में पंजीकृत एमएसएमई श्रेणी के एमआईसीई संचालक या कार्यक्रम प्रबंधन से जुड़ी इकाइयों का पंजीकरण संबंधित विभागों और परिषदों में होना अनिवार्य है। सरकार का लक्ष्य है कि इस योजना के माध्यम से प्रदेश में निवेश का माहौल मजबूत हो और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति मिले।

इनविंसिबल भारत 5 .0 | 25 जिलों में चलेगा अभियान, आत्मनिर्भर युवाओं के निर्माण पर रहेगा फोकस

लखनऊ से शुरू होगी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी यात्रा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- युवाओं के लिए वित्त, प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ाव मजबूत करने के लिए हुए एमओयू

अमृत विचार: युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'इनविंसिबल भारत 5.0- उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री युवा उद्यमी यात्रा' की शुरुआत 24 जनवरी से लखनऊ से होगी। इस महत्वाकांक्षी अभियान का कर्टेन रेजर कार्यक्रम शुक्रवार को राजधानी में आयोजित किया गया, जिसके साथ ही राज्यव्यापी यात्रा की औपचारिक घोषणा हुई। इस दौरान युवाओं के लिए वित्त, प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ाव मजबूत करने के लिए कई अहम एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

यह यात्रा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत संचालित की जा रही है। इसका मकसद प्रशिक्षित लेकिन बेरोजगार युवाओं को उद्यमिता के अवसर देकर प्रदेश में सतत आर्थिक विकास और रोजगार के नए द्वार खोलना है। यात्रा के माध्यम से प्रदेश के 25 जिलों के संस्थागत केंद्रों को कवर किया जाएगा, जिससे युवाओं, सरकारी योजनाओं, वित्तीय संस्थानों और बाजार के बीच सीधा और प्रभावी संवाद स्थापित हो सके। कर्टेन रेजर कार्यक्रम में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत, बैंकिंग सेक्टर, कौशल विकास संस्थानों और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। यह पहल केवल जागरूकता अभियान नहीं, बल्कि युवाओं को वास्तविक अवसर उपलब्ध कराने वाला एक एक्शन-ओरिएंटेड प्लेटफॉर्म है।

यात्रा के दौरान युवाओं को एक ही स्थान पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी (सीएम युवा) पोर्टल पर रियल-टाइम आवेदन करने और बैंकों व गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के माध्यम से सीधे ऋण संपर्क जैसी सुविधाएं मिलेंगी। जिला उद्योग केंद्र, वित्तीय संस्थान और फ्रेंचाइज़ी पार्टनर हर जिले में युवाओं से सीधे संवाद करेंगे। करीब 2,500 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह यात्रा प्रत्येक जिले में दो-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों में कौशल मेला, मल्टी-सेक्टर स्किल एवं करियर पवेलियन, ऑन-द-स्पॉट स्किल रजिस्ट्रेशन, उद्यमिता काउंसलिंग और विशेष बैंकिंग डेस्क लगाए जाएंगे। इस अभियान के जरिए एक करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंच, 25 जिलों में एक करोड़ से ज्यादा डिजिटल इम्प्रेशन, एक लाख से अधिक स्किल रजिस्ट्रेशन और 25 हजार युवाओं को उद्यमिता प्रशिक्षण व मेंटरिंग देने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके साथ ही 50 से अधिक फ्रेंचाइजी और बिजनेस मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर उद्यमिता और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। उद्योग विभाग के आयुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने इसे जिला स्तर पर उद्यमिता को मजबूती देने वाला अभियान बताया।

घने कोहरे व ठंड को लेकर अलर्ट मोड पर रहे पुलिस और प्रशासन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एक अहम बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राज्य में घने कोहरे और सनसनाती सर्दी के मद्देनजर पुलिस व प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने की हिदायत दी है। शुक्रवार को एक अहम बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सड़क प्रकाश व्यवस्था, रिफ्लेक्टर, पेट्रोलिंग और आपातकालीन सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डार्क स्पॉट्स को चिन्हित कर वहां तत्काल बेहतर इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने एनएचएआई और स्टेट हाईवे अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। वाहन चालकों को कोहरे के दौरान सावधानियां बरतने के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा जारी ट्रैवल गाइडलाइन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए तथा जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मुख्य सचिव ने आगे कहा कि टोल प्लाजा पर लाउडस्पीकर के माध्यम से यात्रियों को निरंतर जागरूक किया जाए। इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करने तथा ओवरस्पीडिंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग को बढ़ाया जाए, ब्लैक स्पॉट्स पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए, टीमें तैनात की जाएं तथा क्रेन एवं एम्बुलेंस को हर पल उपलब्ध रखा जाए।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि धुंध एवं कोहरे के दौरान सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा 'ट्रैवल गाइडलाइन' जारी की गई है।

न्यूज ब्रीफ

ठंड से ठिठुर रहे राहगीर, अलाव की कोई व्यवस्था नहीं

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ में भीषण ठंड और कोहरे के चलते लोग ठिठुरते हुए नजर आए। वहीं तहसील प्रशासन द्वारा किसी भी चौराहे में ठंड से बचाव के लिए अलाव नहीं जलाए गए हैं। कुढ़नी कस्बा कई गांवों के लोगों का व्यापार का जरिया है साथ ही प्रसिद्ध हनुमान मंदिर होने के कारण लोगों का आना जाना बना रहता है लेकिन चौराहे में किसी भी प्रकार की अलाव की व्यवस्था अभी तक नहीं की गई। इसके चलते लोग इस भीषण सर्दी में ठिठुरते रहते हैं।

निरीक्षण में खामियां मिलीं, हिदायत दी

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र में पड़ रही भीषण ठंड से गोवंश को बचाने के लिए एडीओ पंचायत ने गौशाला का निरीक्षण किया। जिसमें कुछ कमियां पाई गई, जिन्हें दुरुस्त करने के दिशा निर्देश दिए गए। क्षेत्र के ग्राम परछछ स्थित गौशाला का एडीओ पंचायत अमर सिंह ने औचक निरीक्षण किया। जिसमें गौशाला में पर्याप्त साफ सफाई नहीं होने के साथ ही सर्दी से गोवंश को बचाने के लिए टीन शेड लगाने की बात कही। इतना ही नहीं गौशाला की दीवार पर पशु चिकित्सक का नाम और मोबाइल नंबर न लिखा होने को लेकर भी नाराजगी जताई और सब कुछ दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण शुरू

मौदहा (हमीरपुर)। समावेश शिक्षा अभियान के अंतर्गत को- लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 18 दिसंबर से कस्बे के खंड शिक्षा कार्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में शुरुआत की गई। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना के निर्देशन पर दिव्यांग बच्चों का विद्यालय में समय समावेशन के लिए विभिन्न क्षेत्रों से 38 आंगनबाड़ियों का प्रशिक्षण कस्बे के बीआरसी कार्यालय में शुक्रवार की सुबह से किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार कमल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार को-लोकेटेड आंगनबाड़ियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें जनपद स्तर के प्रशिक्षक अजीत संचार व मनोज तिवारी ने सभी आंगनबाड़ियों को विकलांग बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 दिसंबर तक चलेगा।

पेयजल संकट पर एसडीएम को ज्ञापन

मौदहा (हमीरपुर)। विकास खंड क्षेत्र के रीवन गांव निवासियों ने उपजिलाधिकारी करनवीर सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि एक माह से पीने का पानी गांव में नहीं आ रहा है। जिससे सभी ग्रामवासी बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे गहबरा चौकी में स्थित ट्यूबवेल से गांव के लिए पानी सप्लाई होता है। उसकी मोटर जल जाने से सप्लाई बाधित है। यह भी बताया कि वहां जो कर्मचारी रहता है वह वेतन भोगी है। उसका वेतन समय से न मिलने के कारण वह पानी की सप्लाई नहीं देता है। ग्रामीणों ने शीघ्र पानी की सप्लाई बहाल करने की जोरदार मांग की है।

रंजिश में पड़ोसी ने मां-बेटी को पीटा

बिवांर (हमीरपुर)। क्षेत्र के अतरार गांव निवासी राजकुमारी पत्नी परदेश वर्मा ने थाने में दी तहरीर में बताया कि रंजिश के चलते पड़ोसी दिनेश पुत्र मुरलिया प्रजापति अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर लाठी से हमला कर मारपीट करने लगा। शोर सुनकर उसे बचाने आई पुत्री प्रीति देवी के साथ भी मारपीट की। लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि बाइक से गिर जाने पर महिला का पैर टूट गया है, लाठी से वार कर पैर को तोड़ देने का मामला संदिग्ध लग रहा है।

निरीक्षक को कांटों में नहीं मिले टेस्टिंग बांट

सुमेरपुर (हमीरपुर)। उद्योग नगरी में संचालित एचयूएल कंपनी में बांट माप निरीक्षक को कांटों में टेस्टिंग बांट नहीं मिले। विभाग ने नोटिस देने की तैयारी की है। जिला बांट माप निरीक्षक शशिपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने नवंबर में बहुराष्ट्रीय कंपनी एचयूएल का निरीक्षण किया था। कंपनी में लगे कांटों की क्षमता के मुताबिक नियमानुसार एक चौथाई बांट मौके पर मौजूद होने चाहिए, मगर किसी भी कांटे पर नहीं मिले। निरीक्षण के उपरांत अब विभाग कंपनी को नोटिस जारी करके जवाब मांगने की तैयारी में है। बांट माप निरीक्षक ने बताया कि नोटिस तैयार हो गया है।

मासूम बेटे की ईंट से कूंचकर की हत्या

सर्राफ ने दूसरे बेटे पर भी किया जानलेवा हमला, इसके बाद जहरीला पदार्थ खाकर कर ली आत्महत्या

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। अरौल थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। एक सराफा व्यापारी ने अपने एक बेटे की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी वहीं दूसरे बेटे पर भी जानलेवा हमला किया। इसके बाद खुद भी जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले की जानकारी होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

अरौल कस्बे में ज्वैलरी की दुकान चलाने वाले 45 वर्षीय सराफा व्यवसायी अजय कटियार ने अपने सात वर्षीय बेटे शुभ की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी, जबकि 12 वर्षीय बेटे रुद्र पर भी जानलेवा हमला किया। इसके बाद अजय ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब गांव हाशिमपुर निवासी उनके पिता रामशंकर कटियार शुक्रवार दोपहर दुकान न खुलने पर बेटे के घर पहुंचे। बाहर से कई आवाजें देने पर कोई प्रतिक्रिया न होने पर उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया और बड़े बेटे चंद्रप्रकाश को सूचना दी। किसी तरह जब दरवाजा खुला तो अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। घर के अंदर अजय और उसके दोनों बेटे खून से लथपथ पड़े थे। परिजनों ने मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई.

मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को आनन-फानन में बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने अजय कटियार और छोटे बेटे शुभ को मृत घोषित कर दिया। वहीं बड़े बेटे रुद्र की हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर किया गया। वहां पर उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस को कमरे से खून से सनीं ईंट, जहरीले पदार्थ का डिब्बा, गिलास और फांसी का फंदा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी जनार्दन सिंह के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि अजय ने पहले बच्चों पर ईंट से हमला किया, फिर जहर खाया और बाद में फांसी लगाने का प्रयास किया, लेकिन फंदा टूटने से वह नीचे गिर गया।

घर के बाहर लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

शुभ।

घायल रुद्र।

अजय कटियार।

घटनाक्रम में बड़े बेटे की हालत नाजुक है उसका उपचार कानपुर के हैलट अस्पताल में किया जा रहा है। तमाम बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है सुसाइड नोट के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पहले बेटों की हत्या का प्रयास किया गया फिर स्वयं ही पिता के द्वारा जहर खाया गया है। इसके अतिरिक्त पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है।
- दिनेश त्रिपाठी (डीसीपी पश्चिम)

सुसाइड नोट छोड़कर खुद खाया जहर

- सूचना की जानकारी मिलते ही डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी, एसीपी मंजय सिंह भी मौके पर पहुंच गए। जांच पड़ताल में पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है पूज्य पिताजी, उतने ही बच्चे पैदा करने चाहिए जितनों का सही से पालन-पोषण कर सकें। हमने कितना संघर्ष झेला है आप नहीं समझ सकते। मैं इन्हें (बच्चे) किसके सहारे छोड़ूं, इसलिए बच्चों को भी साथ ले जा रहा हूं।

सुबह 11 बजे के आसपास हुई घटना

- सीसीटीवी फुटेज में सुबह 6:41 बजे तक अजय को घर के बाहर झाड़ू लगाते देखा गया. 8:23 पर सीसीटीवी फुटेज में दोनों बच्चे खेलते हुए दिख रहे हैं और तभी कमरे का दरवाजा अचानक बंद होता है. 10:41 बजे अजय एक बार और बाहर आया, इसके बाद कोई हलचल नहीं दिखी. पुलिस के अनुसार अजय लंबे समय से मानसिक तनाव में बताया जा रहा है. संयोगवश, लगभग तीन वर्ष पूर्व आज ही के दिन उसकी पत्नी अल्का की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। लोगों की माने तो पत्नी की मौत में पति अजय का बड़ा हाथ था लेकिन परिवार में छोटे-छोटे बच्चों के का हवाला देकर मामले को दबा दिया गया था और कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। पारिवारिक जनों के साथ मायके पक्ष के लोगों ने भी किसी प्रकार की कार्रवाई और पुलिसिया जानकारी नहीं दी थी।

'जन चौपाल' में डीपीआरओ ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए शुक्रवार को ककवन ब्लॉक के शाहपुर दूलू गांव में एक विशाल जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल की अध्यक्षता जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार ने की।

जन चौपाल के दौरान डीपीआरओ मनोज कुमार से ग्रामीणों ने पेंशन न मिलने और आवास संबंधी अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। इस पर डीपीआरओ ने संबंधित सचिवों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिलने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए।

साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और विकलांग पेंशन के पात्र लाभार्थियों की पहचान और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। ग्रामीणों की शिकायतों और समस्याओं को सुनने के लिए जिले व ब्लॉक स्तर के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इनमें एडीओ राकेश दीक्षित, डीपीएम संदीप निगम, अखिलेश कुमार (ग्राम विकास सचिव), पल्लवी शिवहरे (समाज कल्याण सचिव), बाबू सिंह यादव खंड प्रेरक शिव श्याम एवं अन्य विभागीय कर्मचारी शामिल रहे।

जन चौपाल में लोगों को संबोधित करते अधिकारी। अमृत विचार

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर चाचा की मौत, भतीजा जख्मी

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। नेशनल हाईवे में नरायच पुल के पर सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार चाचा भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक को पुलिस ने थाने में खड़ा कराया है।

कोतवाली क्षेत्र के रीवन निवासी जगदेव उर्फ़ छुटटू विश्वकर्मा (55) पुत्र फूलचंद विश्वकर्मा अपने भतीजे प्रदीप कुमार (21) पुत्र लल्लू राम के साथ बाइक से कस्बे खाद लेने आए थे। वापसी जाते समय नेशनल हाईवे पर नरायच पुल पर सामने से आ रहे ट्रक ने सीधे टक्कर मार दी। जिससे बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां पर डाक्टरों ने जगदेव को मृत घोषित कर दिया। जबकि प्रदीप कुमार का इलाज किया जा रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। जबकि ट्रक को पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। जगदेव छोटा किसान था और खेतिहर मजदूरी कर परिवार चलाता था। उसकी पांच लड़कियां हैं, जिनमें से तीन लड़कियों की शादी हो चुकी है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

डेढ़ माह से लापता युवक की प्रेम प्रसंग में हुई थी हत्या

संवाददाता, चौबेपुर

- युवक का कंकाल शाह निवादा शिवराजपुर के जंगल में मिला
- आरोपी महिला ने भतीजे और एक अन्य के साथ मिलकर की थी हत्या

अमृत विचार। क्षेत्र के रौतापुर गांव से डेढ़ माह पूर्व लापता हुए युवक की हत्या कर शव शिवराजपुर के शाह निवादा गांव के पास जंगल में फेंका गया था। प्रेम प्रसंग में हुई युवक की हत्या की घटना में पुलिस ने आरोपी महिला व उसके भतीजे को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

गोरेलाल।

क्षेत्र के रौतापुर (बंसी पुरवा) गांव निवासी रामस्वरूप के चार पुत्रों में तीसरे नंबर का गोरेलाल (21) अविवाहित था और परिवार के साथ रहकर मजदूरी करता था। बताया गया है कि गोरेलाल का पड़ोस की एक महिला लक्ष्मी पत्नी रामदास से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इधर बीती 31 अक्टूबर को काम पर जाने की बात कह घर से निकला गोरेलाल वापस घर नहीं लौटा। तमाम खोजने के बावजूद उसका कुछ पता न लगने पर परिजनों ने 2 नवंबर को चौबेपुर थाने में मामले की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

मामले में डेढ़ माह बाद भी युवक का कोई सुराग न लग पाने पर गत 18 दिसंबर को पिता रामस्वरूप ने पड़ोसी महिला लक्ष्मी उसके भतीजे ईशू और इशू के दोस्त अभिषेक निवासी शाह निवादा आदि के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया था। जिस पर सक्रिय हुई पुलिस व सर्विलांस की टीम ने लक्ष्मी व इशू को गुरुवार रात शाह निवादा गांव के निकट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में पहले तो लक्ष्मी ने घटना से पूरी तरह से अभिज्ञता जताई, लेकिन कड़ाई किए जाते ही वह टूट गई और सारा सच पुलिस के सापने बयां कर दिया।

उसने बताया कि गोरेलाल से उसका प्रेम प्रसंग था और कुछ समय वह उसे कुछ ज्यादा ही परेशान कर रहा था। जिससे तंग आकर उसने गोरेलाल को मार डालने की योजना बनाई। बताया कि भतीजे ईशू व उसके दोस्त अभिषेक के साथ मिलकर उसने गोरेलाल को शाह निवादा गांव स्थित जंगल के पास बुलाया। वहां पर मौका पाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर शव को जंगल में छुपा दिया। महिला की निशानदेही पर पुलिस ने युवक का शव जंगल से कंकाल के रूप में बरामद कर लिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि युवक की हत्या प्रेम प्रसंग में हुई है। आरोपी महिला ने अपने भतीजे व एक अन्य युवक के साथ मिलकर हत्या की किए जाने की बात स्वीकारी है। घटना में शामिल अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

पुलिस की गिरफ्त में खड़ी हत्यारोपी महिला और हत्यारोपी युवक। अमृत विचार

अवैध रूप से संचालित एक्सरे क्लीनिक को किया सीज

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कस्बे में बिना किसी लाइसेंस और मानकों के संचालित हो रहे एक एक्स-रे क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर उसे सील कर दिया है। साथ ही टीम ने कहा कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई होती रहेंगी।

ककवन कस्बे में लंबे समय से एक क्लीनिक में अवैध रूप से एक्स-रे मशीन लगाकर जांच का कार्य किया जा रहा था। इसकी सूचना लगातार क्षेत्रीय स्वास्थ्य विभाग को मिल रही थी। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अनुज दीक्षित अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान जब अधीक्षक ने संचालक से क्लीनिक के पंजीकरण, एक्स-रे मशीन के संचालन संबंधी प्रमाण पत्र और तकनीकी योग्यता के दस्तावेज मांगे, तो संचालक एक भी कागज प्रस्तुत नहीं कर सका। दस्तावेज न दिखा पाने पर और अवैध संचालन की पुष्टि होने पर डॉ. अनुज दीक्षित ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दुकान को सीज (सील) कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई से कस्बे में हड़कंप मच गया और अवैध रूप से क्लीनिक चलाने वाले अन्य झोलाछाप व जांच केंद्रों के संचालक अपनी अपनी दुकानें बंद कर भाग खड़े हुए।

जबकि थाने के समीप ही एक अवैध रूप से संचालित हो रहे एक क्लीनिक पर मंगलवार को छापा मारा गया था, जिसके बाद क्लीनिक पर अधीक्षक के द्वारा ताला डलवाने के साथ मौके पर पुलिस भी बैठाई गई थी। सीएचसी ककवन के अधीक्षक डॉ. अनुज दीक्षित ने कहा कि किसी को भी बिना मानकों के मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दुकान को सीज करते अधिकारी।

- तमाम अवैध क्लीनिक संचालक दुकान बंद कर भागे

घाटमपुर बार के संस्थापक सदस्य सीताराम का निधन

घाटमपुर। घाटमपुर बार एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य और एल्डर कमेटी के अध्यक्ष सीताराम सचान (90) का आज निधन हो गया। बताया जा रहा है कि अचानक तबीयत खराब होने के चलते उन्हें घाटमपुर के बेनी सिंह स्वास्थ्य सामुदायिक चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। वहां पर दिल का दौरा पड़ने के कारण उनका देहांत हो गया। वह करीब 6 दशक के लम्बे अनुभव के साथ अपने अंतिम समय तक अपने पेशे वकालत से जुड़े रहे। उनकी अंतिम यात्रा निज निवास ग्राम कैथा से निकलेगी और अंतिम संस्कार दोपहर 1:00 बजे शव-दाह घाटमपुर में किया जाएगा।

सीताराम सचान।

पुजारी को बंधक बनाकर मंदिर से घंटे व इनवर्टर लूटा

संवाददाता, घाटमपुर

- पुजारी के शोर मचाने पर दी जान से मारने की धमकी
- ग्रामीणों ने पुलिस को दी तहरीर जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचार। घाटमपुर के जहांगीराबाद स्थित मां काली शक्तिपीठ मंदिर में देर रात पुजारी को बंधक बनाकर तीन बदमाश यहां से इनवर्टर बैट्रा समेत दो दर्जन घंटे खोले ले गए। बदमाशों ने दान पात्र उखाड़ने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए तो भाग निकले, जब पुजारी ने शोर मचाने का प्रयास किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी। सुबह होने पर पुजारी ने ग्रामीणों संग पतारा चौकी पहुंचकर घटना की शिकायत की है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव निवासी सुरेश चंद सैनी ने बताया कि वह रहमपुर अंडरपास के पास स्थित मां काली शक्तिपीठ में पुजारी हैं। देर रात जब वह लघुशंका करने को उठे तो मंदिर में तीन बदमाश आ धमके। बदमाशों ने पुजारी के तमंचा लगाकर उन्हें बंधक बना लिया, इसके बाद बदमाशों ने मंदिर में लगे लगभग दो दर्जन घंटे खोल लिए और दान-पात्र उखाड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए तो इनवर्टर और बैट्रा समेत घंटे खोलकर वहां से भाग निकले। सुबह पुजारी ने घटना की जानकारी ग्रामीणों के दी। इसके बाद ग्रामीणों संग पुजारी पतारा चौकी पहुंचे, वहां पर पुलिस को घटना की तहरीर दी है। जानकारी मिलते ही पतारा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल की। पतारा चौकी इंचार्ज अरविंद सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी, जांच की जा रही है।

भक्त प्रहलाद की कथा सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर

कथा सुनाते आचार्य।

घाटमपुर। कथा के चौथे दिन कथा वाचक आचार्य गोपाल द्विवेदी के द्वारा प्रहलाद चरित्र का वर्णन किया गया। आचार्य ने बताया कि भक्त के लिये भगवान सब कुछ बन जाते हैं। प्रहलाद के लिए भगवान को नरसिंह अवतार धारण करना पड़ा। साथ प्रभु श्रीराम के चरित्र का वर्णन करते हुए उन्होंने कहाकि सभीको भगवान श्रीराम के चरित्र का अनुशरण करना चाहिये इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु कथा सुनने को मौजूद रहे।

दिखाया दम | चंडौत गांव के दो दिवसीय दंगल का हुआ समापन, अंतिम दिन हुईं रोमांचक कुश्तियां

हरियाणा की पूनम ने राजेश को चटाई धूल

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के चंडौत गांव के मेले में शुक्रवार को दंगल के दूसरे दिन गैरराज्यों के पहलवानों ने दांव-पेच दिखाए। गुड्डू भैया, प्रमोद तोमर, प्रधान प्रतिनिधि महिपाल सिंह ने पहलवानों का परिचय कराकर दंगल की शुरुआत कराई।

पहला मुकाबला पहलवान राजा बोधपुरा व योगेंद्र मैनपुरी के बीच हुआ, जिसमें योगेंद्र ने बाजी मारी। राहुल कानपुर व ऋषि रायबरेली की कुश्ती में राहुल जीते। राजस्थान के सत्यवीर से कड़े संघर्ष में अमर सिंह धौहल वियजी रहे। संदीप राणा कुठौदा व संजू कानपुर के बीच कुश्ती बराबरी पर छूटी। हरियाणा की महिला पहलवान पूनम ने बेहतरीन दांव दिखाते हुए बाराबंकी के राजेश को धूल चटाई। मानिक ग्वालियर व विनोद उरई के बीच कड़े मुकाबले में मानिक ने जीत हासिल की। दंगल में पहुंची महिला पहलवानों का समाजसेवी पुष्पेंद्र राजपूत ने हाथ मिलवाया। दंगल में रेफरी की भूमिका महिपाल और गुलाब ने निभाई। जबकि संचालन शीलू महाराज परासन ने किया। निर्णायक मंडली में शिवसिंह, अर्जुन, राधाचरण निगम और धर्मेश राजपूत, राजू निगम शामिल रहे। इस अवसर रामकुमार, अरविंद मुखिया, कमलेश जराखर, राजपूत चंद्रवती वर्मा, रिचा आकाश लोधीपुरा, शिवकुमार, सुनील नगायच, रामस्वरूप, देवेंद्र राजपूत, राम सहोदर नेता, ज्ञान सिंह सहित अन्य कमेटी सदस्य भी मौजूद रहे।

महिला पहलवानों का हाथ मिलवातीं चंद्रवती वर्मा।

दंगल में दांव-पेच दिखाते पहलवान। अमृत विचार

मांगों को लेकर आशाओं का धरना जारी

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवराजपुर परिसर में अपनी मांगों को लेकर आशा बहुओं ने अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करते हुए सभी ने जमकर नारेबाजी भी की। धरना प्रदर्शन के दौरान उन्होंने धरना स्थल पर खाना बनाकर खाया और अपनी मांगों को लेकर डटे रहने की बात कही। आशा संगठनों ने एक दर्जन मांगों को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन जारी रखने की बात कही।

सीएचसी परिसर में अपनी मांगों को लेकर लगातार आशा संगिनी धरना प्रदर्शन कर रही हैं संगठन की जिला अध्यक्ष आशा कुशवाहा ने बताया कि सरकार आशाओं से पूरे प्रदेश में सेवाएं लेती हैं पर उनके लिए सरकार लाभ के प्रति कोई भी कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने अपनी मांग रखते हुए कहा कि आशा बहुओं का न्यूनतम वेतन 25000 किया जाए, 10 लाख तक मुफ्त इलाज किया जाए, 50 लाख दुर्घटना बीमा दिया जाए, ड्यूटी का समय निर्धारित किया जाए, बकाया प्रोत्साहन राशि दिलाई जाए, आशा बहुओं को उच्च गुणवत्ता वाले 5G मोबाइल और तेज इंटरनेट की सेवा प्रदान कंपनी के सिम उपलब्ध कराए जाएं।

साथ ही डाटा ऑपरेटर के रूप के लिए जाने वाले कार्यों का भुगतान किया जाए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रेखा देवी, कोषाध्यक्ष ममता, मीरा पाल, माया, गीता, बिभा, कुसुम, सोनम सैनी समेत सैकड़ों आशा बहुएं मौजूद रहीं।

सीएचसी में धरना प्रदर्शन करतीं आशा बहुएं। अमृत विचार

अमृत विचार
कानपुर, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पत्नी से विवाद के बाद फंदा लगाकर दी जान

रसूलाबाद। मुलही गांव में पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मुलही निवासी पूर्व प्रधान के भतीजे अनिल कुमार उर्फ ललान मिश्र का पुत्र लकी मिश्र (30) खेती-किसानी करता था। गुरुवार रात अपने कमरे में पैजामी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घर में चीख-पुकार मच गई। मां गुड्डी देवी, पिता ललान मिश्रा, पत्नी निधि, बच्चे लव (10) शुभ (8) रोते-बिलखते रहे। कहिंजरी चौकी प्रभारी योगेन्द्र कुमार शर्मा पहुंचे। पिता और परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराने की गुजारिश की तो पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। स्वजन उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए खेरेश्वर गंगा घाट ले गए।

लाठियों से पीटा, नौ के खिलाफ रिपोर्ट

रसूलाबाद। माल का पुरवा निवासी एक व्यक्ति में गांव के ही नौ लोगों के विरुद्ध पुत्र को घेरकर लाठियों से हमला करने और दरवाजे आकर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव के गजेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को उसका पुत्र विशाल सिंह खेत में गोबर डालने जा रहा था। इसी दौरान गांव के राजेंद्र बहादुर, शीतल सिंह, प्रद्युम्न उर्फ सूर्य प्रताप सिंह, शनि उर्फ शत्रुघ्न सिंह, रीता, मनीषा गुंजन उर्फ निरंजन सिंह मानसिंह व आकाश उर्फ जितेंद्र ने घेरकर लाठियों से पीटा। हाथ में गंभीर चोटें आई। दरवाजे आकर जान से मारने की धमकी दी। थाने आते समय रास्ते में घेरा। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना कहिंजरी चौकी प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा करेंगे।

प्रतिबंधित पेड़ कटाने में फंसे फैक्ट्री मालिक

रनियां। रनियां में हाईवे के किनारे विसायकपुर स्थित एक पेपर मिल वर्षों से बंद पड़ी है। पिछले दिनों यहां फैक्ट्री मालिक लक्ष्मीकांत अग्रवाल ने खाली पड़ी जमीन पर बाउंड्री का निर्माण शुरू किया था। फैक्ट्री परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पुराने पेड़ बिना किसी परमीशन के कटाना शुरू कर दिया। इसकी सूचना पर उप प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्वा पांडेय, वन रेंजर सर्वेश सिंह, डिप्टी रेंजर अमित कटियार टीम के साथ पहुंचे। प्रभारी वनाधिकारी अपूर्वा पांडेय ने बताया कि 4 प्रतिबंधित पेड़ कटे हुए पाए गए हैं। लक्ष्मीकांत अग्रवाल के विरुद्ध उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम की धारा 4/10 में जुर्माना लगाया गया है।

बोरे में भरे मिले काऊ कोट, अलाव भी नहीं

रसूलाबाद। बीडीओ विपुल विक्रम सिंह ने शुक्रवार दोपहर बाद गंभीरा और बैरीसाल की गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। गंभीरा में कुल 205 गोवंश थे। काऊ कोट बोरे में मिले। बीडीओ ने ग्राम प्रधान व केयरटेकर को तत्काल काऊ कोट पहनाने के निर्देश दिए। गौशाला परिसर में गंदगी पाई गई। पानी की टंकी में गंदा पानी देखकर बीडीओ ने फटकार लगाई और अपने सामने शुद्ध पेयजल भरवाया। बैरीसाल गौशाला में 85 गोवंश मिले। यहां बछड़े काऊ कोट पहने थे किंतु अन्य गोवंशों को ठंड से बचाने के लिए जूट के बोरे रखे मिले। गौशालाओं में इस कड़ाके की ठंड के बावजूद नियमित रूप से अलाव नहीं जलवाने की बात सामने आई। बीडीओ ने सुबह-शाम अलाव जलवाने के निर्देश दिए।

एसपी की ढाबों पर नजर

गुरुवार की देर रात पुलिस कप्तान श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय ने रनियां थाना क्षेत्र के ढाबों और होटलों का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने रायपुर में हाईवे किनारे होटलों और ढाबों के संचालकों से पूछताछ की। संदिग्ध वाहनों को रोककर चेकिंग कराई और कागजाज पूरे न होने पर चालान कटवाए। इसके बाद उमरन के होटलों, ढाबों का निरीक्षण किया और गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी। थाने पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर शिवनारायण सिंह और मिशन शक्ति केंद्र पर तैनात महिला आरक्षियों से जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। महिला संबंधी शिकायतों पर त्वरित और पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके साथ सीओ सदर संजय सिंह भी रहे। ● अमृत विचार

पान की दुकानों से बिक रही शराब

- **रनियां।** थाना क्षेत्र में पान मसाले की दुकानों, चाय-पकौड़ी के होटलों, ढाबों पर अवैध रूप से शराब बिक रही थी। आबकारी विभाग ने शुक्रवार को छापेमारी की तो यहां 265 क्वार्टर ब्रांडेड देशी शराब मिली। आबकारी निरीक्षक रामवीर यादव के नेतृत्व में टीम ने रनियां पड़ाव पर करबक गांव निवासी सुरेंद्र सिंह की पान मसाले की दुकान से 225 क्वार्टर मस्तीह और ट्विन टावर ब्रांड की देशी शराब गत्तों में रखी मिली। उमरन चौराहे पर विक्रम सिंह पुत्र उमेश सिंह की एक परचून की दुकान पर छापेमारी की। टीम को यहां से 40 क्वार्टर देशी शराब ट्विन टावर बिकी के लिए रखी मिली। दोनों आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

पश्चिम बंगाल तक हो रही थी गोवंश की तस्करी

संवाददाता, शिवली

- औरैया का नसरुद्दीन, सिकंदरा का शादाब मास्टर माइंड
- राजस्थान के रहने वाले 2 तस्कर मुठभेड़ में गिरफ्तार हो चुके

अमृत विचार। शिवली व आसपास के गांवों से बड़े पैमाने पर अन्ना पशुओं की तस्करी की जा रही थी। पशुओं को कई राज्यों के अलावा प्रदेश के कई जिलों में भेजा जा रहा था। इसमें पूरा गिरोह लगा था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार के अलावा कानपुर, रामपुर में अन्ना पशुओं को ट्रक से भेजा जा रहा था। इस गिरोह में राजस्थान के मोहर सिंह बंजारा, राजू बंजारा, राघव बंजारा और साहिल शामिल थे। औरैया का नसरुद्दीन और सिकंदरा का शादाब इस खेल के मास्टर माइंड हैं। अभी पुलिस उन ट्रकों की तलाश कर रही है, जिनसे कई सालों से अन्ना पशुओं की लगातार तस्करी की जा रही है। पश्चिम बंगाल व रामपुर प्रतिबंधित अन्ना पशुओं के खरीदार भी पकड़े जा सकते हैं।

अन्ना पशुओं पर नजर रखते थे तस्कर: गोवंश की तस्करी में लगे गिरोह के सदस्य लगातार क्षेत्र में ही हैं। पुलिस इनको पकड़ने में सफल भी रही। हालांकि गिरोह की 10 दिनों से चहलकदमी बनी है। भाऊपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में रिंद नदी के किनारे 11 दिसंबर को जंगल में तस्करी के लिए गोवंश एकत्र किए गए थे। बरामदगी पर एसडीएम व सीओ रात में ही मौके पर पहुंचे थे। भाऊपुर चौकी प्रभारी केशवदेव ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 16 दिसंबर को कोतवाली शिवली पुलिस से मामले के आरोपी मोहर सिंह व राजू निवासी टीन टपरिया थाना सुकेत जिला कोटा प्रान्त राजस्थान की भुठभेड़ के बाद गिरफ्तारी हुई थी। और शुक्रवार को एक अन्य आरोपी शादाब की भुजपुरा गांव के पास से गिरफ्तारी की गई।

25 हजार रुपये का इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

भाऊपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के गजरा रामपुर गांव से अन्ना पशुओं की तस्करी में शामिल तीसरे अभियुक्त की गिरफ्तारी करने में पुलिस ने सफलता पाई है। गिरफ्तार आरोपी पर पुलिस कप्तान श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। शिवली इंस्पेक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि गो तस्करी के मामले में सिकंदरा के गांधी नगर में रहने वाले गजरा रामपुर गांव निवासी शादाब का नाम प्रकाश में आया था। मैथा चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने भुजपुरा तिराहे से उसे गिरफ्तार किया है। इसका बायां हाथ कटा हुआ है। इस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इससे पहले दो गो तस्करों को पुलिस ने भुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था।

अब स्टेट हाईवे से 10 मीटर चौड़ा होगा रसूलाबाद रोड

सड़क चौड़ी होने से कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, औरैया, माती का सफर होगा आसान

15 किलोमीटर सड़क को चौड़ा किया जाएगा

50 करोड़ रुपये का बजट शासन से मंजूर

अच्छी खबर

गीतेश अग्निहोत्री, शिवली

- दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ाई बढ़ने से थ्री लेन हो जाएगी सड़क
- कानपुर नगर जनपद में आता है 14 किलोमीटर रोड का हिस्सा

अमृत विचार। स्टेट हाईवे-68 शिवली से रसूलाबाद रोड अब दो लेन से उच्चीकृत कर थ्रीलेन का बनाया जाएगा। क्षेत्र की 15 किलोमीटर सड़क को तीन मीटर चौड़ा किया जाएगा। चौड़ीकरण के बाद रोड की चौड़ाई 10 मीटर हो जाएगी। इसके निर्माण में करीब 50 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इशके लिए शासन ने बजट स्वीकृत कर दिया है।

सड़क चौड़ीकरण के लिए शासन को प्रस्ताव को भेजा गया था, जिसको हरी झंडी मिल गई है। अब दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर रोड चौड़ा किया जाएगा। रोड चौड़ा होने पर कई जिलों के लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी।

अभी 7 मीटर चौड़ी है शिवली-रसूलाबाद रोड। अमृत विचार

स्टेट हाइवे 68 चौबेपुर से रसूलाबाद करीब 46 किलोमीटर लंबा है। 14 किलोमीटर का हिस्सा कानपुर नगर जनपद में पड़ता है। वहां सड़क चौड़ीकरण का काम पहले से ही हो रहा है। शिवली से रसूलाबाद तक करीब 32 किलोमीटर हिस्सा कानपुर देहात जनपद में पड़ता है। वर्तमान में सड़क सात मीटर चौड़ी है।

चौड़ाई बढ़ने पर सड़क 10 मीटर चौड़ी हो जाएगी। पांडव नदी शिवली से बन्नापुर बंबा तक पंद्रह किलोमीटर सड़क तीन मीटर और चौड़ी होगी। सड़क चौड़ी होने से वाहनों की गति और तेज हो जाएगी। इस सड़क से कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, औरैया, बिधूना, माती सहित अन्य जगहों के लिए वाहन चलते हैं।

दो विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ती सड़क

- स्टेट हाईवे-68 पांडव नदी से बन्नापुर बंबा तक पंद्रह किलोमीटर सड़क तीन मीटर चौड़ी होगी। जिसमें चार किलोमीटर पांडव नदी से भेवान तक चार किलोटर अकबरपुर रनियां विधान सभा में पड़ता है। जब कि 11 किलोमीटर का हिस्सा रसूलाबाद में पड़ता है। रनियां अकबरपुर की विधायक व राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला व रसूलाबाद की विधायक पूनम संखवार ने भी सड़क चौड़ीकरण कराने के प्रयास किए।

चौबेपुर-बेला स्टेट हाईवे - 68 से पंद्रह किलोमीटर सड़क को सात मीटर से दस मीटर चौड़ा करने का प्रस्ताव भेजा गया था। 50 करोड़ रुपये की लागत से सड़क चौड़ा करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है।

-महेश कुमार, अवर अभियंता लोक निर्माण खंड-1

घने कोहरे में खड्ढ में गिरी कार, 8 घायल

संवाददाता, रसूलाबाद

सड़क किनारे खड्ढ में गिरी पड़ी कार।

अमृत विचार। गुरुवार की रात घने कोहरे के बीच सामने से आए एक वाहन को बचाने के प्रयास में वैन खड्ढ में जा गिरी, जिससे उस पर सवार सभी 8 लोग घायल हो गए। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। बड़ा हादसा टल गया।

रसूलाबाद-कानपुर रोड पर पहाड़ीपुर गांव के पास को एक तेज रफ्तार ओमनी वाहन सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ढ में जा गिरा। इस हादसे में कार सवार आठ लोग मामूली रूप से घायल हो गए। किसी को गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्हें निकट ही पीएचसी पहाड़ीपुर में प्राथमिक उपचार दिया गया। सूचना मिलने पर घायलों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटना का कारण घना कोहरा और कम दृश्यता माना जा रहा है।

हादसे की रिपोर्ट दर्ज

- 16 दिसंबर को कानपुर रोड पर दहेलिया के पास लोडर की टक्कर से कार सवारों के घायल होने के मामले में रायपुर मजरे कानपुर देहात निवासी हरगोविंद सिंह ने लोडर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

अचानक पानी छोड़ने से बंबी फटी, फसलें हो गई जलमग्न

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र की मल्हपुर बंबा में अचानक पानी छोड़े जाने से किसानों की कई बीघा गेहूं लाई आलू आदि की फसलें जलमग्न हो गई है। इस घटना से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। जिससे गेहूं, लाही और आलू की अनेकों बीघे फसलें जलमग्न हो गईं।

किसान दिनेंद्र कुमार ने बताया कि उनके गेहूं की सिंचाई हो चुकी थी। लेकिन अचानक पानी आने से कई बीघा फसल बर्बाद हो गई। किसान प्रदीप मिश्रा के अनुसार, उनकी ढाई बीघा आलू की फसल पानी भर जाने से बर्बाद हो गई है। किसान सुरेश की भी तीन बीघा राई जलमग्न हो गई है। सिंचाई विभाग की जेई मानसी वर्मा ने बताया कि रात में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पानी खोल दिया गया था। तेज बहाव के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। सूचना पर पानी बंद कराया गया है।

मल्हपुर बंबा की पटरी कटने से जलमग्न फसलें। अमृत विचार

अफसरों के साथ जेल पहुंचे डीजे

कानपुर देहात। जनपद न्यायाधीश रविन्द्र सिंह, जिलाधिकारी कपिल सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिमांशु कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रणविजय सिंह, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अमित कुमार एवं मुख्य चिकित्साधिकारी एके सिंह ने जिला कारागार का संयुक्त रूप से शुक्रवार को निरीक्षण किया।

निरीक्षण में कारागार की पाकशाला, गल्ला गोदाम का निरीक्षण किया गया।साथ ही अनाज एवं भोजन की गुणवत्ता की गहनता से परीक्षण किया एवं भोजन व साफ-सफाई की प्रशंसा की गई। महिला बैरक का निरीक्षण किया। महिला बन्दियों के साथ रहने वाले बच्चों को गिफ्ट हैम्पर वितरित किए गए। महिला बंदियों से उनके केस से सम्बन्धित विधिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त महिला बंदियों चलाये जा रहे ब्यूटी पार्लर कोर्स की सराहना की गई।

पुस्तक का विमोचन | जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक में डीएम के निर्देश

ऋण पत्रावली लटकाएं नहीं, स्वीकृत कराएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

बैठक के दौरान दिशा-निर्देश देते डीएम कपिल सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक ऋण योजना के साथ अन्य योजनाओं में बैंकों को आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष योजनावार प्रगति की समीक्षा की गई। कहा गया कि ऋण पत्रावलियों को बैंकों में लंबित न किया जाए।

अपूर्ण पत्रावली पर विभाग बैंक एवं आवेदक के साथ समन्वय स्थापित कर नियमानुसार स्वीकृत कराया जाए। उन्होंने बैंकों को ऋण पत्रावलियों को समय से स्वीकृत करने व सीडी दर बढ़ाने पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने में बैंकों का बहुत बड़ा योगदान है। डीएम ने कहा कि बैंक द्वारा अनावश्यक रूप से पत्रावलियों को लंबित रखने से न केवल बैंकिंग सेवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. बल्कि योजनाएं भी प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पाती हैं। कृषकों, पशुपालकों, मत्स्य पालकों की अधिक से अधिक केसीसी बनाई जाए। उन्होंने ऋण जमानुपात बढ़ाने के निर्देश दिए। बैंकों के जिला समन्वयकों को आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय अंतर्गत करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण करते समय शिकायतकर्ता से बात कर उसका फीडबैक जरूर लिया जाए। शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने पर ही शिकायत को निक्षेपित किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा नाबार्ड व आरसेटी द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा की गई।और नाबार्ड द्वारा जारी पुस्तक का विमोचन भी किया गया। बैठक में सीडीओ लक्ष्मी एन., एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य, एलडीएम राकेश कुमार, डीसी एनआरएलएम गंगाराम वर्मा, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, रिजर्व बैंक के पदाधिकारी आदि रहे।

सिकंदरा में आज दर्द सुनेंगे डीएम-एसपी

- एडीएम (प्रशासन) अमित कुमार ने बताया कि 20 दिसंबर को सिकंदरा तहसील के सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम कपिल सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी पहुंचेंगे और लोगों की फरियाद सुनेंगे।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद कन्नौज

पत्रांक/बेसिक/7659-67/2025-26 दिनांक- 19/12/2025

अभिभावको एवं शिक्षकों / शिक्षणेत्तर कर्मियों से अपील

"APAAR" में दर्ज होगी कक्षा-01 से कक्षा-12 तक के बच्चों की शैक्षिक कुण्डली

वन नेशन वन स्टूडेण्ट आई0डी0 की परिकल्पना को साकार करते हुए कक्षा-12 तक के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की 12 अंकों की यूनीक आई0डी0 अपार (आटोमेटेड परमानेन्ट एकेडमिक एकाउण्ट रजिस्ट्री) तैयार करायी जा रही है। इस योजना से जनपद कन्नौज के कुल 2883 परिषदीय, राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय, आई0सी0एस0ई0, सी0बी0एस0ई0, समाज कल्याण के आश्रम पद्धति विद्यालय, श्रम विभाग के आवासीय विद्यालय एवं मदरसा बोर्ड में पढ़ने वाले लगभग 3.33 लाख छात्र-छात्राएं आच्छादित होंगे।

''अपार आई डी के लाभ एवं उपयोगिता''-'' अपार'' आई0डी0 हेतु माता-पिता/वैद्य अभिभावक की सहमति अनिवार्य है। प्रत्येक छात्र-छात्रों के अकादमिक इतिहास का विवरण डिजिलॉकर में संरक्षित रहेगा यथा शैक्षिक योग्यता प्राप्त ग्रेड, सर्टिफिकेट, विभिन्न संस्थाओं में बच्चों की उपलब्धि इत्यादि। बच्चों का केडेन्शियल विभिन्न संस्थाओ में स्थानान्तरणीय है। अपार आई0डी0 शैक्षणिक एवं कैरियर में आजीवन उपयोगी है। बच्चों के शैक्षिक, अभिलेखो तथा यथा-अंकपत्रों, स्थानान्तरण प्रमाण-पत्रों के खो जाने का डर नही रहेगा। ड्रॉप आउट बच्चों की ट्रैकिंग कर उनको शिक्षा की मुख्य धारा से जोडना आसान हो जायेगा। सरकार द्वारा छात्रों को प्रदान की जाने वाली लाभाथह्नपरक योजनाओं में उपयोगी रहेगा।

यू-डायस पोर्टल पर दर्ज बच्चों के डाटा के आधार पर अपार आई0डी0 का निर्माण होगा। यू-डायस के ''स्टूडेण्ट मॉड्यूल पर क्लिक करके संक्षिप्त विवरण भरते ही अपार आई0डी0 सृजित हो जायेगी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद कन्नौज द्वारा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक विद्यालय में विशेष पी0टी0एम0 आयोजित कर ''अपार'' की आवश्यकता एवं उपयोगिता को अभिभावकों से साझा करते हुए सहमति पत्र भरवाकर यथाशीघ्र यू-डायस पोर्टल के माध्यम से ''अपार'' आई0डी0 बनवाना सुनिश्चित करें। समस्त विद्यालयों के प्रबन्धक / प्रधानाध्यापक शत-प्रतिशत बच्चों का डाटा यू-डायस पोर्टल पर अंकित कर लें तथा समस्त अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की अपार आई0डी0 सृजित कर लें। यदि किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा उक्त कार्य में रूचि नहीं ली जाती हैं या ससमय पूर्ण नही किया जाता है तो विभागीय नियमानुसार मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित विद्यालय का होगा।

यू-डायस से सम्बन्धित किसी भी समस्या / सुझाव के लिए अपने विकास खण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ब्लॉक एम0आई0एस0 समन्वयक / कम्प्यूटर आपरेटर से कार्यालय अवधि में सम्पर्क कर सकते है। सर्व साधारण को सुझाव दिया जाता है कि बिना यू-डायस कोड प्राप्त विद्यालयों में अपने पाल्यों का प्रवेश कदापि न करायें।

तथा

परिषदीय शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के मानव सम्पदा पोर्टल पर उपलब्ध ई-सेवा पुस्तिका में संशोधन/अपडेशन हेतु विकास खण्ड स्तर पर ई-करेक्शन आई0डी0 केवल दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 तक ही कियाशील है। शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मी समयान्तर्गत संशोधन / अपडेशन करायें।

(संदीप कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जनपद-कन्नौज

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

सुविचार

जब तुम दुःखों का सामना करने से डर जाते हो और रोने लगते हो, तो मुसीबतों का ढेर लग जाता है। लेकिन जब तुम मुस्कराने लगते हो, तो मुसीबतें सिकुड़ जाती हैं। -सुधांशु महाराज

कानपुर के प्रमुख समाचार

- समीक्षा में डीएम सख्त, बीएसए से स्पष्टीकरण-II
- कपड़ा बाजार में फिर युवा सेना की सरकार-III
- क्रिसमस का सजा बाजार, ऑनलाइन खरीद ज्यादा-IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **गोष्ठी :** अखिल भारतीय अधिकारी प्रवास क्रम में पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान सभागार, कानपुर विवि में स्वदेशी-स्वावलंबी भारत गोष्ठी प्रातः 10 बजे से।
- **नामांकन जुलूस :** कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए नामांकन जुलूस नागेश्वर मंदिर से दोपहर 2 बजे।

ट्रेनों के लेट होने से सेंट्रल स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ है। अमृत विचार

ट्रेन की खिड़की से अंदर घुसता यात्री। अमृत विचार

सड़क हादसों से बचने के लिए ट्रेनों में हुजूम

- हर दिन हाईवे पर कहीं न कहीं भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं जिससे लोगों में दहशत है। लोग बसों से जाने के बजाय ट्रेनों से जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। यही कारण है कि 40-40 घंटे ट्रेनों के लेट होने के बाद भी लोग ट्रेन से ही जाना पसंद कर रहे हैं। विशेषकर लंबी दूरी के सफर के लिए लोगों ने हादसों के डर के मारे अपनी कार घर में ही खड़ी कर दी है और ट्रेन से ही जा रहे हैं।

सभी फ्लाइट ओके

- कानपुर एयरपोर्ट के रनवे पर कोहरा होने के बाद भी बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई चारों फ्लाइट आई और यात्रियों को लेकर रवाना हुई। कानपुर एयरपोर्ट के निदेशक प्रदीप यादव ने बताया कि बेंगलुरु की फ्लाइट दोपहर 12.55 बजे आई और दोपहर 1.40 बजे उड़ान भरी। हैदराबाद दोपहर 2.07 बजे आई और दोपहर 2.52 बजे टेकआफ हुई। इसी प्रकार दिल्ली की फ्लाइट दोपहर 2.30 बजे आई और 3.48 बजे रवाना हुई। मुंबई की फ्लाइट दोपहर 3.12 बजे कानपुर आई और 4.35 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरी।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें, ट्रेनें हैं घंटों लेट-करते रहिए वेट

कोहरे के कारण ट्रेनों का पता नहीं, जो पहले आई, उसी पर बैठने की होड़, वंदेभारत-राजधानी-तेजस-शताब्दी जैसी वीआईपी ट्रेनें भी घंटों लेट चल रहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्टेशन पर यात्रियों का हुजूम, सर्दी में हो रहे परेशान

अमृत विचार। शुक्रवार को सेंट्रल स्टेशन पर महाकुंभ जैसा नजारादिखाई दिया। कोहरे के कारण 180 से अधिक ट्रेनें लेट चल रही हैं, ऐसे में जो भी ट्रेन आ रही है, उस पर हजारों यात्रियों की भीड़ टूट पड़ रही है। रात में आने वाली ट्रेनों के यात्री दूसरे दिन तक स्टेशन पर परेशान हैं।

शुक्रवार को आरक्षण केंद्र पर आरक्षण कराने वालों से ज्यादा आरक्षण निरस्त कराने वालों की लंबी लाइन लगी रही। दिनभर कोहरा छाया रहा जिससे ट्रेनें रफ्तार नहीं पकड़ सकीं। कोहरे के कारण ज्यादातर ट्रेनें लेट चल रही हैं, ऐसे में हजारों यात्री स्टेशन पर परेशान हैं। जो भी ट्रेन पहले आती है, उसी पर बैठने के लिए यात्री टूट पड़ते हैं। वंदेभारत, तेजस, शताब्दी, राजधानी एक्सप्रेस जैसी वीआईपी ट्रेनें भी घंटों लेट चल रही हैं।

ट्रेनों के लेटलतीफी के कारण 4200 से अधिक यात्रियों ने अपना टिकट वापस करा दिया। उधर, ट्रैक नहीं दिखाई देने से चालक परेशान रहे और 130 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनें 20 किमी प्रति घंटा से रेंगती रहीं। सिग्नल नहीं दिखाई देने से कई बार चालकों को ट्रेन रोकना पड़ा और वाकी टॉकी से स्टेशन मास्टर से बात करनी पड़ी। कोहरे के कारण दिल्ली-कानपुर, कानपुर-झांसी, कानपुर वाराणसी की लगभग 180 ट्रेनें लेट रहीं जिससे हजारों यात्री परेशान रहे। गुरुवार को रात में आने वाली ट्रेनें शुक्रवार को शाम तक आती रहीं। गुरुवार को कानपुर-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया था ताकि शुक्रवार को राइट टाइम रहे लेकिन सुबह से ही मौसम खराब होने के कारण शताब्दी फिर लेट हो गयी। इसी प्रकार तेजस प्राइवेट गाड़ी है, इसमें नियम है कि यदि गाड़ी ज्यादा लेट हो गयी तो यात्रियों को मुआवजा देना पड़ेगा लेकिन ये गाड़ी भी 2 से 3 घंटे लेट चल रही है।

भुवनेश्वर राजधानी, पटना, कोलकाता व अन्य सभी पांचों राजधानी लेट चल रही हैं। प्रयागराज से फर्रुखाबाद के रास्ते कालिंदी एक्सप्रेस 4 से 5 घंटे लेट चल रही है। नई दिल्ली से कानपुर आने वाली श्रमशक्ति एक्सप्रेस भी सुबह के बजाए दोपहर में आई। नई दिल्ली से लखनऊ जाने वाली स्वर्णशताब्दी भी 5 घंटे लेट रही।

स्टेशन पर ट्रेन आते ही टूट पड़ते हैं हजारों यात्री। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

तिरुपति से वाया गोविंदपुरी प्रयागराज के लिए आज ट्रेन

कानपुर। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने शनिवार को प्रयागराज से गोविंदपुरी स्टेशन होते हुए तिरुपति तक विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि इस गाड़ी में सेकंड एसी 1, स्लीपर 10, साधारण कोच 6, पार्सल कोच 2 होंगे। गाड़ी संख्या 07298 तिरुपति से शनिवार को प्रातः 8.15 बजे रवाना होगी। रायचुर दोपहर 3.58 बजे, सिकंदराबाद रात 8.55 बजे, पेडापल्ली रात 00.08, नागपुर प्रातः 7.10 बजे, इटारसी दोपहर 1.15 बजे, भोपाल दोपहर 3.15 बजे, झांसी रात 8.20 बजे, उरई रात 9.50 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) रात 11.50 बजे, प्रयागराज भोर 4.30 बजे पहुंचेगी।

झांसी-लखनऊ इंटरसिटी आज-कल रद्द

कानपुर। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी मनोज सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 11109/11110 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी इंटरसिटी एक्सप्रेस आगामी सूचना तक शनिवार एवं रविवार को रद्द रहेगी। यात्रा से पूर्व ट्रेन की स्थिति की जानकारी यात्रीगण हेल्पलाइन नंबर 139 से प्राप्त कर लें।

उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा की

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की अध्यक्षता में जनपद में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा के लिए सभी थोक उर्वरक विक्रेताओं एवं उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में प्रतिदिन भ्रमण कर उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति का निरीक्षण सुनिश्चित करें।

एपीके फाइल पर क्लिक करते ही 7.56 लाख पार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हनुमंत विहार में बैंक कर्मचारी को लगाया चूना

अमृत विचार। हनुमंत विहार में बैंक कर्मी को प्रधानमंत्री हेल्थ कार्ड की एपीके फाइल भेजकर साइबर शातिर ने फंसाया। फाइल डिलिट करने के लिए क्लिक करते ही पीड़ित के दो खातों से कई बार में 7.56 लाख रुपये निकल गए। मोबाइल पर मैसेज आने पर ठगी का पता चला।

खाड़ेपुर के योगेंद्र विहार निवासी मनोज कुमार वर्मा पंजाब नेशनल बैंक की करहरी शाखा में कार्यरत हैं। मनोज के अनुसार बैंक ने ट्रेनिंग के लिए एक वाट्सएप ग्रुप बना रखा है, जिसमें 11 नंवबर 2024 को प्रधानमंत्री हेल्थ कार्ड के नाम से एक एपीके फाइल का मैसेज आया। उन्होंने मैसेज डिलिट कर दिया था, लेकिन उसके बाद भी शातिरों ने उनके वेतन व पर्सनल एकाउंट से कई बार में 7.56 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। इस बीच वह अपनी बीमार मौसी को देखने अस्पताल लाजपतनगर गए थे, तभी उनके मोबाइल पर 11500 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर होने का मैसेज आया। इस पर तत्काल बैंक के टोल फ्री में संपर्क किया तो ठगी होने का पता चला। 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। अगले दिन बैंक पहुंचकर खाता चेक किया तो सैलरी और पर्सनल एकाउंट से निकले रुपये का पता चला। हनुमंत विहार थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके रकम वापस कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सजा बाजार

क्रिसमस की तैयारी तेज होने लगी है। बाजार में त्योहार से संबंधित चीजें सज गई हैं। सजावटी सामान, सेंटा के मास्क और पूरी ड्रेस, क्रिसमस ट्री की कई वैराइटी बाजार में आ गई हैं। (पैकेज पढ़ें पेज-IV पर)

कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में मांगी रिश्वत

संवाददाता, घाटमपुर

- घाटमपुर में तैनात राजस्व निरीक्षक निलंबित

अमृत विचार। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में रिश्वत मांगने के आरोप सामने आने के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तहसील घाटमपुर में तैनात राजस्व निरीक्षक विशम्भर नाथ वर्मा को निलंबित कर दिया।

अमौली निवासी अर्चना सिंह के पति की सड़क दुर्घटना में 6 दिसंबर 2024 को मृत्यु हो गई थी। उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4 जून 2025 को आवेदन प्रस्तुत किया था। तहसीलदार घाटमपुर की आख्या के उपरांत लाभ दिए जाने की संस्तुति सहित पत्रावली अग्रसारित की गई थी। इसके बाद एक ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें राजस्व निरीक्षक द्वारा पत्रावली आगे बढ़ाने के नाम पर 15 हजार रुपये की मांग किए जाने की बात सामने आई। जिलाधिकारी ने इस मामले में जांच के आदेश दिए। उपजिलाधिकारी घाटमपुर की रिपोर्ट और वायरल ऑडियो के प्रथम दृष्टया परीक्षण के आधार पर जिलाधिकारी ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल कार्रवाई कर दी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाएं जरूरतमंदों के हित के लिए होती हैं, न कि अवैध लाभ अर्जित करने का माध्यम बनने के लिए। राजस्व निरीक्षक विशम्भर नाथ वर्मा को निलंबित करके प्रकरण की निष्पक्ष विभागीय जांच के लिए अपर उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

व्यवस्था | 40 किलो या उससे कम भार पर 65 रुपये प्रति कुली दीजिए

सभी स्टेशनों पर कुलियों के रेट संशोधित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर सेंट्रल समेत सभी स्टेशनों पर कार्यरत लाइसेंस प्राप्त कुलियों के शुल्क में संशोधन किया गया है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह का कहना है निर्धारित एवं अधिकृत शुल्क की जानकारी लेकर ही कुली सेवा का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर स्टेशन प्रशासन को सूचित करें। ये संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

कुलियों को ये पारिश्रमिक देना होगा

- 40 किग्रा तक या उससे कम भार, हाथ/सिर पर, मुख्य प्लेटफॉर्म पर (जहां फुटओवर ब्रिज शामिल नहीं है) 65 रुपये प्रति कुली संशोधित किया गया है।

- असुविधा होने पर यात्री स्टेशन प्रशासन से संपर्क करें

- 40 किग्रा तक या उससे कम भार, हाथ/सिर पर, प्लेटफॉर्म पर (जहां फुटओवर ब्रिज शामिल है) 75 रुपये प्रति कुली निर्धारित किया गया है।
- 40 किग्रा से अधिक एवं 2 क्विंटल तक, दो पहिया एवं चार पहिया ट्राली द्वारा, मुख्य प्लेटफॉर्म पर (जहां फुटओवर ब्रिज शामिल नहीं है) दो कुलियों के लिए 130 रुपये देना होगा।
- 40 किग्रा से अधिक एवं 2 क्विंटल तक, दो पहिया एवं चार पहिया ट्राली द्वारा, प्लेटफॉर्म पर (जहां फुटओवर ब्रिज शामिल है) दो कुलियों के लिए 150 रुपये देना पड़ेगा।

दिव्यांग/बीमार यात्रियों की सहायता के लिए शुल्क

- व्हील चेयर द्वारा, प्लेटफॉर्म पर (जहां एफओबी शामिल नहीं है) वहां 65 रुपये प्रति कुली।
- व्हील चेयर द्वारा, प्लेटफॉर्म पर (जहां एफओबी शामिल है) 150 रुपये (दो कुलियों के लिए देना होगा।
- स्ट्रेचर द्वारा, प्लेटफॉर्म पर (जहां एफओबी शामिल है) दो कुलियों के लिए 150 रुपये और चार कुलियों के लिए 300 रुपये देना पड़ेगा।

यदि ट्रेन लेट, इंतजार करने का अतिरिक्त चार्ज

- 30 मिनट तक प्रतीक्षा अनिवार्य होगा। इसके उपरांत प्रत्येक अतिरिक्त 30 मिनट या उसके अंश के लिए 50 रुपये अतिरिक्त शुल्क देय होगा।
- सुरक्षा की दृष्टि से, फुटओवर ब्रिज शामिल होने वाले प्लेटफॉर्म पर व्हीलचेयर की बुकिंग एक ही कुली के साथ अनुमन्य नहीं होगी।

महिला डॉक्टर के प्लाट पर कब्जा अभद्रता की

कल्याणपुर। पनकी में दबंगो ने एक महिला डॉक्टर के प्लाट पर कब्जे की नीयत से निर्माण सामग्री जमा कर दी। विरोध करने पर दबंगों ने महिला डॉक्टर के साथ गाली गलौज व अभद्रता करते हए उन्हें धमकी दी। पीड़िता ने घटना की तहरीर पुलिस आयुक्त को दी है।

बर्रा की गुजैनी अंबेडकर नगर निवासी डॉक्टर सीता यादव के मुताबिक पनकी के पतरसा गांव में एक प्लाट है। जिसपर पिछले कुछ दिनों से स्थानीय दबंग कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। इसी के चलते दबंगों ने उनके प्लाट पर निर्माण सामग्री भी जमा कर दी। गुरुवार को मौके पर पहुंचकर जब उन्होंने इसका विरोध किया तो दबंगों ने गाली गलौज करते हुए उनके साथ जमकर अभद्रता की। उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि जांच की जा रही है।

चेक और डीडी से नहीं ले रहे बिल, उद्यमी परेशान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उद्यमियों ने केस्को प्रबंध निदेशक से की मुलाकात

अमृत विचार। केस्को द्वारा दावा किया जा रहा था कि बिजली बिल का भुगतान चेक व डीडी के जरिये सभी केंद्रों पर हो रहा है, लेकिन जब उद्यमियों ने केस्को मुख्यालय पहुंचकर समस्या बताई तो यह मामला सही पाया गया। केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल ने यूपीपीसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर नेफ्ट/आरटीजीएस फार्म डाउनलोड कर भुगतान की विधि समझाई।

खंडीय कार्यालयों में उपभोक्ताओं से चेक या डीडी द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किया जा रहा है। इस वजह से उनको परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में शुक्रवार को चेयरमैन विजय कपूर के नेतृत्व में उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल केस्को मुख्यालय पहुंचा और प्रबंध निदेशक से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। प्रबंध निदेशक ने उद्यामियों की समस्याएं सुनीं और उन्हें यूपीपीसीएल की अधिकारिक वेवसाइट पर नेफ्ट/आरटीजीएस फार्म डाउनलोड की जानकारी दी। बताया कि उपभोक्ता यूपीपीसीएल की बेवसाइट से आरटीजीएस फार्म डाउनलोड कर अपने बैंक में धनराशि जमा करा सकते हैं। ऐसे में उपभोक्ता को केस्को कार्यालय में जाने या अन्य उपाय करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसपर फिलहाल उद्यमियों ने सहमति जताई। प्रतिनिधि मंडल में एडिशनल सेक्रेट्री सतीश प्रकाश, अरुण जैन, राजेन्द्र गुप्ता व अर्पित अवस्थी समेत आदि उद्यमी रहे।

भूधर ने भूपेश अवस्थी को भेजा 5 करोड़ का नोटिस

कानपुर। कांग्रेस के पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र ने निराला नगर निवासी भूपेश अवस्थी को अपनी छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए 5 करोड़ का मानहानि का नोटिस भेजा है। पूर्व विधायक का आरोप है कि उनके खिलाफ झूठा प्रचार और वीडियो वायरल करके उनकी छवि को धूमिल किया।

कानपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं महामंत्री गणेश कुमार दीक्षित ने भूपेश अवस्थी को नोटिस भेजते हुए कहा है कि उनके क्लाइंट भूधर नारायण मिश्र के खिलाफ आपके द्वारा भ्रामक प्रचार करके उनकी छवि को धूमिल किया गया है। भूधर नारायण मिश्र कानपुर नगर के 2 बार विधायक रह चुके हैं। समाज में उनकी अच्छी मान प्रतिष्ठा है। अधिवक्ता ने भूपेश अवस्थी पर आरोप लगाया है कि आपने भूधर नारायण मिश्र पर झूठा, असत्य आरोप लगाया।

सिटी ब्रीफ

मेहरोत्रा डायग्नोस्टिक में 53 बच्चों की हुई जांच

कानपुर। अशोक नगर स्थित एसएन मेहरोत्रा डायग्नोस्टिक एंड ईएनटी अस्पताल में शुक्रवार को लायंस क्लब ऑफ कानपुर गैंजज ने मूक बधिर बच्चों के लिए हेल्थ कैंप का आयोजन किया। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ .अंकित पाल ने 53 बच्चों को परामर्श देकर उनकी जांच की और उन्हें उपचार के लिए चयनित किया। चेयरपर्सन सुभाष खन्ना ने कहा कि कल तक जो असंभव कहा जाता था, आज आधुनिक वैज्ञानिक उपचार से संभव हो सका है। कॉक्लियर इंप्लांट की मदद से अब जन्म से मूक बधिर बच्चे भी बोल व सुन सकते हैं। इस दौरान ज्ञान प्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष धनंजय जैन, कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता, टीकम चंद सेठिया, दीपक, विराट गुप्ता, कुबेर नाथ अग्रवाल समेत आदि लोग रहे।

पाक्सो के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

कल्याणपुर। रावतपुर में 25 नवंबर को घर की साफ सफाई का काम करने निकली किशोरी को बहला फुसलाकर साथ ले जाने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी जौनपुर के इजरी जलालपुर निवासी रोहित उपाध्याय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी को सकुशल बरामद कर कार्रवाई की जा रही है।

पड़ोसी ने महिला को मारापीटा, रिपोर्ट

कानपुर। कैंट में कूड़े डालने के विवाद में पड़ोसी ने परिजनों के साथ मिलकर महिला को मारापीटा। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कैंट के बनिया बाजार निवासी सोनी के अनुसार बीती 16 दिसंबर को उनके पड़ोसी भोपू और शालू से उनका कूड़ा फेंकने को लेकर विवाद हुआ। इसपर आरोपियों ने उनसे गाली-गलौज की। विरोध पर उन्हें बेल्ट और लात-घूंसों से मारापीटा। इलाके के लोगों के बीच बचाव करने पर मामला शांत हुआ।

दहेज की मांग पूरी न होने पर तीन तलाक

कानपुर। बादशाहीनाका में अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला को तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुली बाजार निवासी नाजिया उस्मान के अनुसार उनका निकाह 25 नवंबर 2023 को वाराणसी के कैंट सदर बाजार निवासी मोहम्मद फैसल से हुआ था। शादी के बाद से ही ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उन्हें प्रताड़ित कर मारपीट करने लगे।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी सख्त बीएसए से स्पष्टीकरण तलब किया

खराब कार्य करने पर बिल्हौर के एडीओ पंचायत और बीईओ का वेतन भी रोका गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की बुधवार को जिलाधिकारी ने समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया। इसके अलावा खराब कार्य करने पर बिल्हौर के बीडीओ, एडीओ पंचायत और बीईओ का वेतन रोका गया। बैठक के दौरान डीसी निर्माण, डीसी एमडीएम, डीसी एमआईएस को नोटिस जारी हुआ है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में बैठक हुई। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा हुई। ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, सामुदायिक सहभागिता और मध्याह्न भोजन योजना की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा में बिल्हौर और चौबेपुर ब्लॉक के विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं की स्थिति असंतोषजनक पाई गई। टाइलिंग कार्य, मल्टीपल हैंडवॉशिंग यूनिट, रनिंग वाटर इन टॉयलेट और

● डीसी निर्माण, डीसी एमडीएम डीसी एमआईएस को नोटिस

सीडब्ल्यूएसएन से जुड़े कार्यों में बीते चार माह में कोई प्रगति नहीं होने पर जिलाधिकारी ने बिल्हौर और चौबेपुर के खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और एडीओ पंचायत का दिसंबर माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह को विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा न करने एवं खराब पर्यवेक्षण पर स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। डीसी निर्माण प्रवीण पांडे द्वारा बीते चार माह से बिल्हौर और चौबेपुर ब्लॉक में निर्माण कार्यों की प्रगति न होने की जानकारी उच्च अधिकारियों को न दिए जाने और नियमित समीक्षा न करने पर स्पष्टीकरण के साथ चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें और लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें। खंड शिक्षा अधिकारी नगर शालिनी गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिला समन्वयक अनुरुद्ध सिंह द्वारा आवश्यक सूचनाएं प्रस्तुत न करने पर स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए गए। डीसी मध्याह्न भोजन सौरभ पांडे द्वारा बैठक में समुचित डाटा उपलब्ध न कराने पर उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए गए। इसी तरह जिला समन्वयक एमआईएस द्वारा बच्चों के आधार कार्ड निर्माण में प्रगति न होने पर भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

रिश्तेदार व अधिवक्ता पर रंगदारी मांगने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। बादशाहीनाका में महिला ने रिश्तेदार और अधिवक्ता पर रंगदारी मांगने, धमकी देने और अवैध वसूली का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता अनीता बाजपेई के अनुसार उनका पति से तलाक का मुकदमा उन्नाव कोर्ट में चल रहा है। मुकदमें में उन्हें गुजारा भत्ते के रुप में बीती 14 जुलाई को 3.50 लाख रुपये डीडी के माध्यम से प्राप्त हुए। आरोप है कि शुक्लागंज निवासी उनके रिश्तेदार महेंद्र त्रिवेदी ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कराई थी। अधिवक्ता ने मुकदमे का खर्च उनसे 65 हजार रुपये और 13,500 ऑनलाइन लिए थे। आरोप है कि इसके बावजूद महेंद्र और पति की ओर से पैरवी कर रही अधिवक्ता रश्मि सिंह सेंगर एक लाख रुपये देने का दबाव बना रही हैं। विरोध पर गाली-गलौज व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

21 जुलाई को महेंद्र उनके घर पहुंचकर एक लाख रुपये की मांग की। विरोध पर लाइसेंसी रिवाल्वर दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। थाने में सुनवाई न होने पर महिला ने कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई। बादशाहीनाका थाना प्रभारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

सैडलरी कारीगर ने एसिड पीकर कर ली खुदकुशी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कोहना में सैडलरी कारीगर ने एसिड पीकर आत्महत्या कर ली। वह लंबे समय से पेट की बीमारी से परेशान चल रहा था। वहीं सचेंडी में युवती और रावतपुर में युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। शव लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

मन्नीपुरवा कोहना निवासी 47 वर्षीय रमेशचंद्र सैडलरी बनाने (घोड़े की काठी व लगाम आदि) का काम करते थे। परिवार में पत्नी गीता और दो बेटे अभिनाष व शुभम हैं। परिजनों ने बताया कि करीब डेढ़ साल से रमेशचंद्र पेट की बीमारी से पीड़ित थे। कई डॉक्टरों के यहां दिखाने के बाद भी कोई लाभ नहीं हुआ। उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। जिससे वह मानिसक तनाव में रहने लगा था। बीमारी की चिंता में ही उसने शुक्रवार सुबह एसिड पी लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन हैलट ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं रावतपुर के सुरेंद्रनगर निवासी 35 वर्षीय सुनील गुप्ता ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुनील कानपुर लॉजिस्टक में मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी लक्ष्मी, दो बेटे रितिक व रितेश हैं। ससुर संतोष ने बताया कि वह शराब का लती था। आएदिन शराब पीकर घर में कलह करता था। पत्नी के साथ बच्चों से भी मारपीट करता था।

युवती का शव फंदे से लटका मिला

कानपुर। सचेंडी में घर में अकेली युवती का शव फंदे से लटका मिला। परिजनों का आरोप है कि उसका मोबाइल भी गायब है। मिलने पर पता चलेगा कि आखिरी कॉल किसकी आई थी। फिलहाल परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। शिवली के भेवान निवासी 23 वर्षीय स्वाती का परिवार सचेंडी कस्बा में रहता है। परिवार में मां मैनादेवी, भाई आर्यन व दो बहनें रोशनी व कोमल हैं। मां-भाई सभी काम करने बाहर गए थे, घर में स्वाती अकेली थी। परिजनों के लौटने पर कमरे का दरवाजा खुला था उसका शव फंदे पर लटका था। यह देख परिजन चीख पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा। परिजनों के अनुसार उसका किसी युवक से प्रेम प्रसंग था। काफी खोजबीन के बाद उसका मोबाइल नहीं मिला है। घरवालों के अनुसार उसने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

कार से पकड़ा 74 किलो गांजा, चालक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● रिहायशी इलाके में किराये पर कमरा लेकर छिपाते थे गांजा

अमृत विचार। नौबस्ता पुलिस ने गांजे की बड़ी खेप के साथ आरोपी को दबोचा है। बोरियों में भरकर कार में शहर लाया गया 74 किलो गांजा पुलिस ने पकड़ लिया। कार चालक को गिरफ्तार कर उसके गैंग की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शातिर अब पुलिस से बचने के लिए रिहायशी इलाकों में किराये पर कमरा लेकर माल की सप्लाई कर रहे हैं। दो दिन पहले ही मुख्य आरोपी ने कमरा लिया था।

थानाप्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि यशोदानगर स्थित व्हाइट हाउस के पास रहने वाले रवि वर्मा ने उन्हें फोन कर जानकारी दी कि उनके घर के बाहर एक संदिग्ध कार खड़ी है। खबर पाकर मौके पर पहुंचे और कार के बारे में पता किया। इसी दौरान वहां आए रेउना के इचौली निवासी वरुण तिवारी ने कहा कि वह कार चालक है। कार के मालिक के बारे में पूछने पर उसने गुमराह करने की कोशिश की। कार की तलाशी लेने पर उसमें काले रंग के तीन झोले मिले। कई बोरियां भी पड़ी थीं। झोलों को खोलकर देखा तो उसमें गांजे के पैकेट भरे थे। इस पर तत्काल चालक को हिरासत में ले लिया गया और गांजा जब्त कर लिया। पूछताछ में पता चला कि वह फतेहपुर के रानानगर देवीगंज का रहने वाला अनुराग शुक्ला की कार चलाता है। उसने दो दिन पहले ही मनोज गुप्ता के यहां किराये पर कमरा लिया है। अनुराग की तलाश की जा रही है।

पिकअप की टक्कर से ऑटो मकैनिक की मौत

कानपुर। नौबस्ता में पिकअप की चपेट में आकर ऑटो मकैनिक की मौत हो गई। खबर पाकर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। शव पोस्टमार्टम भेजा।

जूही के परमपुरवा निवासी रामचंद्र का 35 वर्षीय बेटा कौशिक ऑटो-टेंपो का मकैनिक था। परिवार में मां रामश्री, दो भाई विजय व सुशील हैं। पिता के अनुसार कौशिक की नौबस्ता बाइपास पर ऑटो-टेंपो मरम्मत की दुकान थी। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे वह ऑटो के नीचे लेटकर मरम्मत कर रहा था। काम खत्म कर नीचे से निकला, तभी वहां से गुजरे पिकअप की चपेट में आ गया। टक्कर लगने से कौशिक दूर जा गिरा, गंभीर चोट आने पर उसे अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

निवेश में मोटा मुनाफे का लालच दे 18 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अनवरगंज में शातिर ने खुद को फुटवियर डिस्ट्रीब्यूटर बताकर निवेश का झांसा दिया। डिस्ट्रीब्यूटर होने का फर्जी कागजात भी दिखाए और 18 लाख निवेश करा दिए। जब पीड़ित ने मुनाफे की रकम मांगी तो आरोपी ने धमकाया। पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की। पुलिस ने 18 लाख की ठगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

लाटूश रोड निवासी शेख मो. हुसैन रजा के अनुसार पुरानी इकबाल लाइब्रेरी के पीछे रहने वाले फर्राज रहमान सिद्दीकी ने उन्हें व्यापार में निवेश और बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा दिया था। उसने बताया कि वह पिता और बड़े भाई के साथ मिलकर रहमान ट्रेडर्स नाम की फर्म चलाते हैं। उसके अनुसार वह रेड टेप और मार्शल फुटवियर का डिस्ट्रीब्यूटर है और फर्जी दस्तावेज भी दिखाया। वह उसकी बातों में आए और व्यापार में अधिक मुनाफे का लालच देकर उससे निवेश कराया। आरोप है कि काफी समय बीतने के बाद भी निवेश की रकम से उसे कोई मुनाफा नहीं मिला। जब उन्होंने रकम मांगी तो उसने धमकी दी। कहा कि रुपये भूल जाओ। उन्होंने पता लगाया तो जानकारी हुई कि आरोपी के पास किसी भी कंपनी से व्यापार, डिस्ट्रीब्यूटरशिप नहीं है। आरोपी ने फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कई अन्य लोगों से भी ठगी की है। फिर अपनी रकम मांगी तो आरोपी ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

थाना प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर जांच व कार्रवाई की जा रही है।

फोन हैककर क्रेडिट कार्ड से निकाले 5.78 लाख

■ कानपुर। ग्वालटोली में साइबर ठग ने युवक का मोबाइल हैक कर उसके दो क्रेडिट कार्ड से 5 .78 लाख रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल व ग्वालटोली थाने में की है। सिविल लाइंस निवासी प्रदीप टंडन के अनुसार आठ सितंबर को उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। फोन रिसीव करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया। जिसके बाद ठग ने फोन से सारी जानकारी निकाल कर उनके एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से 4 .29 लाख व आरबीएल बैंक के क्रेडिट कार्ड से 1 .49 लाख रुपये पार कर दिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल व ग्वालटोली थाने में की। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच जा रही है।

ट्रेन में गिरा डॉक्टर का मोबाइल, 53 हजार पार

कानपुर। काकादेव के शास्त्रीनगर निवासी डॉ . रमेश चंद्र सहिजवान के अनुसार उनका मोबाइल ट्रेन में सफर के दौरान गिर गया था। जिसे पाकर शातिरों ने उनके दो बैंक खाते से 53 हजार रुपये निकाल लिए। पैसे निकलने का पता चलने पर उन्होंने काकादेव पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस पर डॉक्टर ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की। जिनके आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। डॉ . रमेश चंद्र के अनुसार बीती 16 अक्टूबर को सफर के दौरान उनका मोबाइल गिरा था। इसके बाद छह नवंबर को वह बैंक में पासबुक अपडेट कराने पहुंचे तो जानकारी हुई कि उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते से 16 से 19 अक्टूबर के बीच 19 बार में 43 हजार रुपये और एचडीएफसी बैंक से नौ बार में 10 हजार रुपये निकाले हैं। काकादेव थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

मंधना में आसान नहीं औद्योगिक क्षेत्र बसाना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● अधिसूचित भूमि के तमाम हिस्से पर बन चुकी हैं इमारतें कब्जे हटाना सबसे बड़ी चुनौती

● बाजार दर पर जमीन का मुआवजा मांग रहे किसान बैकफुट पर नजर आ रहा यूपीसीडी और प्रशासन

अमृत विचार। मंधना में औद्योगिक क्षेत्र स्थापना की राह आसान नहीं दिख रही है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने किसानों से नए सिरे से बात तो शुरू की थी, लेकिन अधिसूचित भूमि से किसानों के कब्जे हटाने में आने वाली दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए अब अधिकारी कदम वापस खींचने को मजबूर हैं। जिला प्रशासन भी हाथ खड़े कर रहा है, क्योंकि मुआवजा देने के बाद भी कब्जे हटाते समय बड़ा आंदोलन हो सकता है।

यूपीसीडा ने वर्ष 2008-2009 में मंधना के कुकरादेव, शादीपुर, विरतियान बिठूर, पचोर, भवानीपुर, बहलोलपुर, पेम, बगदौदी बांगर गांवों की भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की थी। यहां पर इंटीग्रेटेड टाउनशिप बसाने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए कुल 801.603 एकड़ भूमि अधिग्रहीत होनी थी। प्रबंधन ने 6 अक्टूबर 2009 से 16 जुलाई 2011 के बीच 81 करोड़ रुपये मुआवजा बांटने के लिए जिला प्रशासन को दिया था। मुआवजा राशि किसानों को सात लाख रुपये प्रति बीघा की दर से बांटी जानी थी। मुआवजा वितरण के साथ ही 791.485 एकड़ भूमि पर कब्जा भी प्रबंधन ने ले लिया था। सिर्फ 75 एकड़ भूमि पर मुआवजा वितरण का काम बाकी रह गया था। इसी बीच किसानों ने आंदोलन शुरू किया। इसके बाद से भूमि पर किसानों का कब्जा है। वहां प्राधिकरण की तरफ से जो गिट्टी रखी गई थी, किसान उसे भी उठा ले गए थे। दो माह पहले एमएलसी अरुण पाठक ने बैठक कर नए सिरे से मुआवजा निर्धारण कराने का प्रयास किया था, ताकि औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की राह आसान हो सके। इस बैठक के बाद जिला प्रशासन और प्राधिकरण की टीम ने मौके का मुआयना भी किया था। वहां भूमि के तमाम हिस्से पर निर्माण हो चुका है। एक अधिकारी ने बताया कि मुआवजा बांटे जाने के बाद भी कब्जा हटाना आसान नहीं होगा। अगर किसानों ने आंदोलन शुरू किया तो इसमें विपक्षी पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता भी उनके समर्थन में आ जाएंगे फिर स्थिति बिगड़ जाएगी। इसलिए प्रशासन ने हाथ खड़े कर दिए हैं। ऐसे में मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया है।

अधिसूचना रद्द करने का हुआ था निर्णय

■ 2012 में आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रबंध निदेशक ने तो शासन को एक प्रस्ताव भेजा था और कहा था कि भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना रद कर दी जाए। बतौर मुआवजा जो राशि किसानों को दी गई है वह वापस ले ली जाए। तब किसान सहमत थे लेकिन इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल पायी थी। अब उम्मीद लगाई जा रही है कि प्राधिकरण अधिसूचना रद करने का प्रस्ताव पुन: भेज सकता है।

जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

21 को मनाया जाएगा वार्षिकोत्सव

कानपुर। श्री श्याम परिवार संस्था की ओर से वार्षिक उत्सव रविवार 21 दिसंबर को बाल भवन फूलबाग में मनाया जाएगा। महोत्सव में श्री श्याम बाबा के अलौकिक श्रृंगार एवं पावन ज्योति दर्शन कर श्याम प्रेमी आनंद की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

यह जानकारी शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में संस्था के अध्यक्ष शिवसागर अग्रवाल व महामंत्री मनीष अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्याम रस प्रवाहक जयशंकर चौधरी, कोलकाता किशन भगत, इंदौर एवं सुधांशु गौतम, तिजारा राजस्थान से शामिल होने आ रहे हैं। इनके अलावा भजन प्रवाहक संदीप दीक्षित, श्रेष्ठ दीक्षित एवं हर्ष गौड़ श्याम भजन रस गंगा की बहाएंगे। महोत्सव में श्याम प्रभु को इत्र की वर्षा कर रसिकजन जहां रिझाया जाएगा। बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। श्याम प्रभु की प्रसादी वितरित की जाएगी। वार्ता में संयोजक पारस अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनीष कपूर, गिरधारी गौड़ व ज्ञानेंद्र बिश्नोई मौजूद रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर। कांग्रेस शहर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने मेडिकल स्टोर संचालक पर व्यापार में निवेश के नाम पर 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। फीलखाना पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक समेत तीन पर मुकदमा दर्ज है।

पवन गुप्ता ने बताया कि फूलबाग स्थित राहत मेडिकल स्टोर संचालक हिमांशु पेशवानी और उनके पिता महेश पेशवानी से उनकी पुरानी जान पहचान है। हिमांशु ने अपने पिता और पत्नी निकिता पेशवानी के साथ मिलकर दवा कंपनी में निवेश करने का प्रस्ताव दिया। साथ ही रकम सुरक्षित होने और 25 हजार रुपये प्रतिमाह मुनाफा होने का भरोसा दिया। जिस पर उन्होंने 15 फरवरी 2025 को चेक के माध्यम से 10 लाख रुपये उन्हें दिया।

अभियुक्तों की सीडीआर कोर्ट में हो गई साबित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● रायपुरवा का चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई

अमृत विचार। रायपुरवा थानाक्षेत्र के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में शुक्रवार को एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में जियो और एयरटेल मोबाइल कंपनी के नोडल अधिकारियों की गवाही और जिरह हुई। दोनों ने कुशाग्र, उनके परिवार वाले और अभियुक्तों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर कोर्ट में साबित की।

अभियुक्तों के अधिवक्ताओं ने जिरह में इन दोनों से कई तरह के सवाल किए। अब 23 दिसंबर को सुनवाई होगी। बता दें कि 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के हाईस्कूल छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला, और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि जियो कंपनी के नोडल अधिकारी रवि सक्सेना और एयरटेल कंपनी के कौशलेंद्र त्रिपाठी की कोर्ट में गवाही और जिरह हुई। जिन्होंने कुशाग्र, उनके परिवार वाले व अभियुक्तों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर कोर्ट में साबित की गई।

दुकान में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी पुलिस ने बीती मई माह में अहिरवां में आभूषण दुकान से दस लाख की चोरी करने वाले दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उनके पास से चोरी के जेवर व एक बाइक के साथ पकड़ा है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि अहिरवां के सदानंदनगर निवासी संतोष स्वर्णकार की दुकान से पांच मई की देर रात चोरों ने शटर तोड़कर सोने-चांदी के जेवर पार किए थे। गुरुवार देर रात पुलिस ने मंगला विहार स्थित बड़ी पुलिया के पास नौबस्ता की तरफ से आ रहे बाइक सवार दो युवकों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम मूलरूप से बांदा के जुहारपुर निवासी दीपक सोनकर और अमेठी के विशेशरगंज निवासी विशाल बताया।

सुविधा | डफरिन अस्पताल के एसएनसीयू में शुरू हुई स्तनपान प्रबंधन इकाई

जरूरतमंद बच्चे नहीं रहेंगे मां के दूध से वंचित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

फीता काटकर स्तनपान प्रबंधन इकाई की शुरुआत करतीं डॉ .रुचि जैन, डॉ .किरन सिन्हा व साथ में अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। समय से पहले जन्मे और बीमार बच्चे भी अब स्तनपान कर सकेंगे। यह सुविधा डफरिन अस्पताल में शुक्रवार से शुरू की गई है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डफरिन अस्पताल के एसएनसीयू में स्तनपान प्रबंधन इकाई (लैक्टेक्शन मैनेजमेंट यूनिट) की स्थापना की की गई है। इस इकाई में वह बच्चे भी स्तनपान कर सकेंगे, जिसकी माता किसी कारणवश बीमार होती हैं।

डफरिन अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डॉ.रूचि जैन ने बताया कि इकाई का उद्देश्य नवजात शिशुओं को सुरक्षित, पोषणयुक्त व वैज्ञानिक तरीके से मातृ दुग्ध उपलब्ध कराना और स्तनपान से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। यह इकाई विशेष रूप से उन नवजात शिशुओं के लिए सहायक सिद्ध होगी, जिनकी माताएं किसी कारण सीधे स्तनपान कराने में असमर्थ हैं, जो समय से पूर्व जन्म लिये हैं और जिनका वजन बहुत कम है। इस इकाई में माताओं को स्तनपान संबंधी परामर्श दिया जाएगा। यहां पर दूध निकालने की सही तकनीक के इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पम्प उपलब्ध हैं। सुरक्षित संग्रहण के लिए डीप फ्रीजर व रेफ्रीजरेटर की व्यवस्था की गयी है। यहां पर माताओं को नवजात शिशुओं को दूध पिलाने की विधियों की जानकारी भी दी जाएगी।

इस दौरान रोगी कल्याण समिति की सदस्य डॉ. किरन सिन्हा, अंतराष्ट्रीय रेड क्रास सोसाइटी के सदस्य आरके सफ्फड, वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ.अरिवंद कुमार यादव, एनएनसीयू के नोडल अधिकारी डॉ.शिव कुमार, अस्पताल प्रबंधक डॉ. दरख्शा परवीन समेत विभाग के अन्य अधिकारी, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ आदि मौजूद रहे।

माघ मेला में चलेंगी शटल व स्पेशल बसें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● 3 जनवरी 2026 से माघ मेला परिवहन तैयारियों में जुटा

अमृत विचार। 3 जनवरी 2026 से माघ मेला शुरू होने जा रहा है जिसमें महाकुंभ की तर्ज पर लाखों श्रद्धालु उमड़ेंगे। तैयारियों में परिवहन विभाग जुट गया है। झकरकटी बस अड्डा से हर पांच मिनट में प्रयागराज के लिए बसें मिलेंगी।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम कानपुर परिक्षेत्र में 670 से अधिक बसें हैं, इन बसों के अतिरिक्त कानपुर परिक्षेत्र के 400 स्पेशल बसें भी मिलेंगी। इस संबंध में झकरकटी बस अड्डा के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज तिवारी ने बताया कि बस अड्डे से हर पांच मिनट पर प्रयागराज के लिए बसें मिलेंगी। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम 40 दिनों तक चलेगा जिसके लिए परिवहन ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। उन्होंने बताया कि आसपास जिलों व कस्बों से झकरकटी बस अड्डा के लिए शटल बसें भी चलेंगी।

ये हैं प्रमुख स्नान की तिथियां

- मकर संक्रांति (14 जनवरी)
- मौनी अमावस्या (18 जनवरी)
- वसंत पंचमी (23 जनवरी)

सिटी ब्रीफ

सभी जोन में अलाव की सुविधा

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को महापौर प्रमिला पांडे ने अधिकारियों की बैठक बुलाई। महापौर ने निर्देश दिया कि सभी जोन में एक-एक लकड़ी की गाड़ी भेजी जाए। गीली लकड़ी ना गिराई जाए। रैन बसेरों में अलाव की नियमित व्यवस्था कराई जाए। शहर में सभी प्रमुख चौराहा पर अलाव जलवाएं जाएं। सभी जोनल अधिकारियों को अपने जोन के रैन बसेरों का निरीक्षण करते रहने को कहा। सभी रैन बसेरों को एनजीओ से वापस लिया जाए। महापौर ने आदेश दिया कि सभी नगर निगम धर्मशालाओं को नगर निगम संपत्ति विभाग को हैंडओवर किया जाए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त आवेश खान, जोनल अभियंता दिवाकर भास्कर, राजेश कुमार, नानक चंद्र, कमलेश पटेल, आरकेसिंह व उद्यान अधिकारी मीनाक्षी अग्रवाल आदि रहे।

फटे मिले कंबल व बंद पड़ा था शौचालय

कानपुर। अपर नगर आयुक्तों ने रात को शेल्टर होम्स व रैन बसेरों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धि के संबंध में निरीक्षण किया। बीएन भल्ला चिकित्सालय में कुछ कम्बल फटे मिलने पर तत्काल सहायक अभियंता को नए कम्बल देने के निर्देश दिये। एक शौचालय बंद मिलने पर तत्काल ठीक कराने को कहा। उस्मानपुर शेल्टर होम में सबमर्सिबल पम्प खराब मिला। वहीं, शहर के कई क्षेत्रों में स्थित शेल्टर होम्स व रैन बसेरों का निरीक्षण अधिकारियों ने किया।

ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

कानपुर। नगर निगम द्वारा वर्ष 2008 से पहले जन्म व मृत्यु से संबंधित हस्तलिखित अभिलेखों और वर्ष 2008 से 2018 तक नगर निगम की वेबसाइट के माध्यम से निर्गत प्रमाण-पत्रों के अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर उन्हें ऑनलाइन किया गया। इस व्यवस्था के लागू होने से लोगों को नगर निगम मुख्यालय के अनावश्यक चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी।

खेल स्पर्धा का उद्घाटन आज

कानपुर। जिला युवा कल्याण अधिकारी आरती जायसवाल ने बताया कि गोविन्द नगर विधानसभा में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन 21 दिसम्बर तक होगा। उन्होंने बताया कि 19 दिसम्बर को एसएएफ ग्राउण्ड, अरमापुर में प्रतिभागियों का पंजीकरण एवं ट्रैक एण्ड फील्ड की तैयारी की जाएगी। 20 दिसम्बर को इसी स्थल पर एथलेटिक्स, कबड्डी, रस्साकसी, फुटबॉल, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज एवं भारोत्तोलन की प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं 21 दिसंबर को ग्रीनपार्क में कुश्ती, जूडो एवं बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

भीषण सर्दी में खूब पहन-ओढ़ संभल कर रहना, आखिर दिल का मामला है

कार्यालय संवददाता, कानपुर

अमृत विचार। सर्दी बढ़ने के साथ ही दिल से संबंधित दुश्वारियां भी शुरू हो गई हैं सर्दी में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ने और ब्लड प्रेशर बढ़ने के कारण लोगों को सीने में दर्द, सांस लेने में दिक्कत, जकड़न, चक्कर आने, थकान व कमजोरी की समस्या हो रही है। इस वजह से रावतपुर स्थित कार्डियोलॉजी संस्थान में मरीज काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को दिल की गंभीर बीमारी से ग्रस्त 87 मरीज इमरजेंसी में भर्ती किए गए। जबकि सात मरीज ब्रॉड डेट (मृत) पहुंचे।

रावतपुर स्थित एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान की ओपीडी में शुक्रवार को 1078 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। मरीजों की संख्या अधिक होने पर कई लोगों को अपनी बारी का इंतजार घंटों तक करना पड़ा। निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने बताया कि सर्दी के कारण रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती है, क्योंकि

कार्डियोलॉजी में अपना नंबर आने के इंतजार में बैठे मरीज। अमृत विचार

कार्डियोलॉजी में पर्चा काउंटर पर पर्चा बनवाने के लिए लगे मरीज। अमृत विचार

1078

मरीज कार्डियोलॉजी अस्पताल पहुंचे

- **हार्ट अटैक व दिल की बीमारी से ग्रस्त 87 मरीज किए गए भर्ती सात लोग पहुंचे ब्रॉड डेट**

सर्दी लगने पर शरीर गर्मी बचाने के लिए रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ लेता है,जिससे रक्तचाप बढ़ जाता है और हृदय को खून पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। रक्त गाढ़ा होने और खून के थक्के बनने की संभावना बढ़ जाती है, जो धमनियों को ब्लॉक कर सकते हैं। वाहिकाओं के सिकुड़ने और रक्त के गाढ़े होने से हृदय पर अधिक दबाव बढ़ता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। बताया कि इस मौसम में कम शारीरिक गतिविधि, वायरल इन्फेक्शन और खराब जीवनशैली के कारण भी दिल की बीमारी का जोखिम बढ़ाते हैं।

सर्दी में वातावरण में ऑक्सीजन का घनत्व भी कम होने से हृदय की ऑक्सीजन की मांग बढ़ जाती है, जिससे संतुलन बिगड़ता है। वहीं, सर्दियों में लोग कम एक्टिव रहते हैं, जिससे ब्लड सर्कुलेशन और हृदय स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इसकी वजह से भी भारी, वसायुक्त और नमकीन भोजन, शराब का सेवन और धूम्रपान भी जोखिम बढ़ाते हैं। अस्पताल में मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े, इसलिए डॉक्टरों की टीम 24 घंटे इमरजेंसी में मुस्तैद कर दी गई है। इमरजेंसी में आने वाले ब्रॉड डेट मरीजों की भी डिटेल दर्ज की जा रही है।

ऐसे करें बचाव

- घर के अंदर और बाहर निकलते समय गर्म कपड़े जरूर पहनें।
- अचानक से बिस्तर से न उठें, बल्कि थोड़ी देर रूककर उठें।
- मौसमी फल, सब्जियां व साबुत अनाज का सेवन करें।
- नमक, चीनी, वसा और जंक फूड के सेवन से परहेज करें।
- घर में योग, प्राणायाम करें, ज्यादा सर्दी में बाहर व्यायाम न करें।
- पर्याप्त मात्रा में गुनगुना पानी पिएं और डिहाइड्रेशन से बचें।
- सर्दी में तनाव न लें और तनाव कम करने के तरीके अपनाएं।
- ब्लड प्रेशर, शुगर व कोलेस्ट्रॉल की जांच कराएं व समय पर दवाएं लें।

जीतने वाले व्यापारियों ने मनाई खुशी। अमृत विचार

अमित दोसर को माला पहनाकर विजयी की घोषणा करते निर्वाचन अधिकारी सत्य नारायन सिंघानिया।

कैंट में 65000 वोटर कटे, भाजपाई चिंतित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी 55 हजार मतदाता नहीं मिले**
- **भाजपा दक्षिण की बैठक में जताई गई चुनाव में नुकसान की आशंका**

अमृत विचार। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत छावनी में लगभग 65 हजार, महाराजपुर में 55 हजार और किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र में साढ़े 17 हजार मतदाताओं के नाम कट जाने से भाजपाई चिंतित हैं। क्योंकि भाजपा का शहरी क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर ज्यादा प्रभाव है। शहरी क्षेत्र में ज्यादा नाम कट जाने से पार्टी को विधानसभा चुनाव में नुकसान होने का अंदेशा है। भाजपा दक्षिण इकाई की बैठक में इस पर चिंता जाहिर की गई। इसीलिए पार्टी बीएलओ द्वारा बीएलए टू को दी गई एएसडी के आधार पर अनुपस्थित व शिफ्टेड मतदाताओं को ढूंढने में जुटी है।

शहरी क्षेत्र के बहुत से मतदाता शहर की अपेक्षा गांव में घर और जमीन जायदाद होने की वजह से गांव की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्हें लगता है कि गांव की मतदाता सूची में नाम नहीं होगा तो सरकारी सुविधाओं से वंचित कर दिया जाएगा।

भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने केशव नगर स्थित भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में बैठक में कहा कि पार्टी कार्यकर्ता घर घर संपर्क कर लोगों के भ्रम को दूर करें कि उनका नाम एसआईआर की मतदाता सूची

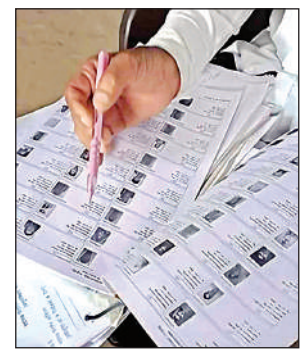

दर्ज होने पर उनको गांव में होने वाले ग्राम पंचायत चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं मिलेगा और सरकारी सुविधाओं के वंचित कर दिया जाएगा।

लोगों को बताएं कि भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि नगर पालिका, नगर पंचायत, नगर निगम की मतदाता सूची राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा वार्ड स्तर पर तैयार की जाती है जबकि एसआईआर के तहत लोकसभा और विधानसभा चुनाव की सूची भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की जा रही है। प्रमुख रूप से गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी, संजीव बेरी, अनुराग शुक्ला,अरविंद वर्मा , शिवम मिश्रा, शिवपूजन सविता आदि मौजूद रहे।

कपड़ा बाजार में फिर युवा गुट की 'सरकार'

कार्यकारिणी के 23 में से 14 विजेता युवा गुट और आठ काशी खेमे के, एक निर्दलीय ने भी बाजी मारी

कानपुर कपड़ा कमेटी चुनाव

- **युवा खेमे को बहुमत मिला, अब इसी में से चुने जाएंगे पदाधिकारी दोनों गुटों में एका की उम्मीद बढ़ी**

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कपड़ा कमेटी के चुनाव नतीजे देर शाम घोषित हो गए। इस बार कार्यकारिणी के कुल 23 सदस्य पद के लिए दोनों गुटों के 24 प्रत्याशी मैदान में थे । इसमें युवा गुट के 14 और काशी गुट के आठ प्रत्याशी जीते । एक निर्दलीय लक्ष्मण सहगल को भी सफलता मिली।

कुल 1548 में 1137 वोट पड़े और इनकी गिनती शुक्रवार शाम पूरी हो गई। सबसे ज्यादा वोट अमित दोसर को 901, फिर दूसरे नंबर पर विश्वनाथ गुप्ता को 865 और तीसरे नंबर पर रुमित सागरी को 851 वोट मिले, जो तीसरे स्थान पर रहे। इस चुनाव में युवा गुट के 14 और काशी गुट के नौ प्रत्याशी मैदान में थे। खास बात यह कि रुमित सागरी की अगुवाई में युवा गुट के सभी जीत गए । काशी गुट के गंगा नारायण हार गए । इस तरह काशी खेमे को आठ सीट ही मिल सकीं।

बहुमत के लिए 12 सदस्यों की जरूरत होती है और युवा गुट को स्पष्ट बहुमत मिल गया है । जाहिर है कि पदाधिकारी भी इनके बीच से चुने जाएंगे । निर्दलीय लक्ष्मण सहगल की वरिष्ठता देखते हुए उन्हें भी किसी पद पर समायोजित किया जा सकता है । चर्चा तो यह भी है कि काशी और युवा खेमा अब एक हो सकता है । ऐसा हुआ तो बुजुर्ग कारोबारी काशी प्रसाद को कोई बड़ा ओहदा मिल सकता है । नतीजे घोषित होते ही कपड़ा बाज़ार में जश्न शुरू हो गया । विजयी प्रत्याशियों के साथ कारोबारियों ने जुलूस निकाला और नारे लगाए । मुख्य चुनाव अधिकारी सत्यनारायण सिंघानिया ने बताया कि नतीजे घोषित कर दिए गए हैं । अब बाद में पदाधिकारी चुने जाएंगे। चुनाव शांतिपूर्ण हुआ और सभी कारोबारियों का सहयोग रहा ।

ये रही विजयी प्रत्याशियों की सूची

- अमित दोसर को 901 वोट, विश्वनाथ गुप्ता को 865, रुमित सागरी को 851, दीपक कुमार गुप्ता को 844, नवीन नेवटिया को 844, अशोक कुमार माहेश्वरी को 827, राकेश कपूर को 786 मिले। इसी तरह वीरेंद्र गुलाटी को 777, अभिषेक चावला को 776, राकेश सेठिया को 753, अशोक माहेश्वरी को 746, काशी प्रसाद को 722, करन राज वोहरा को 721, संजय कुमार गुप्ता को 702, श्रीकृष्ण गुप्ता को 694, राम प्रकाश गुप्ता को 693, श्याम जी गुप्ता को 675, कमल कुमार अग्रवाल को 659, लक्ष्मण सहगल को 654, सुनील अग्रवाल को 651, अनिल जैन को 647, सुदेश चंदानी को 646 और अमित कुमार गुप्ता को 606 वोट मिले।

भवन निर्माण में देरी, स्पष्टीकरण तलब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **जिला पोषण समिति की बैठक की डीएम ने**

अमृत विचार। जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत 151 आंगनबाड़ी भवनों की प्रगति की समीक्षा की गई। 136 भवनों का निर्माण का कार्य अभी तक शुरू न होने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही डीसी मनरेगा से स्पष्टीकरण तलब किया। खंड विकास अधिकारी, सीडीपीओ और एडीओ पंचायत को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 जनवरी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो उनके विरुद्ध कार्रवाई होगी।

उन्हें बताया गया 52 आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प लर्निंग लैब के सभी 18 संकेतकों के अनुरूप किया जा चुका है। सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र योजना के अंतर्गत 110 केंद्रों में बाला पेंटिंग पूर्ण हो चुकी है। वहीं पाइप वाटर योजना के अंतर्गत चयनित 79 केंद्रों में से 19 में कार्य पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी ने असंतोष जताया। उन्होंने एडीओ पंचायत, सीडीपीओ और बीडीओ को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि हर हाल में इस माह की समाप्ति से पहले कार्य पूर्ण कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, एसडीएम सदर एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चित्रा इंटरनेशनल में छात्रों ने रोबोट बनाया।

प्रदर्शनी में दिखी प्रतिभा

कानपुर। चित्रा इंटरनेशनल में अटल टिंकरिंग लैब के तहत प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ सुरेश सचान, सीईओ सागर सचान, प्रधानाचार्य यशपाल सिंह मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने तकनीक आधारित, नवाचारपूर्ण एवं समाजोपयोगी प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। बच्चों ने स्मार्ट डस्टबिन, ऑटोमेटिक फायर, एक्सटिंग्विशर बम डिफ्यूजर, स्मार्ट होम जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए। जो स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत, स्मार्ट समाधान पर आधारित थे। चेयरमैन डॉ सुरेश सचान एवं प्रधानाचार्य यशपाल सिंह ने विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, मेहनत और नवाचार भावना की प्रशंसा की।

मतदाता सूची में 1.30 लाख नामों पर संकट

- **कानपुर।** महाराजपुर समेत कानपुर की 10 विधानसभाओं में 3 विस के 1.30 लाख मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। मतदाता सूची में विसंगतियों और गलत पंजीयन के कारण ये कार्रवाई हो सकती है। चुनाव आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जा रहा है। कानपुर दक्षिण में आने वाले महाराजपुर, किदवई नगर, छावनी विधानसभा सीट में 1.30 लाख मतदाताओं के नाम पर संकट के बादल छा गये हैं। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अबतक आए आंकड़ों में किदवई नगर में लगभग 17 हजार, छावनी विस क्षेत्र में 60 हजार एवं महाराजपुर में 50 हजार से अधिक मतदाता के नाम नदारद हैं। तमाम मंथन के बाद ये निष्कर्ष निकला कि बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्र में आकर लोग मतदाता बन गये थे। ऐसे लोगों का नाम ग्रामीण क्षेत्र की मतदाता सूची में उनका नाम न होने की स्थिति में उन्हें सरकारी सुविधाएं नहीं मिलेंगी।

वाहे गुरु | मोतीझील ग्राउंड पर रागी जत्थे संगत को निहाल करेंगे

साहिबजादों का सफर-ए-शहादत मनाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में 22 दिसंबर को लाखों छात्र-छात्राएं चार साहिबजादों के सफर ए शहादत पर मानव श्रृंखला बनाएंगे और राष्ट्रीय स्तर की ऑन लाइन परीक्षा में भाग लेंगे।

शुक्रवार को सिख वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह छाबड़ा (विक्की), अवध बिहारी मिश्रा आदि ने ये जानकारी पत्रकारों को दी। विक्की ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष के पावन अवसर पर सिख वेलफेयर सोसाइटी द्वारा राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी परीक्षा 22 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन

पत्रकारों से रूबरू सिख वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारी। अमृत विचार

- **राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी परीक्षा होगी**

परीक्षा में देशभर से अबतक लगभग 15,000 प्रतिभागी भाग ले चुके हैं। चयनित प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं की लाइव घोषणा एवं सम्मान समारोह का प्रसारण मोतीझील में आयोजित कीर्तन दरबार के दौरान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 दिसम्बर से गुरुद्वारा लाजपत नगर में चल रहे अखंड पाठ साहिब की समाप्ति 21 दिसंबर रविवार को प्रातः 8 बजे होगी। 22 दिसंबर को कानपुर के 300 से अधिक स्कूलों के छात्र-छात्राएं अपराह्न 12 से 12:30 बजे अपने स्कूलों के मुख्य मार्ग पर चार साहेबजादों के नाम के उद्घोष लिखी तख्तियां हाथों में पकड़े खड़े रहकर गुरु पुत्रों की शहादत को नमन करेंगे। 23 दिसंबर को मोतीझील ग्राउंड में कीर्तन दरबार सजेगा। प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष सिख वेलफेयर सोसाइटी के डॉ. मनप्रीत सिंह भट्टी, चरणजीत सिंह नामी, रिम्पी बिंद्रा, हरमिन्दर सिंह (पूनी), रविन्दर सिंह (सोमी), जसबीर जुनेजा, गगनदीप सिह, चनबीर सिंह (कैप्टन), रविन्दर सिंह (सोनू), गगन सोनी, संदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

नवजात को भेजा संरक्षण भवन

कानपुर। बर्रा में गुरुवार रात छत पर मिले नवजात को पुलिस ने शुक्रवार चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश कर स्वरूपनगर स्थित बाल-शिशु संरक्षण भवन भेजा दिया। लेकिन यह नहीं पता चला कि बच्चे को छत पर कौन छोड़ गया था। मकान में जाने के तीन तरफ से रास्ते बंद हैं। पुलिस सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर पता लगाने में जुटी है।

जरौली फेस-वन स्थित कालोनी में रहने वाले बबलू भदौरिया के मकान की छत पर गुरुवार रात एक नवाजात मिला। उसके रोने की आवाज सुनकर वह छत पर पहुंचे, जहां एक झोले में बच्चा मिला। इसके बाद बबलू पड़ोस के संदीप, अमिता सिंह, निशा और किरण के साथ उसे कंबल में लपेटकर लाए। पुलिस ने उसे अस्पताल में उपचार के बाद हैलट भेजा।

वार्षिकोत्सव में रही धूम

कानपुर। आर्चीज एजुकेशन सेंटर, श्याम नगर का वार्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम झंकार का आयोजन हुआ। लाजपत भवन सभागार में हुए आयोजन की अध्यक्षता मुख्य अतिथि एसडीएम तहसील नर्वल विवेक मिश्रा एवं उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव पाठक ने की। इस दौरान बच्चों की ओर से नृत्य नाटिकाओं, समूह गान, पौराणिक कथाओं और महाकाव्यों पर आधारित संगीतमय प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण प्ले ग्रुप और नर्सरी के बच्चों की नृत्य प्रस्तुतियां रही। स्कूल के प्रबंधक एवं निर्देशिका मयंक बाजपेई एवं ओशमी बाजपेई ने बच्चों को अनुशासन की सीख दी। विद्यालय के कोऑर्डिनेटर सोनम अग्रवाल व यशी श्रीवास्तव मौजूद रहे। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

प्रशिक्षण का हुआ समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में व्यावसायिक बकरी पालन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ अजय कुमार सिंह, मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान, प्रशिक्षण आयोजक पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत, प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने विचार रखे। इस दौरान बकरीपालन से होने वाले फायदे, आर्थिक लाभ, बकरियों में विभिन्न बीमारियों एवं उनके बचाव के देशी उपाय के बारे में बताया। बकरीपालन के लिए बैंक से ऋण, बकरी बीमा एवं सरकारी अनुदान के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

शोध पत्रों के लिए कमेटी का गठन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ ने विभिन्न विषयों में अध्ययनरत शोधार्थियों के सामने शोध प्रकाशन से जुड़ी समस्या का समाधान निकालने के लिये एक विशेष समिति का गठन किया है। यह समिति भाषा, कला, चित्रकला, ड्रॉइंग-पेंटिंग तथा अन्य मानविकी विषयों में शोधार्थियों के सामने शोध पत्र प्रकाशन में आ रही विभिन्न प्रकार की चुनौतियां एवं व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुये समस्याओं का समाधान सुझायेगी। विश्वविद्यालय में इससे पहले शोध कार्य की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग मानकों के अनुरूप शोध गतिविधियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक परामर्श (एडवाइजरी) जारी की जा चुकी है। इस परामर्श का उद्देश्य शोधार्थियों को मान्यता प्राप्त एवं विश्वसनीय वैश्विक शोध डेटाबेस में अपने शोध लेख प्रकाशित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना है। विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गयी यह पहल अकादमिक गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में एक सहयोगात्मक प्रयास माना जा रहा है।

सेंटा क्लाज खरीदती युवती। अमृत विचार

क्रिसमस ट्री भी बाजार में हैं। अमृत विचार

क्रिसमस का सजा बाजार पर ऑनलाइन खरीदारी ज्यादा

बाजार में आए 6 फीट के ट्री, डिजाइनर लाइटें, सेंटा की पोशाक और स्टेचू भी बिक रहे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। क्रिसमस के लिए शहर में बाजार सज गईं हैं। इन बाजारों में 2 फीट से लेकर 6 फीट तक के क्रिसमस ट्री की मांग सबसे अधिक है। लगभग 3 सौ तरह के केक हैं। घरों व ट्री को सजाने के लिए लाल रंग की लाइट की सबसे अधिक मांग हैं। कारोबारियों की माने तो खरीदार ऑनलाइन खरीदारी अधिक कर रहे हैं।

स्वरूप नगर, शास्त्री नगर, लाल बंगला, गोविंद नगर व गुमटी के बाजारों में खरीदार आने लगे हैं। क्रिसमस ट्री की बिक्री सबसे अधिक हो रही है। बाजार में हैंड मेड और आर्टिफिशियल ट्री के प्रति रुझान अधिक है। ट्री की लंबाई के आधार पर 4 सौ से इनकी शुरुआत हो रही है। उपहार देने के लिए 'फ्रेमिंग ट्री' भी खरीदारों को लुभा रहा है। क्रिसमस ट्री व घरों को सजाने के लिए ब्रांडेड लाइट की मांग सबसे अधिक हैं।

बाजार में खरीदार आने लगे हैं। अमृत विचार

300 करोड़ का कारोबार होगा शहर में

- कारोबारियों ने बताया कि इस दौरान शहर में लगभग तीन सौ करोड़ का औसत कारोबार होता है। इनमें शहर में होने वाली पार्टियां शामिल नहीं है। इस बार शहर में खरीदार ऑनलाइन कारोबार की ओर अधिक रुख कर रहे हैं।

मिठास बढ़ाएगा केक

- बाजार में ऑर्डर का केक तैयार होने के लिए तीन दिन का समय लिया जा रहा है। सेंटा केक भी तैयार है। लाल रंग के इस केक में सेंटा का ट्वाय मौजूद है। केक पर ब्लू और ब्लैक शेड देकर ग्रीन की कारीगरी खरीदारों को लुभा रही है। ब्लैक करंट, रेड मून, वाइन फिएस्टा जैसे केक उत्साह बढाएंगे।

सेंटा मास्क भी

- क्रिसमस में होने वाली पार्टियों के लिए बाजार में सेंटा मास्क की भरमार है। मास्क की क्वालिटी के आधार पर इसके रेट तय हो रहे हैं। बाजार में इस बार लाइट वाले मास्क भी मौजूद हैं। इन मास्क की खासियत यह है कि इनमें खूबसूरत लाइट पार्टी की शोभा बढ़ाती है। बाजार में 150 रुपये से मास्क की शुरुआत हो रही है। बच्चों के लिए मास्क की शुरुआत 80 रुपये से है।

गिफ्ट की भरमार

- बाजार में पर्व पर उपहार को लेकर भी लंबी रेंज मौजूद हैं। इनमें बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर, चलने व आवाज निकालने वाला सेंटा, हिरण लगी गाड़ी सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा क्रिसमस ट्री के पास रखने वाले उपहारों में विभिन्न तरह की चॉकलेट, टॉफी, सॉक्स, बॉल सहित अन्य छोटे उत्पाद मौजूद हैं।

विदेश तक में बिक रहे शहर के उत्पाद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- क्रिसमस में छोटे निर्यातकों को मिली बाजार

अमृत विचार। क्रिसमस के बाजार में शहर के उत्पाद विदेश तक अपनी चमक दिखा रहे हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पाद थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया व यूरोपीय देशों में गए हैं। इन उत्पादों में शहर का विदेश में सबसे लोकप्रिय उत्पाद 'बाइबिल का कवर' है। यह कवर शहर में बनकर विदेशों तक पहुंच रहा है। इसके अलवा पेट्स ट्वॉय, लेदर ट्वॉय, लेदर बूट सहित अन्य विदेशों में बिकने वाले उत्पाद भी शामिल हैं।

क्रिसमस में यह उत्पाद छोटे निर्यातकों के लिए संजीवनी बन कर आएं हैं। क्रिसमस में विदेशों में होने वाली खरीदारी के बीच इन छोटे निर्यातकों को भी अपनी गुणवत्ता के उत्पादों के चलते नए खरीदार मिले। यहां तक कि थाईलैंड जैसे देश में भी विदेशों से आने वाले पर्यटकों की खरीदारी के लिए उत्पाद शहर से पहुंचे हैं। निर्यातकों की माने तो इस बार क्रिसमस के विदेशी बाजार 80 करोड़ रुपये के आस-पास रहा। सना इंटरनेशनल एक्जिम डॉ. जफर नफीस ने बताया कि निश्चित रूप से टैरिफ के बाद निर्यातकों के काम पर असर पड़ा है। बावजूद इसके क्रिसमस छोटे निर्यातकों को नया बाजार तलाशने के लिए मददगार साबित हुआ है। टैरिफ के बाद क्रिसमस पर नए देश के खरीदारा जो जुड़े हैं वह हमेशा के लिए निर्यातक से जुड़ गए। खरीदार अब लगातार ऑर्डर के साथ जुड़ गए हैं। उम्मीद है कि अगली बार और अधिक ऑर्डर मिलेंगे।

तुलसी उपवन मोतीझील में निकाली गई क्रिसमस रैली। अमृत विचार

क्रिसमस रैली में निकलीं झांकियां बच्चे बने सेंटाक्लॉज, बांटे गिफ्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ऊंटों को सजाया, गीत गाये, क्रिसमस की शुभकामनाएं दी गईं

अमृत विचार। लोगों को शुभकामनाएं देने निकली क्रिसमस रैली में सर्वधर्म, आपसी सौहार्द की झलक दिखाई दी। इस रैली में लोगों ने अपने अपने वाहनों को गुब्बारों से सजा रखा था। क्रिसमस की विभिन्न झांकियों के साथ ही एंजेल व सेंटाक्लाज के रूप में बच्चों को उपहार बांटे।

शुक्रवार को कानपुर पास्टर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के द्वारा क्रिसमस रैली तुलसी उपवन मोतीझील से क्राइस्ट इंटर कालेज तक निकाली गयी। जिसमें क्रिसमस की झांकियां सजी थीं। ऊंटों को सजाया गया था। लोग यीशु मसीह के आगमन की खुशी में गीत गा रहे थे और लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी गईं। इस रैली में सभी चर्च के पादरी भी शामिल हुए। बेनाझाबर चौराहा पर पादरी राकेश मसीह और उनके साथियों ने रैली का स्वागत किया। हर्ष नगर चौराहे पर समाजसेवी भारतीय दलित पैंथर के प्रमुख पैंथर धनीराम बौद्ध एवं साजिद सर ने स्वागत किया। एसोसिएशन के महासचिव पादरी जितेन्द्र सिंह, संजय ऑलविन, अनिल गिल्बर्ट, एवी सिंह, पादरी सैमसन मसीह, मिसेज हैलीना सिंह, यशराज साइलस, पादरी हनन्याय, पादरी प्रदीप राव, विजय गुप्ता, आनंद मसीह, मनोज जरोफ आदि मौजूद रहे।

डॉ. विकास सिंह महानगर अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एबीवीपी कानपुर महानगर की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

चुने गए पदाधिकारी और छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कानपुर महानगर का इकाई गठन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में हुआ। डॉ. सुनील सिंह चुनाव अधिकारी थे। इस दौरान महानगर अध्यक्ष के रूप में वीएसएसडी कॉलेज में बीएड विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत डॉ. विकास सिंह व महानगर मंत्री के रूप में सुधांशु की घोषणा की गई।

इस दौरान महानगर अध्यक्ष चुने गए डॉ. विकास सिंह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। यह कार्यकारिणी हमारे छात्रों की ऊर्जा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ युवाओं में चरित्र निर्माण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को भी उनके केंद्र में लाना है। उधर महानगर मंत्री सुधांशु ने कहा कि छात्रों की समस्याओं के समाधान से लेकर राष्ट्रहित के मुद्दों तक, अभाविप का हर कार्यकर्ता सदा अग्रिम पंक्ति में रहता है। इस दौरान महानगर उपाध्यक्षों की घोषणा भी की गयी जिनमें डॉ. अनुपमा, डॉ. जेपी सिंह, डॉ. जगदंबा, डॉ. दीपाली और डॉ. अनामिका साथ ही महानगर सहमंत्री के रूप में भी कई युवाओं को जिम्मेदारियाँ दी गयीं। जिनमें यश, राघवेंद्र, आस्था, अभय और गुलशन शामिल हैं।

अजमेर शरीफ चादर रवाना की

कानपुर। हिंदुस्तान जिंदाबाद, ख्वाजा ख्वाजा कहते हैं हिंदुस्तान में रहते हैं गरीबों के मसीहा गरीब नवाज जिंदाबाद, नारों के बीच मदरसा अशरफुल मदारिस गद्दियाना से अजमेर शरीफ के लिए चादर रवाना की गई।

शुक्रवार को ऑल इन्डिया गरीब नवाज कौन्सिल की ओर से जुमा की नमाज के बाद अजमेर शरीफ चादर रवाना हुई। चादर की एक झलक पाने और उसे बोसा देने (चूमने) के लिए लोग बेकरार नजर आये। इस मौके पर कौन्सिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गद्दियाना ईदगाह के इमाम मौलाना मोहम्मद हाशिम अशरफी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि गरीब नवाज के उर्स पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करें।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

दो दिन होगा सत्संग

वैष्णव स्वामी का स्वागत किया गया।

कानपुर। अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के वरिष्ठ संन्यासी एवं प्रख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता परम भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज का शुक्रवार को आगमन हुआ। बताया गया कि उन्होंने वर्ष 1984 से इस्कॉन के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वृन्दावन से पूर्णकालिक सेवा एवं प्रचार कार्य की शुरुआत की। वे दशकों से भक्ति, वैराग्य एवं सेवा के माध्यम से समाज को आध्यात्मिक दिशा प्रदान कर रहे हैं। कानपुर प्रवास के दौरान महाराज जी द्वारा भक्तों के लिए नियमित आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें 20 व 21 दिसंबर को सुबह 8 बजे से श्रीमद्भागवतम कक्षा तथा शाम 5 बजे से सत्संग इस्कॉन में आयोजित होंगे।

जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

20 से शुरू होगा वार्षिकोत्सव

कानपुर। श्री ढांढण सत्संग समिति स्वर्ण जयंती वार्षिकोत्सव 20 व 21 दिसम्बर को गीतांजलि पैलेस माल रोड में मनाने जा रही है। इस दो दिवसीय मंगल कार्यक्रम के पहले दिन शनिवार को दोपहर 2 बजे दादी जी का मंगल पाठ का आयोजन किया जायेगा। जिसमें नेतल शर्मा संगीत मय मंगल पाठ करेंगी। इस दौरान 301 महिलाएं शामिल होंगी। दूसरे दिन 21 दिसम्बर को अखण्ड ज्योति प्रज्वलित कर रात 10 बजे तक कोलकाता से शुभम रूपम, मोनू मोर, अजमेर से तेजस राणा एवं कानपुर से राम पाण्डेय भजनों की गंगा बहाएंगे। यह जानकारी समिति के संयोजक राजेन्द्र भरतिया, संरक्षक राजा भरतिया, अध्यक्ष दीन दयाल भरतिया, मंत्री रतन भरतिया ने दी।

प्रशिक्षण लेने वालों को प्रमाणपत्र दिए। अमृत विचार

केआईटी में ही होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

कानपुर। एकेटीयू से सम्बद्ध कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की सेमेस्टर परीक्षाओं की घोषणा हो गई है। बताया गया कि यह परीक्षाएं जनवरी के तृतीय सप्ताह में करायी जायेंगी। विश्वविद्यालय की ओर से 15 दिसम्बर को संस्थान में भेजी गयी समिति की सिफारिश के क्रम में बुधवार को परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी पत्र के माध्यम से संस्थान को यह जानकारी दी गयी। पत्र के माध्यम से यह भी सूचित किया गया कि सभी सम्बन्धित छात्र-छात्राओं को नियमानुसार पठन-पाठन का कार्य सम्पन्न कराने को भी कहा गया है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम AJAMAT JAHAN से बदल कर AZMAT JAHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O:SHAHID AKHTAR R/O:99, ADIL NAGAR RING ROAD TEDI PULIA VIKAS NAGAR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226022

सूचना

मेरा 2018 का इंटरमीडिएट का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 1398917 वास्तव में खो गया है। **नाम सुमित कुमार पुत्र नृपत ग्राम पुराजहांन, पोस्ट चिल्ली, जिला हमीरपुर (उ.प्र.)**

सूचना

मेरे सारे अभिलेख में मेरा नाम चिंगन पुत्र सीताराम दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सुरेश कुमार पुत्र सीताराम है मुझे चिंगन के नाम से ही जाना जाए। **चिंगन पुत्र सीताराम निवासी मुंडेरवा सरहदी झाली धाम थाना विशेश्वरगंज जिला बहराइच**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD ALEEM था से बदलकर MOHAMMAD ALEEM AHMAD रख लिया है। अब मुझे MOHAMMAD ALEEM AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-QAMRUDDIN AHMAD ADD-292/98, TULSI DAS MARG, CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम SULEMAN HAIDER से बदलकर SALMAN HAIDER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-AHMED HUSAIN ADD-C-3030, SAPNA COLONY C BLOCK RAJAJIPURAM DIST-LUCKNOW-226017(U.P.)

सूचना

मैं NITESH AGGARWAL अपना नाम बदलकर NITESH AGARWAL रख रहा हू अतः मुझे भविष्य मैं इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। 422 VIJAY LAXMI NAGAR, SITAPUR, Sitapur, 261001, Uttar Pradesh, INDIA

सूचना

मैं SUDHIR RASTOGI मैने अपना नाम बदलकर SUDHIR KUMAR RASTOGI रख रहा हूँ। अतः मुझे भविष्य मैं इसी नाम से जाना और पहचाना जाये। 16/01, SAROJNI NAIDU MARG, HUSAINGANJ, LUCKNOW, 226001, UTTAR PRADESH

सूचना

मै **प्रमोद कुमार चतुर्वेदी पुत्र श्री गोविन्द माधव चतुर्वेदी निवासी- गढ़ी नवाब न्यामत खा पूर्व (आजाद नगर) नगर व जनपद-फर्रूखाबाद (उ0प्र0)** मेरे (ड्राइविंग लाइसेंस) संख्या- UP7620150015682 में मेरे पिता का नाम (अंग्रेजी में)- GOVIND CHATURVEDI अंकित है जो कि अधूरा नाम है पिता का पूर्ण नाम- गोविन्द माधव चर्तुवेदी (GOVIND MADHAV CHATURVEDI) है। तथा मेरे आधार कार्ड व अन्य प्रपत्रों में मेरे पिता का नाम गोविन्द माधव चर्तुवेदी (GOVIND MADHAV CHATURVEDI) अंकित है जोकि शुद्ध एवं सही है। अतः मेरे (ड्राइविंग लाइसेंस) संख्या UP7620150015682 में पिता का सही नाम अंकित किया जाय।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हाशमी तबस्सुम आजम हुसेन, पत्नी हाशमी आजम हुसेन, निवासी ग्राम पश्चिमपुरवा रेतवागाडा, जनपद गोण्डा (उ0प्र0) हूँ। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम "तबाससुम (Tabassum) पत्नी आजम हुसैन (Azam Husain) अंकित हो गया था, जो कि गलत है। मेरा सही एवं पूर्ण नाम "हाशमी तबस्सुम आजम हुसेन (Hashmi Tabassum Azam Husen), पत्नी हाशमी आजम हुसेन (Hashmi Azam Husen) है। भविष्य में सभी अभिलेखों एवं दस्तावेज़ों में यही नाम मान्य समझा जाए एवं अभिलेखित किया जाए।

सूचना

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि मैं **रत्नेश त्रिपाठी निवासी 186 नियर जलालपुर फाटक लक्ष्मण विहार कालोनी राजाजीपुरम लखनऊ** अपनी पुत्री दिव्या त्रिपाठी जिसका जन्म 27 दिसंबर 2007 को हुआ था उसका हाई स्कूल प्रमाण पत्र यूनिक आईडी 8206065 में 27 दिसंबर 2007 दर्ज है जो की सही है जबकि उसके आधार कार्ड संख्या 593273162763 में 24 अगस्त 2009 दर्ज है जो की गलत है अतः सही जन्मतिथि 27 दिसंबर 2007 ही जानी वह मानी जाए मोबाइल नंबर 8303795044

सूचना

मेरे पुत्र चन्दन शाक्य का चाल चलन अच्छा नहीं है आये दिन मुझसे झगडा फसाद करता रहता है। इस कारण मैं व मेरी पत्नी अपने सभी तरह के रिश्ते मुक्त कर चन्दन शाक्य से समाप्त कर लिए है तथा अपनी समस्त चल अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है इसके द्वारा किये गये किसी कार्य के प्रति हम लोगों की कोई जबाबदेही नहीं होगी। **सुरेशचंद्र पुत्र बाबूराम निवासी कमालपुर पोस्ट बहबलपुर तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज**

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र दिए

कानपुर। सीसामऊ पीरोड स्थित श्री ठाकुर राधा किशन जी महाराज विराजमान मंदिर में प्रशिक्षण प्राप्त 40 छात्राओं को कौशल विकास मंत्रालय के प्रमाणपत्र वितरित किये गये। ये कार्यक्रम मंदिर परिसर में जन प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा संचालित किये जाते हैं। मुख्य अतिथि उद्योगपति सुनील खन्ना तथा गिरीश ओमर ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किये। इस अवसर पर ट्रस्टी डा. श्याम बाबू गुप्त ने जन कल्याण के कार्यक्रमों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सर्वराकार नीरज दीक्षित, एडवोकेट ऋषभ द्विवेदी, सुषमा पाण्डेय, डा. सुशील श्रीवास्तव, साधना तिवारी, अनुभा निगम जन प्रशिक्षण संस्थान के सुनील शुक्ला भी उपस्थित रहे।

फैसला | कोआपरेटिव इस्टेट वूमन इंटरप्रेन्योर विंग की बैठक में हुआ निर्णय

महिला उद्यमियों के लिए जल्द ही खुलेगा कार्यालय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

महिला उद्यमियों की बैठक में शामिल पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। कोआपरेटिव इस्टेट वूमन इंटरप्रेन्योर विंग की बैठक में संगठन के नवीन कार्यालय पर सहमति बनी। तय हुआ कि जल्द ही महिला विंग का कार्यालय खोला जाएगा। दादा नगर औद्योगिक क्षेत्र की महिला उद्यमियों को उद्योग जगत की मुख्यधारा में लाने व उन्हें नवीन उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा हुई। कहा गया कि इसी उद्देश्य के साथ संगठन की शुरुआत हुई।

महामंत्री कीर्ति बिजलानी ने बैठक की शुरुआत की। वूमन इंटरप्रेन्योर विंग के लिये एक नवीन कार्यालय की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रेसीडेन्ट रमन कपूर ने कहा कि जल्द ही कार्यालय की व्यवस्था की जायेगी जहां उनकी बैठकें हो सकें। कार्यकारिणी समिति के विस्तार पर चर्चा पर सर्वसम्मति से रीना विर्दी, रेनू खन्ना, विनीत कौर मारवाह व नंदिनी जैन को ज्वाइंट सेक्रेट्री बनाये जाने का निर्णय लिया गया। इसी के साथ राजिन्दर कौर, अनीता सबलोक, संध्या शर्मा, मीनाक्षी चौरसिया, प्रियंका सेठी, पूनम सेठी, सूरज आहूजा, मधुबाला गोयल व रश्मि माखीजा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नामित किया गया। प्रेसीडेन्ट रमन कपूर ने महिला उद्यमी सदस्यों से श्रमिकों और कामगारों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के लिए संचालित 'कोपेस्टेट शिक्षा सदन जूही स्कूल की देखरेख और शिक्षारत छात्रों के विकास में विंग अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए औद्योगिक क्षेत्र में वृक्षारोपण और उनकी देखभाल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि महिला उद्यमी सदस्यों में आपसी तालमेल और सामंजस्य बढ़ाने के लिए महिला किटी पार्टी जैसे आयोजन किये जायें। महिला सदस्यों ने प्रस्ताव रखा कि दादा नगर औद्योगिक क्षेत्र में मुख्य सड़क से अन्दर जाने वाली सड़कों पर स्थित फैक्ट्रियों के नम्बर प्रदर्शित किये जाये। जिससे बाहर से आने वाले व्यापारियों और उद्यमियों को सुविधा हो सके। प्रेसीडेन्ट ने इस प्रस्ताव को उपयोगी बताते हुए इस पर जल्द अमल करने का आश्वासन दिया।

ठंड बढ़ने के साथ गर्म हुआ ऊनी कपड़ों का बाजार

हाड़कंपाऊ ठंड से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों की खरीदारी करने बाजार पहुंचे

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में बीते दो दिनों से मौसम के मिजाज में आए बदलाव और बढ़ती गलन ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। शीतलहर के तल्ख तेवरों के बीच शुक्रवार को बाजारों में खासी रौनक देखी गई। हाड़कंपाऊ ठंड से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों की खरीदारी करने बाजार पहुंचे।

शहर के सदर बाजार, धवन रोड व स्टेशन रोड में सुबह से ही ग्राहक पहुंचने लगे। यही स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में भी देखने को मिली। दुकानदारों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से बिक्री सुस्त थी लेकिन अचानक पारा गिरने से बाजार में तेजी आई है। ठंड से बचाव के लिए लोग हर संभव इंतजाम करने में जुटे हैं। बाजार में सबसे जैकेट, स्वेटर, शॉल, स्टाइलिश कैप, मफलर, दस्ताने और ऊनी मोजे, बच्चों के लिए गर्म सेट और इनर वियर की भी काफी बिक्री हुई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दो दिन से चल रही ठंडी हवाओं ने गलन बढ़ा दी है। ऐसे में बिना गर्म कपड़ों के घर से निकलना मुश्किल हो गया है। लोग अब ऊनी कपड़ों के साथ-साथ अलाव और हीटर का सहारा भी लेने लगे हैं।

धवन रोड पर गर्म कपड़ों की खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

इलेक्ट्रिक रूम हीटर व ब्लोअर की बढ़ी मांग

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोगों ने अब गर्म उपकरणों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। शहर के बाजार में इलेक्ट्रिक रूम हीटर, ब्लोअर की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही। दुकानदारों का कहना है कि बीते दो दिनों में हीटर और ब्लोअर की बिक्री में उछाल आया है। सिर्फ बिजली के उपकरण ही नहीं, बल्कि ग्रामीण व शहरी इलाकों में पारंपरिक कोयले व लकड़ी की मांग भी बढ़ी है। लोग शाम होते ही सार्वजनिक स्थानों व घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं।

संगठन के पदाधिकारियों ने बच्चों को बांटे स्वेटर

उन्नाव, अमृत विचार। मौसम में अचानक आए बदलाव ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। घने कोहरे के कारण तापमान गिर गया। जिससे गलन में बच्चे बिना गर्म कपड़ों व जूतों के आते देख प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के बैनर तले विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण कम्पोजिट स्कूल रनियामऊ में किया गया।

बच्चों को स्वेटर देते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संजीव संख्वार व जिला कोषाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालयों में पढने वाले कई बच्चे स्वेटर व जूतो के बिना विद्यालयों पहुंच रहे हैं। इनमे से ज्यादातर का कारण इनके अभिभावक ही हैं। कुछ के आधारकार्ड नहीं बने हैं और कुछ के आधार सके बैंक खाते से लिंक नहीं हैं। इससे शासन से मिलने वाली 1200 की धनराशि अभिभावकों के खातों में नहीं आ पा रही है। जिस कारण बच्चों को कपड़े व स्वेटर नहीं बनवा पा रहे हैं। इसे देखते हुए संगठन द्वारा स्वेटर वितरण का अभियान शुरू किया गया है। ताकि गरीब बच्चे ठिठुरन से बच सकें। इस दौरान ज्ञानेंद्र कुशवाहा, देवेंद्र त्रिपाठी, सुधीर कुशवाहा, किरण देवी, राधा देवी, रमा देवी, हेमामालिनी, सरोजनी देवी कृपाशंकर आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कल 7 बजे से होगी मैराथन

उन्नाव, अमृत विचार। रोटरी क्लब उन्नाव सिटी के तत्वावधान में 21 दिसंबर को सुबह 7 बजे से मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जानकारी देते हुए क्लब के अध्यक्ष दिनेश कुमार जैन ने कहा कि मैराथन का शुभारंभ सीओ सिटी दीपक यादव द्वारा एचडीएफसी बैंक पीडी नगर से किया जाएगा। दौड़ पार्क व्यू पैलेस मोती नगर पर समाप्त होगी। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र भाग लेंगे। मैराथन के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा किया जाएगा।

साइबर सेल ने 37 हजार की कराई रिकवरी

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के किशोरी खेड़ा मोहल्ला निवासी जयन्ती वर्मा पत्नी राकेश कुमार ने बीती 14 अक्टूबर को आनलाइन साइबर पोर्टल पर 35 हजार रुपये पेमेंट ऐप के जरिए ठगी होने की शिकायत की थी। सदर कोतवाली की साइबर टीम ने कार्रवाई कर पीड़िता के खाते में 35 हजार रुपये रिफंड कराए। वहीं 14 अक्टूबर को ही कोतवाली क्षेत्र शिव बिहार कालोनी सिविल लाइन निवासी राजवीर ने भी फोन पे एप से 2000 रुपये का फ्राड होने की शिकायत की थी। शुक्रवार को राजवीर की भी धनराशि रिफंड हुई। इसमें कोतवाली प्रभारी सहित इंस्पेटर क्राइम राजेश यादव व महिला आरक्षी सोनिया व साक्षी की अहम भूमिका रही।

प्राइमरी के छात्रों का अवकाश आज

उन्नाव। अत्यधिक ठंढ,शीतलहर व घने कोहरे के कारण जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले में संचालित कक्षा 1 से 5 तक सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त व मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का 19 व 20 दिसंबर को अवकाश घोषित किया गया है। किन्तु शिक्षक, शिक्षिका व अन्य कर्मचारी विद्यालय में रहकर शासकीय कार्य सम्पादित करेगें। वहीं, 19 व 20 दिसंबर को कक्षा 6 से 8 तक के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त व मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालन का समय सुबह 11:30 से 3 बजे तक रहेगा। बीएसए शैलेश पांडेय ने कहा कि सभी आदेश का कड़ाई से अनुपालन करें।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का 25 दिसंबर तक अवकाश

उन्नाव, अमृत विचार। इस समय पड़ रही ठंड व शीतलहर के प्रकोप से आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बचाव हेतु जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले 3 से 6 वर्ष के बच्चों का 19 से 25 दिसंबर तक अवकाश घोषित किया गया है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि इस घोषित अवकाश की अवधि में सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपस्थित रहकर टीएचआर प्राप्ति/विरतण, वीएचएसएनडी सत्र के दौरान लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग, समुदाय आधारित गतिविधियों का आयोजन व अन्य शासकीय कार्यों का सम्पदान पूर्ववत करेंगी।

ट्रेन से गिरा मोबाइल आरपीएफ ने बरामद कर यात्री को सौंपा

शुक्लागंज। साबरमती एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान गिरा मोबाइल फोन रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता से सुरक्षित यात्री तक पहुंच गया। 26 सितंबर को हेल्प लाइन के माध्यम से बाराबंकी जिले के फतेहपुर निवासी बृजेश कुमार ने बताया कि ट्रेन नंबर 19167 से उनका मोबाइल खिड़की से गिर गया है। सूचना पर आरपीएफ टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित क्षेत्र का गहन सर्च किया। गंगा ब्रिज के पास गेट नंबर 41 के सामने अप लाइन के पास ट्रैक पर मोबाइल बरामद हुआ तो इसे सुरक्षित रख लिया गया। शुक्रवार को शिकायतकर्ता बृजेश कुमार जरूरी दस्तावेजों के साथ सीपीबी कार्यालय पहुंचे। जांच के बाद आरपीएफ एसएसआई गुप्तार सिंह ने उसे मोबाइल दिया।

विद्यालय की जमीन पर कब्जे की शिकायत की

शुक्लागंज। श्रीनगर स्थित मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली में संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालय की भूमि पर कब्जे को लेकर प्रधान शिक्षिका ने गंगाघाट पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा है। प्रधान शिक्षिका शिखा का आरोप है कि विद्यालय की जमीन पर जल निगम द्वारा पहले पानी की टंकी का निर्माण कराया गया और अब ऑपरेटर कक्ष व जनरेटर कक्ष के निर्माण के लिए बिना अनुमति नींव खुदवा दी गई है। प्रधान शिक्षिका ने बताया कि वार्ड 27 स्थित विद्यालय की भूमि का सीमांकन पूर्व में तत्कालीन जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे के निर्देश पर हुआ था। हालांकि किसी कारणवश विद्यालय की चहारदीवारी का निर्माण नहीं हो सका।

हर गांव में अधिक से अधिक लखपति दीदी का हो चयन

बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को उद्यम विकास रोजगार में वित्तीय स्वतंत्रता हेतु प्रेरित करने, ग्रामीण युवाओं को नये रोजगार व व्यवसाय सृजन में गति बढ़ाने हेतु डीसी मनरेगा को निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि सीमान्त छोटे किसान व भूमिहीन किसानों की उत्पादकता सुधार व वेयर हाउसिंग के आधुनिकिकरण हेतु योजना पर कार्य किया जाए। साथ ही लखपति दीदी कार्यक्रम के अंतर्गत विभागों को स्वंय सहायता समूह की दीदी की आय बढ़ाने हेतु अन्य विभागों की योजनाओं से जोड़ते हुये लखपति दीदी कार्यकम में त्वरित गति दी जाय। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। कहा कि लखपति दीदी सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। हर गांव में अधिक से अधिक लखपति दीदी का चयन कर जरूरी कार्रवाई की जाए। कहा कि अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों का चयन कर उनकी आय बढ़ाने के लिये गुणवत्ता युक्त निर्णय लिये जाए।

डीएम के निर्देश न मानने पर पांच विद्यालयों से स्पष्टीकरण तलब

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देशों का अनुपालन न करने व उल्लघन करने के चलते बीएसए शैलेश पांडेय ने जगन्नाथ शाह मेमोरियल पब्लिक स्कूल मौहारी बाग नगर क्षेत्र, सिटी कान्वेंट पब्लिक स्कूल गांधीनगर नगर क्षेत्र, विंग्स एकेडमी लीलावती कॉन्वेंट, सर सैय्यद, ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल के प्रबंधक व प्रधानाचार्य को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण काल किया है। इसमें बताया कि शीतलहर व कोहरे से छात्र-छात्राओं की सुरक्षा व स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए जिले के संचालित कक्षा-1 से 5 तक के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त व मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का 19 व 20 दिसंबर को अवकाश घोषित करते हुए कक्षा 6 से 8 तक के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त व मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालन का समय सुबह 11.30 से सायं 3 बजे तक किये जाने के आदेश दिये गये थे। परंतु यह विद्यालय पूर्ववत समय से संचालित किया जा रहे हैं। इसे लेकर वे अपना साम्ययुक्त पक्ष व स्पष्टीकरण बीएसए कार्यालय में दो दिन में उपलब्ध कराएं। ऐसा न करने पर शासनादेश में निहित प्रावधानों के क्रम में उनके विद्यालय के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

15 सभासदों ने दिया इस्तीफा

- विकास कार्यों की जानकारी न मिलने से थे नाराज

उन्नाव, अमृत विचार। विकास कार्यों की जानकारी न मिलने से नाराज नगर पालिका के 15 सभासदों ने सामूहिक रूप से अपने पद से इस्तीफा का पत्र दे दिया। उनका कहना है कि नगर पालिका के अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। सभासदों ने कहा कि नगर पालिका के अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। इसकी जानकारी होने पर अध्यक्ष प्रतिनिधी पहुंचे और बैठक कर मामले को शांत कराने का प्रयास किया।

बता दें कि नगर पालिका क्षेत्र के 15 वार्डों के सभासद दोपहर एक बजे पालिका कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने ईओ संजय गौतम से शहर में चल रहे विकास कार्यों का ब्यौरा मांगा। आरोप है कि ईओ ने जानकारी देने से मना कर दिया। जिससे नाराज सभासदों ने कार्यालय परिसर में जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन शुरू कर दिया। अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा पहुंचे और सभासदों को समझाकर ईओ व सभासदों को साथ बैठाकर मामला शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि, इस पर भी बात नहीं बनी और सभासद अपने अधिकारों पर प्रश्न करते रहे। इसके बाद सभासदों ने इस्तीफा ईओ को सौंप दिया। ब्रजेश पांडेय ने कहा कि हम जो भी मांगपत्र देते हैं उस पर कोई सुनवाई नहीं होती। शहर में सरकारी जमीनों पर जबरन कब्जा कराया जा रहा है। जिसमें ईओ खुद संलिप्त हैं। वहीं, सभासद मुन्ना सिंह ने कहा कि जब अधिकारी हमें अंधेरे में रख रहे हैं और हमारे पास कोई अधिकार ही नहीं बचा तो पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। लोकनगर के सभासद पंकज लोधी ने कहा कि विकास के नाम पर केवल बंदरबांट व भ्रष्टाचार हो रहा है। आरोप लगाया कि जब भी किसी मामले की जांच की मांग की जाती है तो उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

ईओ से वार्ता करते सभासद। अमृत विचार

इस्तीफा देने वालों में राजेंद्र भारती, अशोक कुमार, लक्ष्मी देवी, यासीन अहमद, प्रेमा, पंकज लोधी, ब्रजेश पांडेय व मुन्ना सिंह आदि सभासद शामिल हैं। ईओ एसके गौतम ने कहा कि पालिका की नियमावली में अध्यक्ष की अनुमति के बिना आवश्यक अभिलेख नहीं दिखाए जा सकते हैं। सभासदों से वार्ता के दौरान हमने यहीं बात कहीं थी। हमने किताब मंगाकर उन्हें नियमावली से रूबरू भी कराया। वार्ड सभासदों की हर समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता में रहता है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

हसनगंज। तालासराय गांव निवासी उमेश उर्फ छोटू (22) पुत्र स्व. राम सजीवन मजदूरी करता था। माता-पिता की मौत होने से वह घर पर अकेला रहता था। बड़ा भाई राम बहादुर पत्नी व बच्चों के साथ दिल्ली में रहता है। चचेरे भाई रामबाबू ने बताया कि शाम को वह गांव के दो युवकों के साथ देखा गया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह खेत गए ग्रामीणों ने उसका शव घर से 500 मीटर आगे गांव के सुरेश पाल की बाग में लगे आम के पेड़ में मफलर फंदे से लटका देखा तो उनके होश उड़ गए। चचेरे भाइयों की सूचना पर पुलिस पहुंची तो परिजनों ने मौत पर शक जताया। इस पर पुलिस के पैनल से पीएम कराने की मांग पर सीएमओ ने डॉ. पुनीत तिवारी व डॉ. शोएब निसार को नियुक्त कर पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसकी हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई। शरीर पर चोट भी नहीं मिली।

उमेश उर्फ छोटू (फाइल फोटो)

श्रीकृष्ण ने तोड़ा इंद्र का अहंकार, मनी गोवर्धन पूजा

श्रीमद्भागवत कथा सुनते भक्त। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। नार्मल स्कूल मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का सजीव वर्णन किया गया। संत राम शरण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को गिरिराज पूजा का पौराणिक महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि जब इंद्र का अहंकार बढ़ गया तब लीलाधारी श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति की सेवा व गोवर्धन पर्वत की पूजा का संदेश दिया। इससे कुपित होकर इंद्र ने मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। ब्रजवासियों की रक्षा के लिए कृष्ण ने 7 दिनों तक अपनी अंगुली पर गिरिराज पर्वत को धारण किया। अंततः इंद्र का घमंड चूर हुआ और उन्होंने प्रभु के चरणों में नतमस्तक होकर क्षमा मांगी। इसी दिन से अन्नकूट व गोवर्धन पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई। कथा स्थल पर गोवर्धन पर्वत की भव्य झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया। कथावाचक ने कहा कि जो भक्त पूरी श्रद्धा के साथ वृंदावन में गिरिराज जी की परिक्रमा करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। कथा की आरती में मुख्य यजमान डॉ. संजय मिश्रा व बबली मिश्रा ने की।

पोलियो अभियान का लक्ष्य पूरा करने में जुटे छात्र

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। दिसंबर माह में चल रहे पल्स पोलियो अभियान में आशा वर्कर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल से स्वास्थ्य विभाग को बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लक्ष्य को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के चलते स्वास्थ्य विभाग निर्धारित लक्ष्य से पिछड़ने लगा। इसके बाद लक्ष्य पूरा करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। अब निजी कॉलेजों में पैरा मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को अभियान में लगाया गया है।

14 दिसंबर से पोलियो अभियान की शुरुआत बूथों पर की गई थी लेकिन अगले ही दिन आशा वर्कर्स मांगों को लेकर हड़ताल पर चली गईं। इसके कारण सोमवार से शुक्रवार तक चलने वाला पांच दिवसीय डोर-टू-डोर अभियान प्रभावित हो गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व अर्बन हेल्थ सेंटर के चिकित्सकों ने मेडिकल स्टाफ व स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से अभियान आगे बढ़ाया लेकिन लगभग 56 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य पूरा करना मुश्किल होता नजर आने लगा। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देश पर एक निजी कॉलेज के करीब 70 पैरा मेडिकल छात्र-छात्राओं को अभियान में शामिल किया गया। गुरुवार और शुक्रवार को पैरा मेडिकल स्टूडेंट छूटे हुए इलाकों में जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाते नजर आए। पीएचसी प्रभारी डॉ. राजेश चंद्रा ने बताया कि गुरुवार को करीब 70 और शुक्रवार को लगभग 90 पैरा मेडिकल छात्र अभियान में शामिल रहे।

डोर टू डोर पोलियो की खुराक पिलातीं मेडिकल छात्राएं। अमृत विचार

सिटी डायरी

राजकिशोर रावत का स्वागत करते लोग।

भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य का हुआ स्वागत

उन्नाव, अमृत विचार। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजकिशोर रावत को पार्टी द्वारा राष्ट्रीय परिषद सदस्य मनोनीत किए जाने पर विधानसभा सफीपुर के गांव फत्तेपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कुंज बिहारी रावत के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने उनका स्वागत व अभिनन्दन किया। सैकड़ों लोग उनके स्वागत के लिए खड़े रहे और पहुंचने पर उनका माल्यार्पण किया। जिसमें प्रमुख रूप अवध प्रकाश वर्मा, वीरेंद्र, देव चंद्र रावत, शिव भोला रावत, गोपाल रावत, रमाशंकर रावत, राम पाल आदि ने माला व अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया।

स्टेशन के पीछे खुली पड़ी सिग्नल केबल।

सिग्नल केबल खुल होने से रेल यातायात हो सकता प्रभावित

शुक्लागंज। गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही सामने आई है। कार्यदायी एजेंसी द्वारा की गई गहरी खुदाई के कारण रेलवे की महत्वपूर्ण सिग्नल केबलें बिना किसी सुरक्षा के खुले में पड़ी हैं, जिससे रेल संचालन के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। स्थिति अधिक चिंताजनक इसलिए है क्योंकि खुली पड़ी इन केबलों से छेड़छाड़ या क्षति होने का सीधा असर रेल यातायात की सुरक्षा पर पड़ेगा, जो किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। विशेषकर मौजूदा सर्दी और कोहरे के मौसम में, सिग्नल व्यवस्था में कोई भी गड़बड़ी गंभीर परिणाम दे सकती है।

कार्यवाही करती सीसी टीम।

बढ़ते सड़क हादसों व जाम से निजात के लिये सतर्क हुई सीसी टीम

नवाबगंज। घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और बार-बार लगने वाले जाम को गंभीरता से लेते हुए सीसी टीम का गठन किया गया है। यह टीम हर जिले में स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग तरीके से तैनात की गई है। ताकि यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसी क्रम में एनएच-27 पर नवाबगंज क्षेत्र में सीसी टीम ने सक्रियता दिखाते हुए हाईवे पर लगे जाम को हटवाया। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी होने व अवैध पार्किंग से जाम की स्थिति बनी थी।

कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे सांसद खेल महोत्सव में बालक व बालिका वर्ग के विभिन्न वर्गों में जिले के खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। खेल महोत्सव के तीसरे दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल ने किया। सब जूनियर बालक 42 किग्रा में अनन्य व 53 से 58 किग्रा में शिरीष पांडेय ने पहला स्थान प्राप्त किया।

आयोजन | संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों की सूचना समय से पुलिस को देने की अपील

चौकीदारों को एसपी ने किया ब्रीफ, दिए साइकिल व कंबल

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। गावों में सुरक्षा की अहम भूमिका निभाने वाले चौकीदारों (ग्राम प्रहरियों) को एसपी ने ब्रीफ कर उन्हें उनके कर्तव्यों के विषय में जानकारी दी। 81 चौकीदारों को एसपी ने नई साइकिल, कंबल व सीटी वितरित की।

एसपी जय प्रकाश सिंह ने सर्दी में विशेषकर रात में गावों में अधिक चौकसी बरतने के लिए चौकीदारों के साथ बैठक कर उन्हें ब्रीफ किया। एसपी ने चौकीदारों को उनके कर्तव्यों व दायित्वों की जानकारी देते हुए कहा कि क्षेत्रों में निगरानी बनाए रखें, संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों की सूचना समय से पुलिस को दें। साथ ही ग्रामीण स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिए। बताया कि चौकीदार पुलिस व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। उनसे गोष्ठी के माध्यम से अधिक सतर्कता व अनुशासन के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया है। बैठक के बाद 81 चौकीदारों नई साइकिलें, कंबल व सीटी वितरित की गई। एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह व सीओ सिटी दीपक यादव ने बताया कि साइकिल उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त व निगरानी करने में मदद करेगी। इसके बाद एसपी ने पुलिस लाइन में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को भी शीतलहर से बचाव के लिए कंबल वितरित किये। इस दौरान आरआई सचिन राय आदि मौजूद रहे।

साइकिल व कंबल देते एसपी जयप्रकाश। अमृत विचार

अमृत विचार

शनिवार, 20 दिसंबर 2025

कोई भी व्यक्ति आसानी से नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन हर कोई दूसरे का भला नहीं कर सकता।
-प्लेटो, दार्शनिक

ग्रामीण नीति में बड़ा मोड़

लोकसभा द्वारा दो दशकों से लागू मनरेगा की जगह रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 का पारित होना ग्रामीण भारत की नीति-दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव है। यह बदलाव केवल नाम का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं और शासन-ढांचे का भी है। नई व्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगी या फिर रोजगार गारंटी को कमजोर करेगी, यह कुछ बरस बाद पता चलेगा। निःसंदेह बीते 20 वर्षों में ग्रामीण भारत की तस्वीर बदली है। सड़कों, बिजली, इंटरनेट और डिजिटल भुगतान ने गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा है। गैर-कृषि रोजगार भी बढ़े हैं। मनरेगा के तहत औसतन 100 दिन की गारंटी के बावजूद मजदूरों को साल में केवल 50–55 दिन ही काम मिल पाया। ऐसे में सरकार का मानना था कि पुरानी योजना प्रासंगिक नहीं रही, आजीविका और उत्पादकता पर केंद्रित नया कानून जरूरी था। जल, जलवायु और आधारभूत ढांचे पर केंद्रित नई योजना जल सुरक्षा, जल-संरक्षण, ग्रामीण परिसंपत्तियों और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कार्यों को प्राथमिकता देकर पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक प्रासंगिक बन सकती है और ग्रामीण क्षेत्रों को जल-संकट और जलवायु जोखिमों से निपटने में मदद कर सकती है। पारदर्शिता के मोर्चे पर बायोमेट्रिक उपस्थिति, डिजिटल भुगतान और कड़ी निगरानी व्यवस्था जैसे भ्रष्टाचार-निरोधक तकनीकी उपायों से लीकेज घटेगा तो, पर भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म तभी होगा जब स्थानीय स्तर पर जवाबदेही और सामाजिक अंकेक्षण मजबूत हों।

योजना के कुछ प्रावधान गंभीर सवाल खड़े करते हैं। खेती के सीजन में 60 दिनों तक योजना का काम बंद रहेगा, ताकि खेती के लिए मजदूर मिल सकें, लेकिन यह अवधि केंद्र सरकार तय करेगी। आशंका यह है कि मजदूरों की उपलब्धता बढ़ने से उनकी मजदूरी की सौदेबाज़ी की ताकत घटे और दिहाड़ी पर दबाव पड़े। 125 दिनों के रोजगार की गारंटी कागज़ पर आकर्षक है, पर जब पुरानी योजना में 100 दिनों की गारंटी भी पूरी नहीं हो पाई, तो नई गारंटी पर भरोसा कैसे किया जाए? वित्तीय ढांचे में भी बड़ा बदलाव है। अब केंद्र 60 प्रतिशत और राज्य 40 फीसदी खर्च वहन करेंगे। इससे राज्यों पर भारी बोझ पड़ेगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर यह अतिरिक्त बोझ 3,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। बंगाल, झारखंड और पंजाब जैसे राज्यों ने इस योजना को लेकर असहमति जताई है, उनके पीछे यही वित्तीय और प्रशासनिक चिंता है। जब अधिकांश अधिकार केंद्र के पास होंगे, तो संसाधन-संकट से जूझ रहे राज्य इसमें कितनी रुचि लेंगे, यह बड़ा प्रश्न है।

यदि राज्यों ने काम कम दिया या योजना को गंभीरता से नहीं लिया, तो काम न मिलने की स्थिति में गरीब ग्रामीण परिवारों की हालत और खराब हो सकती है। यही कारण है कि यह बदलाव ग्रामीण नीति के सबसे अहम मोड़ों में गिना जाएगा। फिलहाल नई व्यवस्था का वास्तविक असर रोजगार, कृषि उत्पादकता, आय और पर्यावरण पर कम से कम 2–3 वर्षों में ही साफ होगा। इतना तय है कि यह कदम अवसर के साथ जोखिम भी है। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या सरकार रोजगार गारंटी की आत्मा को बचाते हुए पूरी ईमानदारी से ग्रामीण आजीविका और पर्यावरण के लक्ष्यों को संतुलित कर पाती है या नहीं।

प्रसंगवश

नवीन का चुनाव और बीजेपी की रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने पटना की बांकीपुर सीट से विधायक और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन सिन्हा को पार्टी का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में जेपी नड्डा के बाद दूसरे कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। भारतीय जनता पार्टी के संविधान में कार्यकारी अध्यक्ष का कोई औपचारिक पद नहीं है, लेकिन साल 2019 के बाद से बीजेपी में पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त करने से पहले कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की एक परंपरा शुरू हुई है।

जेपी नड्डा जून 2019 में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने थे और फिर जनवरी 2020 में उन्हें सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया था। नितिन नवीन सवर्ण उपजाति-

डॉ. ओपी त्रिपाठी
चिकित्सक

कायस्थ समुदाय के नेता हैं और 45 साल उम्र है, लिहाजा वह भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। कुछ समय बाद वह जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी के तौर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। बेशक नितिन नवीन भाजयुमो में अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर काम कर चुके हैं, कुछ राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी भी रहे हैं, लिहाजा संगठन की आत्मा और अपेक्षाओं को वह बखूबी जानते हैं।

जब नड्डा पार्टी अध्यक्ष बने थे, तब उनकी उम्र 52 साल थी। अमित शाह 49 साल के थे। राजनाथ सिंह भी 52-53 साल के रहे होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की आयु भी 55-58 साल की रही होगी, जब वे पहली बार भाजपा अध्यक्ष बने थे, लिहाजा उम्र शीर्ष नेतृत्व का कोई मानदंड नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का यह 'नवीन' प्रयोग चुनौतीपूर्ण जरूर है।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री पद पर मोहन चरण माझी, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, बिप्लव देब, भूपेंद्र पटेल, पुष्कर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी आदि को विराजमान कर भाजपा की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपा था। इन्हीं नेताओं की तरह नवीन भी भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान कभी 'राष्ट्रीय' नहीं रही। नितिन नवीन उसी श्रृंखला की नई कड़ी बन गए हैं, जिसे अटल, आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह से लेकर जेपी नड्डा तक ने स्थापित किया और भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सम्मान दिलाया।

उनके सामने राजनीतिक और चुनावी चुनौती यह है कि 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं और 2027 में उप्र के महाचुनाव सामने होंगे। केरल में तिरुवनंतपुरम के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत हुई है और उसने वाम मोर्चे के 45 साल पुराने किले को ढहा दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विधानसभा चुनाव में भी जनता भाजपा-एनडीए को कमोबेश एक मौका जरूर देगी, लेकिन तमिलनाडु में आज भी भाजपा 'शून्य' है।

बेशक अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन से उसे कुछ सीट हासिल हो जाएं, लेकिन तमिल के हिंदुओं ने अभी भाजपा को स्वीकार नहीं किया है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार वहां के राम मंदिरों में जाकर और पूजा कर प्रयास कर रहे हैं कि जनता की स्वीकृति मिल सके। वैसे परिणाम चुनाव के बाद ही स्पष्ट होंगे। नवीन के सामने 2028-29 की राजनीतिक चुनौतियां भी गंभीर होंगी, क्योंकि 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद संभवतः मोदी प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहेंगे, लिहाजा एक वैकल्पिक चेहरे की आवश्यकता होगी। उसकी तैयारी भी 2026 से शुरू करनी पड़ेगी।

आंकड़ों में राहत पर युवाओं की चुनौती

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

देश के शहरी क्षेत्र में रोजगार की स्थिति हाल के वर्षों में तेजी से बदली है और इसके आंकड़े उम्मीद और चिंता दोनों को सामने लाते हैं। वित्त वर्ष 2022 में जहां शहरी बेरोजगारी दर 14.3% थी, वहीं वित्त वर्ष 2025 में इसके घटकर लगभग 9% पर आने का अनुमान है। यह गिरावट अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि महामारी के दौरान शहरी क्षेत्रों में रोजगार पर सबसे गहरा असर पड़ा था। दफ्तर बंद हुए, सेवा क्षेत्र ठप पड़ा और लाखों लोग या तो काम से बाहर हो गए या उन्हें गांवों की ओर लौटना पड़ा। ऐसे में कुल शहरी बेरोजगारी दर में यह सुधार अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार का संकेत देता है।

इस सुधार में महिलाओं की भूमिका खास तौर पर उल्लेखनीय रही है। उपलब्ध श्रम बल सर्वेक्षणों के अनुसार शहरी महिला कार्यबल भागीदारी दर पिछले तीन वर्षों में लगातार बढ़ी है। महामारी से पहले जहां शहरी महिलाओं की कार्यबल भागीदारी लगभग 20 से 21 प्रतिशत के आसपास थी, वहीं अब यह 25 प्रतिशत के करीब पहुंच रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, रिटेल, घरेलू सेवाओं, आईटी सपोर्ट और गिग इकॉनमी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए अवसर बने हैं। वर्क फ्रॉम होम और हाइब्रिड कार्य व्यवस्था ने भी कई महिलाओं को पारंपरिक दफ्तर से जुड़े बिना कमाई करने का मौका दिया है।

यही कारण है कि शहरी बेरोजगारी दर में आई गिरावट का एक बड़ा हिस्सा महिला रोजगार में वृद्धि से जुड़ा हुआ है। तस्वीर का दूसरा पहलू कहीं अधिक चिंताजनक है। शहरी युवाओं की बेरोजगारी दर अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर लगभग 16.8% है। यह दर कुल शहरी बेरोजगारी दर से लगभग दोगुनी है। इसका अर्थ यह है कि अर्थव्यवस्था में पैदा हो रहे रोजगार युवाओं को उस अनुपात में नहीं मिल पा रहे हैं, जिस अनुपात में वे श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

हर साल देश में लगभग एक करोड़ युवा कामकाजी आयु में पहुंचते हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा शहरी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करता है। उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ने के कारण स्नातक और परास्नातक युवाओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार पिछले दस वर्षों में उच्च शिक्षा में नामांकन करीब 75 प्रतिशत तक बढ़ा है। इसके बावजूद हम उद्योग और सेवा क्षेत्र में इतनी संख्या में नौकरियां पैदा नहीं कर पाए हैं, जो इन शिक्षित युवाओं को समाहित कर सकें।

शहरी युवा बेरोजगारी का एक कारण कौशल और मांग के बीच असंतुलन भी है। कई सर्वेक्षण बताते हैं कि निजी क्षेत्र के लगभग 45 से 50 प्रतिशत नियोक्ता नए स्नातकों को तुरंत रोजगार योग्य नहीं मानते। उन्हें अतिरिक्त प्रशिक्षण देना पड़ता है, जिससे लागत बढ़ती है। परिणामस्वरूप कंपनियां या तो अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती हैं, या फिर ऑटोमेशन और तकनीक के जरिए काम चलाने का विकल्प चुनती हैं। इससे एंट्री लेवल नौकरियों की संख्या घटती जा रही है, जो युवाओं के लिए रोजगार का पहला कदम होती हैं।

इसके साथ ही शहरी युवाओं की अपेक्षाएं भी रोजगार संकट को जटिल बनाती हैं। वे अधिकतर स्थायी, सामाजिक सुरक्षा वाली और सम्मानजनक आय देने वाली नौकरियों की तलाश में रहते हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि शहरी युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अनौपचारिक और कम वेतन वाले काम को अस्थायी समाधान के रूप में भी स्वीकार नहीं करना चाहता। दूसरी ओर अर्थव्यवस्था में उपलब्ध रोजगार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी अनौपचारिक या अर्ध औपचारिक प्रकृति का है, जहां आय और सुरक्षा सीमित होती है।

शहरी युवा बेरोजगारी के सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार लंबे समय तक बेरोजगार रहने वाले युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी की संभावना अधिक होती है। शहरी क्षेत्रों में अपराध और नशे से जुड़ी समस्याओं के साथ बेरोजगारी का संबंध भी कई बार सामने आया है।

महिलाओं के रोजगार में सुधार के बावजूद यह भी सच है कि रोजगार की गुणवत्ता अभी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। शहरी कामकाजी महिलाओं में से लगभग 60 प्रतिशत अब भी कम वेतन या असुरक्षित हालात में काम कर रही हैं। प्रबंधकीय और तकनीकी उच्च पदों पर उनकी हिस्सेदारी सीमित है। समान कार्य के लिए समान वेतन का अंतर भी कई क्षेत्रों में बना हुआ है, इसलिए शहरी बेरोजगारी दर में आई गिरावट को केवल सकारात्मक आंकड़ा मानकर संतोष कर लेना सही नहीं होगा।

नीतिगत स्तर पर इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। शहरी युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों को केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रखकर उनकी गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। अप्रेंटिसशिप और ऑन द जॉब ट्रेनिंग को उद्योग के साथ जोड़कर वास्तविक रोजगार के अवसरों में बदला जाना चाहिए। निजी क्षेत्र को युवाओं की भर्ती के लिए प्रोत्साहन देने वाले उपाय, जैसे वेतन सब्सिडी या कर राहत, भी रोजगार सृजन में सहायक हो सकते हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार भी उतना ही जरूरी है।

विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रमों को तेजी से बदलते रोजगार बाजार के अनुरूप बनाना होगा। डिजिटल कौशल, डेटा विश्लेषण, ग्रीन टेक्नोलॉजी और केयर इकॉनमी जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना समय की मांग है। साथ ही शहरी युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना और उन्हें ऋण, मेंटरशिप और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना भी बेरोजगारी के दबाव को कम कर सकता है।

वित्त वर्ष 2022 में शहरी बेरोजगारी दर 14 .3 प्रतिशत थी, वहीं 2025 में इसके घटकर लगभग 9 प्रतिशत पर आने का अनुमान है। इसी तस्वीर का दूसरा पहलू कहीं अधिक चिंताजनक है।

आमने-सामने

आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता कचरे को जलाते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़े और रेखा सरकार को घेरे में ले सकें। अरविंद केजरीवाल की सरकार में प्रदूषण के हालात वर्तमान स्थिति से बेकार थे। पिछले 10 सालों की मार आज भी दिल्ली झेल रही है।
-मनजिंदर सिरसा
पर्यावरण मंत्री, दिल्ली

मेरी सरकार के दस साल में मैंने कभी इतना भयंकर प्रदूषण नहीं देखा। मौजूदा सरकार सिर्फ आंकड़ों के साथ खेलने में लगी हुई है। AQI नापने वाली मशीनों के आसपास पानी छिड़क कर रीडिंग कम दिखाने की कोशिश की जा रही है। इतनी चालाकी के बाद भी स्तर 400-500 से नीचे नहीं आ पा रहा।
-अरविंद केजरीवाल
पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली

नेपाल में स्थगित हो सकते हैं आम चुनाव

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में जिस तेजी से हिंदूवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ रही है उससे ऐसा लगता है कि या तो मार्च में होने वाला चुनाव स्थगित हो जाए या फिर सांप्रदायिकता के साये में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चुनाव हो। चुनाव की तैयारी में जुटे राजनीतिक दलों ने भी ऐसी आशंका जताई है। प्रतिनिधि सभा के निवर्तमान एमाले सांसद मंगल प्रसाद गुप्ता की मानें तो नेपाल में राज संस्था के पक्ष में माहौल बनाने में हिंदूवादी संगठन तेजी से सक्रीय हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यद्यपि यह आसान नहीं है और न ही संभव है, लेकिन इन संगठनों का आंदोलन यदि तेज हुआ तो मार्च में होने वाला चुनाव जरूर बाधित हो सकता है।

बता दें कि नेपाल की अंतरिम सरकार ने सत्ता संभालते ही मार्च में चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंप देने का वादा किया था। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की अपने वादे पर कायम रहते हुए चुनाव की तैयारी के लिए लगातार चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ बैठकें करने में व्यस्त हैं। इसी के साथ नेपाल के राजनीतिक दलों की भी सक्रीयता बढ़ी है। कम्युनिस्ट दलों ने आपस में विचार-विमर्श कर एक मंच पर आने की पहल भी शुरू कर दी है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चुनाव बहिष्कार का फैसला किया था, लेकिन अब वे भी तैयार हो गए हैं।

हाल ही में अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने भारत पर निशाना साधकर स्पष्ट कर दिया है कि उनके चुनाव का मुख्य एजेंडा भारत विरोध ही रहेगा। ओली यदि अपने इसी रुख पर अड़े रहे, तो उनका प्रचंड के साथ तालमेल शायद संभव न हो। प्रचंड भारत से किसी विवाद का हल बातचीत से चाहते हैं न कि बयानबाजी से। जेन जी आंदोलन के दौरान सभी दलों के शीर्ष नेता अपमानित हुए हैं। किसी को सरेआम मारा पीटा गया, तो किसी का घर जला कर राख कर दिया गया। इसके बाद बड़े दलों ने एकजुटता की जरूरत महसूस की। कम्युनिस्ट दलों ने जहां एक मंच पर आने का संकेत दिया है, वहीं नेपाली कांग्रेस ने भी छोटे-छोटे दलों के साथ एक अलग मंच बनाने में दिलचस्पी दिखाई है। फिलहाल अभी न तो प्रचंड, ओली के एक मंच पर आने की तस्वीर साफ हुई है और न ही नेपाली कांग्रेस के साथ छोटे दलों की ही तस्वीर साफ हुई है, लेकिन इसे लेकर कयासबाजी का दौर जारी है।

मार्च में संभावित चुनाव के पहले नेपाल के विभिन्न इलाकों में हुई सांप्रदायिक घटनाओं ने अंतरिम सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इस बार राजावादी शक्तियां हिंदुत्व और राज संस्था कि बहाली के लिए आर-पार की जंग की तैयारी में हैं। नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में हाल की सांप्रदायिक घटनाओं पर गौर करें, तो कार्की सरकार की तरफ से इसे रोकने का कोई प्रयास सामने नहीं आया है। चुनाव की तैयारी में सक्रिय नेपाल के राजनीतिक दलों में इस बात को लेकर चिंता है कि जेन जी आंदोलन की भांति यह चुनाव भी कहीं हिंदूवादी संगठनों के उग्र आंदोलन की भेंट न चढ़ जाए?

पिछले दिनों मधेश प्रदेश सरकार के मदरसा बिल मंजूर करने को लेकर हिंदू संगठनों ने जिस तरह उग्र विरोध किया, उससे यह संकेत मिलता है कि चुनाव नजदीक आते ही इस तरह के आंदोलन और तेज होंगे। मधेश प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री सरोज कुमार ने सदन में इस बिल को ऐसे समय मंजूरी दी, जब वे खुद ही सदन में विश्वासमत हासिल करने में विफल हो गए थे। हिंदूवादी संगठन इसे मधेश में मुस्लिमों को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। प्रदेश सभा में मदरसा बिल पारित करने की घोषणा के बाद जनकपुर धाम सहित पूरे मधेश प्रदेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

विश्व हिंदू परिषद नेपाल, नेपाल हिंदू स्वयंसेवक संघ, नेपाल हिंदू सेना सहित कई हिंदूवादी संगठनों ने जगह-जगह टायर जलाकर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। एकाध जगह प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच झड़प भी हुई। हिंदू संगठनों का मानना है कि पूरे नेपाल में 90 प्रतिशत हिंदू आबादी है। हिंदू गुरुकुल के लिए सरकार कुछ नहीं करती, वहीं मदरसों को आधुनिक भवन, मोलवियों को सरकारी शिक्षक की तरह वेतन और उसमें पढ़ने वाले मुस्लिम छात्रों को सरकार की ओर से भोजन आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मधेश क्षेत्र में मदरसा बिल के बहाने हिंदू संगठनों का प्रदर्शन लगातार चल रहा है।

नेपाल में इन दिनों हिंदू सम्राट सेना नामक नया हिंदू संगठन तेजी से पांव पसार रहा है। पिछले दिनों इस संगठन ने भी मुस्लिम आयोग खारिज करने की मांग को लेकर कई जिलों में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। यह संगठन हिंदू राष्ट्र और राज संस्था की भी मांग कर रहा है। हिंदू सम्राट सेना ने नेपाल को रोहिंग्या से भी खतरा बताया है। यह संगठन नेपाल में रोहिंग्या की गहन खोज के साथ उन्हें बाहर निकालने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है।

हिंदू सम्राट सेना के केंद्रीय उपाध्यक्ष श्री कृष्ण सनातनी के नेतृत्व में नेपाल के विभिन्न जिलों में हिंदू हितों की मांग को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तय की गई है। नेपाल के तराई में सक्रिय एक हिंदू नेता ने बताया कि आगामी मार्च में होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव तक नेपाल के कोने-कोने तक हिंदुत्व की अलख जगाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है।

नेपाल में जिस तेजी से हिंदूवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है, उससे ऐसा लगता है कि चुनाव स्थगित हो सकते हैं। वहां के राजनीतिक दलों ने भी ऐसी ही आशंका जताई है।

सोशल फोरम

नूर जहां की वसीयत- न हो कब्र पर चरागां

आखरी वसीयत में नूरजहां ने अपनी ख़्वाहिश ज़ाहिर की थी 'इस नाचीज़ की क़ब्र पे न तो चराग़ां किया जाए, न ग़ुलाब बिखेरे जाएं और न ही तितलियों के पंख उड़ाए जाएं...।'

मो. तसनीम आजाद
लेखक

मेहरुन्निसा को जानते हैं आप? शायद नहीं। किंतु, 'नूरजहां' का नाम लेते ही जेहन में एक हसीन मुगल रानी की तस्वीर उभर आती है। नूरजहां का दूसरा परिचय यह है कि उन्हें मुगल काल की सबसे ताकतवर महिला के रूप में भी देखा जाता है। यहां नूरजहां का जिक्र इसलिए हो रहा है, क्योंकि नूरजहां ही मेहरुन्निसा थीं। नूरजहां (1577-1645) मुगल काल की एक महारानी थीं, जिन्हें भारत के इतिहास में मुगल शासक जहांगीर (सलीम) की सबसे पसंदीदा पत्नी के तौर पर याद किया जाता है। उनके पिता गयास बेग मुगल शासक अकबर की सेवा करते थे। अकबर ने उनके पिता को 'इतमत-उद-दौला' (राज्य का एक स्तंभ) की पदवी दे रखी थी। इसके बाद उनके भाई आसफ खान ने जहांगीर और उनके उत्तराधिकारी शाहजहां की सेवा की।

मेहरुन्निसा की पहली शादी 17 साल की उम्र में एक पारसी साहसी शेर अफगान अली कुली खान इस्ताजलु से हुई थी। उनसे उन्हें पहली संतान भी हुई, जिसका नाम उन्होंने लाडली बेगम रखा था। 1607 में शेर अफगान के निधन के बाद मेहरुन्निसा ने आगरा किले में मुगल साम्राज्य की सेवा करना शुरू की। 1605 में अकबर के निधन के बाद जहांगीर ने उत्तराधिकारी के तौर पर शासन किया। इस दौरान मेहरुन्निसा की जिम्मेदारी जहांगीर की सौतेली माताओं में से एक रुकैया सुल्ताना बेगम की सेवा करने की थी। वहीं पर उसने हरम की स्त्रियों के लिए चोलियां, पोलकों, दुपट्टों, लहंगों तथा उनके वस्त्रों की नयी-नयी डिजाइनों को ईजाद किया। उसने शृंगार तेल और सुगन्धित पदार्थों से बने इत्र आदि का निर्माण किया था। गुलाब के इत्र का आविष्कार नूरजहां ने किया था।

नूरजहां पुरुषों के समान साहस भी रखती थीं। घुड़सवारी, शस्त्र चलाना उन्हें प्रिय थे। वह शेर, चीते का आखेट करती थीं। वह उदार, सहृदय और दानशील थीं। साहित्य व ललित कलाओं के प्रति उन्हें विशेष अनुराग था। वह फारसी भाषा और साहित्य की अच्छी ज्ञाता थीं। फारसी में कविताएं भी करती थीं। उन्होंने कमरों की साज-सज्जा और शाही दावतों के नवीन ढंग प्रचलित किए।

सामयिकी

मेसी की दीवानगी व देश में फुटबॉल का यथार्थ

कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में जो हुआ, वह भारतीय फुटबॉल के लिए शर्म का दिन था। लियोनेल मेसी के भारत दौरे की शुरुआत एक सपना था जो दुःस्वप्न में बदल गया। हजारों प्रशंसकों ने 3,500 से 12,000 रुपये तक खर्च करके अपने आदर्श को देखने का सपना देखा था, लेकिन उन्हें मिली केवल 20 मिनट की झलक और असीमित निराशा। नतीजा था तोड़फोड़, हिंसा और भारतीय फुटबॉल की बदहाल स्थिति की एक और शर्मनाक तस्वीर।

यह घटना केवल एक प्रबंधन की विफलता नहीं थी। यह भारतीय फुटबॉल की गहरी समस्याओं का प्रतीक है, जहां दीवानगी तो है लेकिन दिशा नहीं, जुनून तो है लेकिन योजना नहीं और सपने तो हैं लेकिन उन्हें पूरा करने की व्यवस्था नहीं। कोलकाता की इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। फुटबॉल के प्रति भारतीयों की इतनी दीवानगी है, फिर विश्व मंच पर हमारी स्थिति इतनी कमजोर क्यों है? भारत में फुटबॉल प्रेमियों की कोई कमी नहीं है। कोलकाता, गोवा, केरल और पूर्वोत्तर राज्यों में फुटबॉल की परंपरा सदियों पुरानी है। 1911 में मोहन बागान का ब्रिटिश टीम को हराना आज भी गर्व से याद किया जाता है। 1996 में भारत ने अपनी सर्वोच्च फीफा रैंकिंग 94 हासिल की थी, लेकिन आज क्या हाल है?

जयदेव राठी
अधिवक्ता

आज भारत फीफा विश्व रैंकिंग में 142वें स्थान पर है, जो 2016 के बाद से सबसे निचली रैंकिंग है। भारत ने कभी भी फीफा विश्व कप के फाइनल में खेला ही नहीं है। एशिया में 46 देशों में भारत का स्थान 24वां है। यह वही देश है, जिसकी आबादी 140 करोड़ से अधिक है। 2024 में भारत ने एक भी मैच नहीं जीता और साल के अंत में 126वीं रैंकिंग पर था, जो 2017 के बाद से सबसे खराब प्रदर्शन था। जून 2025 में थाईलैंड और हांगकांग से लगातार हार के बाद भारत 133वें स्थान पर आ गया, जिसके बाद कोच मनोलो मार्केज़ को भारतीय फुटबॉल महासंघ से अलग होना पड़ा।

भारतीय फुटबॉल की असली समस्याएं बहुत गहरी हैं। सबसे पहली समस्या है बुनियादी ढांचे का अभाव। देश में गुणवत्तापूर्ण स्टेडियमों की कमी है, उचित प्रशिक्षण सुविधाएं नहीं हैं, खेल के मैदान कम हैं और युवा विकास कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। दूसरी बड़ी समस्या है क्रिकेट का प्रभुत्व। भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है। खेल का बजट, मीडिया कवरेज, प्रायोजन सब कुछ क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमता है। फुटबॉल को केवल टुकड़े मिलते हैं। तीसरी समस्या है, प्रशासनिक अव्यवस्था। भारत में लंबे समय तक दो समानांतर लीग, आई-लीग और इंडियन सुपर लीग चलती रहीं, जिससे भ्रम और संसाधनों का विभाजन हुआ।

असली सवाल यह नहीं है कि हम मेसी से कितना प्यार करते हैं? असली सवाल यह है कि हम अपनी खुद की फुटबॉल विरासत के लिए क्या कर रहे हैं! जब तक हम संरचना, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ अपनी दीवानगी को नहीं जोड़ते, तब तक भारतीय फुटबॉल विश्व मंच पर केवल एक दर्शक बना रहेगा, कभी खिलाड़ी नहीं बनेगा। यह कड़वा सच है, लेकिन इसे स्वीकार करना और इस पर काम करना ही एकमात्र रास्ता है।

भारत को 140 करोड़ लोगों की अपनी असली फुटबॉल क्षमता का एहसास करने के लिए केवल मेसी को देखने की दीवानगी से आगे बढ़ना होगा। हमें अपने खुद के मेसी तैयार करने की व्यवस्था बनानी होगी। स्टेडियम में सीटें तोड़ना बहुत आसान है, लेकिन सपनों को वास्तविकता में बदलना बहुत कठिन है। भारतीय फुटबॉल को दूसरे की जरूरत है, पहले की नहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

प्रकृति का मंत्रोच्चार

आत्मा की यात्रा का पड़ाव

यात्राएं अक्सर शरीर को थकाती हैं, लेकिन कुछ स्थान ऐसे होते हैं, जो उत्साह और उमंग भरने के साथ आत्मा को छू लेते हैं। नैमिषारण्य की यात्रा मेरे लिए कुछ ऐसा ही अनुभव लेकर आई। सुबह की नरम धूप और हल्की ठंडी हवा के बीच जब मैं नैमिष की ओर बढ़ रहा था, तो मन एक अजीब शांति से भरता जा रहा था। रास्ते में जब लोगों ने बताया कि नैमिष वह तपोभूमि है, जहां देवी-देवताओं और ऋषियों ने युगों तक साधना की। इसके बाद तो हवा के हर झोंके में आध्यात्मिकता का स्पंदन महसूस होने लगा। समीप पहुंचते ही ऐसा लगा जैसे यह भूमि अपने हर कण में इतिहास, अध्यात्म और पवित्रता समेटे है।

शिवेंद्र सिंह बघेल
शिक्षक

नैमिष पहुंचकर सबसे पहला दर्शन चक्रतीर्थ का हुआ। गोल घेरे में बने इस पवित्र सरोवर को देखते ही मन श्रद्धानवत हो गया। पानी बिल्कुल स्थिर था, लेकिन उसमें किसी अनदेखी लय की अनुभूति हो रही थी। जैसे समय की गति थमकर ध्यान में बैठ गई हो। जब मैंने अपने हाथ में जल उठाया, तो भीतर एक अजीब ऊर्जा महसूस हुई। मान्यता है कि ब्रह्माजी के चक्र से यह गोल कुंड बना था। चक्रतीर्थ से आगे बढ़ते हुए मैं हनुमानगढ़ी पहुंचा। यह मंदिर थोड़ी ऊंचाई पर स्थित है। मंदिर में बजती घंटियों की मधुर ध्वनि एक अलग ही संसार रच रही थीं। भक्तों की श्रद्धा, हवा में बिखरी चंदन की खुशबू और दीयों की लौ का तेज, सब मिलकर ऐसा माहौल बना रहे थे, जिसे शब्दों में बांध पाना कठिन है। मैं काफी देर सिर झुकाए खड़ा रहा, इस दौरान लगा मानो कोई अदृश्य शक्ति सिर को स्पर्श कर रही हो।

नैमिषारण्य केवल मंदिरों का समूह नहीं, बल्कि एक पूरी तपस्थली है। यहां के जंगलों में चलते समय ऐसा महसूस होता है कि प्रकृति स्वयं मंत्रोच्चार कर रही हो। लंबे-लंबे वृक्षों की छाया के नीचे चलते हुए मुझे लगा कि मैं किसी प्राचीन कथा का हिस्सा बन गया हूं। पक्षियों का कलरव और पत्तियों की सरसराहट का संगीत अनोखी शांति बिखेरता लगा। थोड़ा आगे बढ़कर मैंने व्यास गद्दी, दधीचि ऋषि आश्रम और अन्य पवित्र स्थलों के दर्शन किए। हर जगह एक अलग इतिहास, एक अलग भावना और एक अलग प्रकार का सुकून मिला। ऋषियों के तप और कथाओं की ऊर्जा इस स्थान पर जीवित प्रतीत हुई। शाम होने को थी और सूरज की किरणें चक्रतीर्थ के जल पर सोना बिखेर रही थीं। किनारे बैठकर डूबते सूरज को देखते हुए महसूस हुआ कि नैमिषारण्य धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा का पड़ाव है। यहां आकर मन अपने आप ही विनम्र, शांत और निर्मल हो जाता है।

धार्मिक महत्व

नैमिषारण्य हिंदू धर्म की सबसे प्राचीन और पवित्र तपोभूमि में से एक है। माना जाता है कि यहां 88,000 ऋषियों ने सत्य और धर्म की रक्षा हेतु दीर्घकालीन यज्ञ किया था। पुराणों में वर्णित अधिकांश कथाएं, विशेषकर वेदव्यास और सूत जी द्वारा सुनाई गई कई महापुराणों की रचना, इसी पवित्र भूमि पर हुई। यह स्थान देवताओं, ऋषियों और साधकों की ऊर्जा से पूर्ण है। मान्यता है कि यहां की यात्रा जीवन के पापों को क्षीण करके मन को आध्यात्मिक शक्ति देती है और साधक को सत्य, शांति तथा मोक्ष के मार्ग के करीब लाती है।

इसलिए प्रसिद्ध है चक्रतीर्थ

चक्रतीर्थ नैमिषारण्य का सबसे पवित्र केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि जब देवताओं ने सुरक्षित तपोभूमि की तलाश की, तब भगवान विष्णु ने अपना चक्र घुमाया और जहां वह गिरा, वहीं यह तीर्थ बना। इसके जल को अत्यंत पवित्र और कल्याणकारी माना जाता है। कहते हैं कि यहां स्नान करने से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि मन और आत्मा की शुद्धि होती है। पुराणों में इसे धरती का सबसे शुभ तीर्थ बताया गया है।

दधीचि ऋषि से जुड़ा इतिहास

मान्यता है कि नैमिषारण्य में दधीचि ऋषि ने देवताओं के लिए अपना शरीर अर्पित किया था। असुरों से रक्षा हेतु भगवान इंद्र को वज्र बनाने के लिए दधीचि की अस्थियों की आवश्यकता पड़ी और उन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपना शरीर त्यागकर धर्म की रक्षा की। नैमिष की धरती दधीचि के इसी दिव्य तप, त्याग और साहस को संजोए हुए है, जहां आने से व्यक्ति त्याग, करुणा और धर्म की शक्ति को गहराई से महसूस करता है।

जॉब का पहला दिन

विभागाध्यक्ष की कुर्सी ने कराया जिम्मेदारी का एहसास

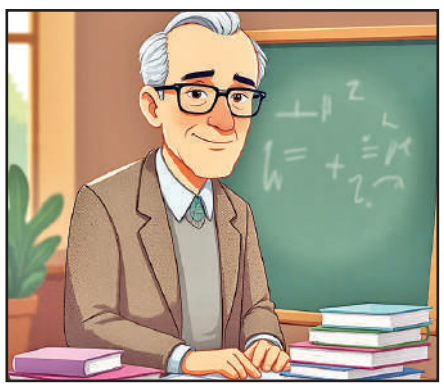

बात 5 सितंबर 2017 की है। माध्यमिक सेवा चयन आयोग से बतौर सहायक प्रोफेसर नौकरी लगी। गोरखपुर होम टाउन था, लेकिन नौकरी ज्वाइन करने के लिए हमें मुरादाबाद के कांठ का डिग्री कॉलेज आवंटित हुआ। मन में तमाम सवाल उठ रहे थे, कैसे कहां क्या करेंगे, मन में नई उमंगें लेकर गोरखपुर से मुरादाबाद के लिए ट्रेन में बैठ गए। नौकरी ज्वाइन करने के पहले दिन ट्रेन से मुरादाबाद जंक्शन पहुंचे, यहां से कांठ के डीएसएम डिग्री कॉलेज जाने के लिए एक बस पकड़ी। करीब एक घंटे में बस ने कांठ में उतार दिया, काफी खोजबीन के बाद कॉलेज पहुंचे, तब हम इस कॉलेज का पूरा नाम नहीं जानते थे, वहां पहुंचने पर मालूम हुआ कि इस कॉलेज का पूरा नाम ध्यान सिंह मैमोरियल डिग्री कॉलेज है, वो भी बोर्ड देखकर। यह कॉलेज राज घराने से ताल्लुक रखता है, अंग्रेजों के समय के बने इस कॉलेज में पहले दिन सबसे पहली समस्या भाषा की आई, गोरखपुर और मुरादाबाद की बोलचाल की भाषा में काफी अंतर है। कॉलेज में हर कोई व्यक्ति अपरिचित की नजर से हमें और हम उन्हें देखते थे, भाषा के साथ परिचय और खानपान की समस्या भी सामने आई। हमारे यहां चाय के साथ मीठा नहीं दिया जाता है। कॉलेज में पहले दिन चाय संग मीठा मिला। यह अनुभव जीवन में पहली बार हुआ।

उस दिन कॉलेज में कोई और प्रोफेसर नहीं पहुंचे, तो प्राचार्य ने मुझे पहले दिन राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी, जबकि यूनिवर्सिटी में पढ़ने के दौरान हम देखते थे कि विभागाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी होती है। क्लास में गए और राजनीति विज्ञान के बच्चों से परिचय हुआ, बच्चों से परिचय होने के दौराना उनका रूझान रोजगार की तरफ ज्यादा दिखा, तब पहले दिन बच्चों को पढ़ाई अच्छे से करने के साथ रोजगार के बारे में भी बताया। बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत किया। जॉब का पहले दिन का अनुभव जीवन का सबसे श्रेष्ठ रहा है। चाय संग मीठा और पहले दिन ही विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाने का एहसास जीवन के लिए बेहतर साबित हुआ। कांठ डिग्री कॉलेज में कई साल गुजारे और ग्रामीणों को भी विभिन्न योजनाओं के प्रति कार्यक्रम चलाकर जागरूक किया। इसके बाद रुहेलखंड यूनिवर्सिटी में काफी समय तक शिक्षण कार्य किया।

नीरज पाठक
सहायक रजिस्टार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, बरेली

मेकअप वाली लड़की

एक समय की बात है, एक लड़की थी, जिसका नाम लूसी था। उसे मेकअप करने का बहुत शौक था। वह बिना मेकअप के घर से बाहर भी नहीं निकलती थी। स्कूल में उसे सब लोग 'परफेक्ट दिखने वाली लड़की' के नाम से जानते थे।

एक दिन स्कूल में अनाउंसमेंट हुआ कि जल्द ही प्रॉम नाइट होने वाली है। यह सुनकर लूसी बहुत उत्साहित हो गई। वह उसी पल से तैयारियों के सपने देखने लगी। जब सब लड़कियां अपने-अपने दोस्तों के साथ खरीदारी करने गईं, लूसी अकेली ही निकल पड़ी। उसने मेकअप की सारी चीजें खरीद लीं- लिपस्टिक, आईलाइनर, ब्लश, मस्कारा, आईशैडो, फाउंडेशन आदि। उसने एक खूबसूरत ड्रेस भी खरीदी। आखिरकार वह बड़ी रात आ गई। लूसी सुबह जल्दी उठी, तैयार हुई और मेकअप करना शुरू कर दिया। उसने पूरा दिन और शाम सिर्फ तैयार होने में लगा दी।

रात 7 बजे जब वह प्रॉम वेन्यू पहुंची, तो हर लड़की सुंदर लग रही थी, लेकिन लूसी सबसे अलग और चमकदार दिख रही थी। जब प्रॉम क्वीन का नाम घोषित हुआ, तो आवाज आई-"प्रॉम क्वीन हैं, बेका मेसन!" सबको पता था कि बेका बहुत दयालु और अच्छी लड़की है, इसलिए कोई हैरान नहीं हुआ, लेकिन अचानक बेका रोने लगी और बोली- "रुकिए! मैं विनर नहीं हूं।" पूरा हॉल उसकी ओर देखने लगा। बेका ने कहा- "मैं इस प्रतियोगिता में भाग ही नहीं ले रही थी।" प्रिंसिपल ने सिर हिलाया और फिर दोबारा घोषणा की- "प्रॉम क्वीन हैं लूसी!" लूसी खुश तो थी, लेकिन उसने एक महत्वपूर्ण बात समझ ली- सच्ची चमक मेकअप से नहीं, बल्कि खुशी और दयालुता से आती है। उसने देखा कि बेका बिना मेकअप के भी मुस्कुरा रही थी, खुश थी और सबके साथ नाच रही थी। **-वनीशा साधवानी**

आपबीती

जिंदा रहने के लिए जरूरी है काम

बीते दिनों ऑनलाइन कुछ खाने का आर्डर किया। बताया गया कि पौन घंटे में डिलीवर हो जाएगा। हम तसल्ली से मैच देखते हुए खाने का इंतजार करते रहे। बीच-बीच में कुछ-कुछ पढ़ते भी रहे। इसके साथ मोबाइल में आए नोटिफिकेशन भी टनटन बजते तो उनको भी देख लेते। कुल मिलाकर एक 'व्यस्त इंतजार' करते रहे। थोड़ी देर में मैसेज आया। डिलीवर करने वाले का नाम और संदेश कि वह निकल चुका है। बताया कि बीस मिनट में पहुंचेगा।

मैच में भारत की स्थिति मजबूत दिख रही थी। पहले बॉलिंग और फिर बैटिंग दोनों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन बढ़िया रहा। थोड़ी देर में मैच भी जीत गया भारत, लेकिन खाना नहीं आया। डिलीवरी करने वाले को करीब घंटे भर से सत्ताईस मिनट की दूरी पर ही दिखाता रहा जोमैटो। मैच खत्म होने के बाद रेस्टोरेंट वाले ने बताया कि डिलीवरी वाला, उनके यहां से तो निकल चुका है खाना लेकर। डिलीवरी वाले को फोन लगाया तो पता चला कि वह तो अभी गोमतीनगर में है। वहां से डिलीवरी करने के बाद आएगा हमारा खाना लेकर। गोमतीनगर हमारे घर से करीब बीस किलोमीटर की दूरी पर है। मतलब करीब आधा घंटा की दूरी।

अनूप शुक्ल
कानपुर

डिलीवरी वाला काफी देर तक सत्ताईस मिनट की दूरी पर ही रहा। शायद वह पहले वाली डिलीवरी ही निपटा रहा होगा। इसके बाद उसने चलना शुरू किया। हमारे पास पहुंचने के मिनट कम होते गए। अंततः वह आ ही गया। अपना सामान लेने के बाद हमने देरी का कारण पूछा, तो उसने बताया कि साथ ही उसको तेलीबाग में डिलीवरी का आर्डर मिला था (तेलीबाग हमारे घर के पास ही है)। वहां पहुंचने पर पता चला कि डिलीवरी गोमती नगर करनी है। जोमैटो वालों ने कहा-"जाना ही पड़ेगा, तो जाना ही पड़ा।"

गलती किसकी है पता नहीं, लेकिन इस चक्कर में डिलीवरी वाले को करीब चालीस किलोमीटर अतिरिक्त गाड़ी चलानी पड़ी। ग्राहक भगवान होता है। भगवान की सेवा जरूरी है। जाड़े के मौसम में मोटरसाइकिल पर चालीस किलोमीटर गाड़ी अतिरिक्त चलानी पड़ी डिलीवरी वाले को। बातचीत करने पर डिलीवरी वाले ने बताया कि सुबह ग्यारह बजे से रात नौ बजे तक उसने 14 आर्डर निपटाए। सात सौ रुपये करीब कमाई हुई। दो सौ रुपये करीब पेट्रोल के निकालकर पांच सौ रुपये बचे। डिलीवरी वाला बालक जाड़े के हिसाब से कपड़े पहने था। टोपा भी लगाए था, लेकिन हाथ में दास्ताने नहीं पहने था। पूछने पर बोला-"गाड़ी चलाने में असुविधा होती है।"

हमारा खाना काफी देर से मिला। ठंडा भी हो गया था, लेकिन हमने डिलीवरी में सबसे अच्छी रेटिंग ही दी। खाना गर्म करके खा लिया। खाने के बाद हर बार की तरह यह भी सोचा कि खाना घर में ही बनाकर खाना चाहिए। सामान डिलीवरी करने वाले लोगों को देखता हूं, तो लगता कि कितना कठिन काम है यह। ऐसा काम, जिसमें आगे कोई उन्नति का स्कोप नहीं है, लेकिन लोग कर रहे हैं। मजबूरी है। करना पड़ता है। जिंदा रहने के जरूरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,929.36	25,966.40
बढ़त	447.55	150.85
प्रतिशत में	0.53	0.58

सोना 1,36,515 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,04,100 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अल्ट्राटेक सीमेंट को 6.58 करोड़ रुपये का कर नोटिस

नई दिल्ली। आदित्य बिरला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट को जीएसटी से संबंधित देनदारी, ब्याज और जुर्माने समेत कुल 6.58 करोड़ रुपये के दो कर नोटिस मिले हैं। एक नोटिस केंद्रीय जीएसटी के उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित संयुक्त आयुक्त कार्यालय से मिला है। इसमें 72,62,390 रुपये के जीएसटी, 86,22,535 रुपये के ब्याज और 1,49,41,110 रुपये के जुर्माने की मांग की गयी है। यह राशि कुल 3,08,26,035 रुपये है। सरा नोटिस केंद्रीय जीएसटी के पश्चिम बंगाल स्थित भोलापुर के संयुक्त आयुक्त से प्राप्त हुआ है। इसमें 1,74,64, 611 करोड़ रुपये के कर और इतनी ही राशि के ब्याज तथा जुर्माने की मांग की गई है। कुल राशि 3,49,29,222 करोड़ रुपये है।

फ्लिपकार्ट ने मिनिवेट एआई में हासिल की नियंत्रक हिस्सेदारी

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट ने एआई और मशीन लैंग्वेज समाधान प्रदाता कंपनी मिनिवेट एआई में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। फ्लिपकार्ट ने बताया कि यह अधिग्रहण मूल रचनात्मक एआई (जेनएआई) क्षमताओं के निर्माण और उनमें निवेश की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इससे फ्लिपकार्ट और दूसरे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के अधिक सहज तथा बेहतर खरीदारी अनुभव की ओर बढ़ने की उम्मीद है। मिनिवेट एआई ई-कॉमर्स के लिए रचनात्मक वीडियो पर केंद्रित है, जो उत्पादों के कैटलॉग को तस्वीरों की सीमाओं से निकालकर आकर्षक वीडियो कंटेंट में बदलता है।

कनाडा, अमेरिका जनवरी में एफटीए की समीक्षा करेंगे

टोरंटो। कनाडा और अमेरिका जनवरी के मध्य में अपने मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए औपचारिक चर्चा शुरू करेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्नी के कार्यालय ने बृहस्पतिवार को देर रात जारी बयान में कहा, प्रधानमंत्री ने प्रांतीय नेताओं को पुष्टि की है कि डोमिनिक लेब्लांक औपचारिक चर्चा शुरू करने के लिए जनवरी के मध्य में अमेरिकी समकक्षों से मिलेंगे।

चीन के साथ व्यापार घाटा इसी साल 106 अरब डॉलर पहुंचने के आसार

निर्यात के मुकाबले आयात में तेज वृद्धि के दृष्टिगत जीटीआरआई का आंकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा इसी साल 106 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की आशंका है, क्योंकि पड़ोसी देश को होने वाले निर्यात की तुलना में आयात में तेजी से वृद्धि हो रही है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में कहा गया कि चीन को देश का निर्यात 2021 में 23 अरब अमेरिकी डॉलर से 2022 में घटकर 15.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, यह 2023 में 14.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा और फिर 2024 में बढ़कर 15.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

अनुमान है कि 2025 में निर्यात बढ़कर 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। इस कैलेंडर वर्ष में, देश में आने वाले माल का अनुमानित मूल्य 123.5 अरब अमेरिकी डॉलर है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, इससे चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) 2021 में 64.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024 में 94.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया और इसके 2025 में 106 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है।

- सुधार उपाय सुझाने को किया गया अंतर मंत्रालयी समिति का गठन

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने 16 दिसंबर को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि घाटा मुख्य रूप से कच्चे माल, मध्यवर्ती वस्तुओं एवं पूंजीगत वस्तुओं के आयात के कारण है, जैसे मोटर वाहन कलपुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक घटक, मोबाइल फोन घटक, मशीनरी व उसके घटक, 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स' जिनका उपयोग तैयार उत्पादों को बनाने में किया जाता है और जिन्हें भारत से बाहर निर्यात भी किया जाता है।

जितिन ने कहा, आयात व निर्यात के रुझानों पर विचार करने और जहां आवश्यक हो, सुधारात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया गया है। जीटीआरआई के अनुसार, चीन से भारत के करीब 80 प्रतिशत आयात केवल चार उत्पाद समूहों इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक में केंद्रित हैं। भारत का चीन को निर्यात नवंबर में 90 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 12.2 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8% बढ़कर 17.04 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश में एक अप्रैल से 17 दिसंबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह आठ प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। रिफंड धीमा होने और कंपनियों के अधिक अग्रिम कर से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़ा है।

आयकर विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 10.54 प्रतिशत बढ़कर 8.17 लाख करोड़ से अधिक हो गया। वहीं गैर-कॉरपोरेट कर 6.37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8.47 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें जिसमें व्यक्तियों, एचयूएफ और कंपनियों द्वारा भुगतान किए गए कर शामिल हैं। चालू वित्त वर्ष में 17 दिसंबर तक प्रतिभूति लेनदेन कर से प्राप्त शुद्ध राजस्व सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 40,195 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह का अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये लगाया है।

आईबीएम 50 लाख भारतीयों को देगी एआई, साइबर सुरक्षा ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी आईबीएम ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह 2030 तक भारत में 50 लाख लोगों को कृत्रिम मेधा (एआई), साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण देगी।

कंपनी ने बताया कि यह योजना आईबीएम कौशल निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से संचालित की जाएगी। इसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना और लोगों के लिए उन्नत डिजिटल कौशल और रोजगार योग्यता के अवसर बढ़ाना है।

इस कार्यक्रम के तहत आईबीएम विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में अपने शैक्षिक प्रयासों का विस्तार करेगी। कंपनी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सहयोग से व्यावहारिक एआई प्रशिक्षण,

- अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी ने भविष्य के लिए उपयुक्त कार्यबल तैयार करने की मंशा जताई

संकाय सशक्तीकरण कार्यक्रम, हैकाथॉन और इंटर्नशिप आयोजित करेगी। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा, भारत में एआई और क्वांटम क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करने की प्रतिभा और महत्वाकांक्षा है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में दक्षता आर्थिक प्रतिस्पर्धा, वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन को परिभाषित करेगी। उन्नत कौशल तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, हम युवाओं और छात्रों को भारत के विकास को आगे बढ़ाने, नवाचार करने और गति प्रदान करने में सक्षम बना रहे हैं।

केरल की उधारी सीमा में 59,00 करोड़ की कटौती

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- चुनाव से पहले केंद्र के झटके पर भड़की राज्य सरकार

केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में राज्य की निर्धारित उधारी सीमा में 5,900 करोड़ रुपये की कटौती के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित और पूरी तरह अन्यायपूर्ण बताया। बालगोपाल ने कहा कि केरल-विरोधी इस निर्णय की जानकारी बुधवार रात केंद्र से प्राप्त एक पत्र के जरिए दी गई।

उन्होंने कहा, केंद्र का यह कदम केरल के विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर सीधा हमला है। वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े चार वर्षों से केरल पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है और अब विधानसभा चुनाव से ठीक तीन महीने पहले उधारी सीमा में इतनी बड़ी कटौती कर दी गई है। उन्होंने कहा, यह सरकार के अंतिम महीनों में कल्याणकारी पहलों को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने इसे केरल के लोगों के खिलाफ केंद्र की तरफ से जंग का एलान करार दिया। कहा कि केंद्र अन्य तरीकों से भी केरल को उसके वैध कर हिस्सेदारी से वंचित करता रहा है।

बालगोपाल ने मनरेगा में बदलाव पर कहा कि केंद्र ने रोजगार गारंटी योजना के क्रियान्वयन से पीछे हटना शुरू कर दिया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जा रहा है और इसके वित्तीय बोझ का बड़ा हिस्सा राज्य पर डाला जा रहा है।

अदाणी ग्रुप हवाई अड्डों में एक लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेश

मुंबई। अदाणी समूह अगले पांच वर्ष में अपने हवाई अड्डों के कारोबार में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है।

गौतम अदाणी के छोटे बेटे एवं अदाणी एयरपोर्ट्स के निदेशक जीत अदाणी ने 25 दिसंबर को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से पहले कहा, हवाई अड्डा क्षेत्र में अगले पांच वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अदाणी समूह के बढ़ते हवाई अड्डा खंड में नवीनतम उपलब्धि है। इससे भारत के विमानन बुनियादी ढांचे में इसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा विकसित किए जो रहे हवाई अड्डा में अदाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

चार दिन बाद लौटी तेजी, सेंसेक्स 447 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी निवेशकों की लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार चार दिनों की गिरावट के बाद शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 447 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 151 अंक चढ़ गया। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका में नवंबर के खुदरा मुद्रास्फीति आंकड़े कम रहने से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद मजबूत हुई है जिससे निवेशकों का रुझान शेयरों की ओर बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 447.55 अंक यानी 0.53 प्रतिशत चढ़कर 84,929.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 585.69 अंक बढ़कर 85,067.50 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 150.85 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,966.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व के शेयर बढ़त में रहे। दूसरी तरफ, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

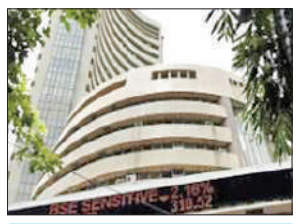

- वैश्विक बाजारों में तेजी, विदेशी लिवाली से चढ़ा घरेलू बाजार

विदेशी मुद्रा भंडार 1.69 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.689 अरब डॉलर बढ़कर 688.949 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। गत 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 1.033 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 687.26 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 12 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 90.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 557.787 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रुपया डॉलर के मुकाबले 53 पैसे मजबूत हुआ

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को 53 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.67 रुपये का बताया गया। भारतीय मुद्रा में यह लगातार तीसरी तेजी है। गुरुवार को यह 18 पैसे की मजबूती के साथ 90.20 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये में शुक्रवार को भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह 90.1950 रुपये प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर खुला और नीचे 90.3050 रुपये तथा ऊपर 89.25 रुपये प्रति डॉलर तक गया।

चांदी 3,500 रुपये टूटकर 2,04,100 रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी का भाव रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गया। स्टॉकिस्टों, फुटकर विक्रेताओं की ताजा बिकवाली के कारण चांदी 3,500 रुपये घटकर 2,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम रही। बृहस्पतिवार को चांदी 1,800 रुपये बढ़कर 2,07,600 रुपये किलो के नए शिखर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, सोने की कीमत बृहस्पतिवार के बंद स्तर 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लगभग स्थिर रुख लिए 1,36,515 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर रही।

राष्ट्रीय

नोएडा के थाने में महिला वकील की अवैध हिरासत, यौन उत्पीड़न पर सुप्रीम सख्ती

केंद्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब, थाने की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- घायल की रिपोर्ट लिखने पर जोर दिया तो भड़की पुलिस

याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को केवल अपने पेशेवर कर्तव्य का निर्वहन करने और गंभीर रूप से घायल अपने मुवक्किल के लिए अनिवार्य प्राथमिकी दर्ज कराने पर जोर देने के कारण निशाना बनाया गया। याचिका में दावा किया गया है, पुलिसकर्मियों द्वारा याचिकाकर्ता की गर्दन पर सरकारी पिस्तौल रखकर और उसे मोबाइल फोन का पासवर्ड सौंपने के लिए मजबूर करने के कारण उसकी जान को खतरा पैदा हो गया। उसे फर्जी मुठभेड़ में जान से मारने की लगातार धमकियां भी दी गईं। आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन परिसर से सीसीटीवी प्रणाली को दुर्भावनापूर्ण तरीके से निष्क्रिय कर दिया या हटा दिया, जो उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित बाध्यकारी आदेश का घोर उल्लंघन था।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के नोएडा स्थित एक पुलिस थाने में मुवक्किल की पैरवी में गई महिला वकील को अवैध रूप से हिरासत में रखने और उसका यौन उत्पीड़न किए जाने के मामले में शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकार जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने गौतमबुद्ध नगर जिले के पुलिस आयुक्त को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे की संबंधित अवधि की फुटेज को हटाया या नष्ट न किया जाए, बल्कि उसे सीलबंद लिफाफे में रखा जाए।

महिला अधिवक्ता ने अपनी याचिका में दावा किया है कि तीन दिसंबर की देर रात नोएडा के सेक्टर 126 पुलिस थाने में पुलिसकर्मियों ने उसे 14 घंटे तक अवैध हिरासत में रखा और इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया गया। उसने कहा है कि वह अपने मुवक्किल के प्रति अपने पेशेवर कर्तव्य का निर्वहन कर रही थी, लेकिन उसे हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं और जोर-जबरदस्ती की गई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि यह एक बेहद घिनौना मामला है, जिसमें एक महिला अधिवक्ता का यौन उत्पीड़न किया गया और उसे अवैध हिरासत में रखा गया। सिंह ने कहा, यह बेहद घिनौना मामला दिल्ली के आसपास ही घट रहा है। अगर यह नोएडा में हो रहा है तो पूरे देश की हालत के बारे में सोचिए।

पीठ ने कहा कि सामान्यतया वह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार नहीं करती और याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की स्वतंत्रता देती है।शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह पहले से ही राजस्थान के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से संबंधित एक अलग मामले पर सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा, हालांकि, याचिका में लगाए गए गंभीर आरोपों और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह मामला पुलिस थाने में घटना के दौरान सीसीटीवी कैमरों को अवरुद्ध करने से भी संबंधित है, हम इस याचिका पर विचार कर रहे हैं। नोटिस जारी करें, जिसका जवाब सात जनवरी को देना होगा। सिंह ने इसके बाद, याचिकाकर्ता की सुरक्षा का मुद्दा उठाया तो पीठ ने कहा, इस आदेश के पारित होने के बाद वे उसे छूने की हिम्मत नहीं करेंगे।

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने नीतीश के खिलाफ पुलिस को दी शिकायत

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने महिला चिकित्सक का नकाब हटाने के मामले में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दी। हालांकि, पुलिस ने अभी ये साफ नहीं किया है कि जदयू प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है या नहीं।

मुफ्ती ने कोठीबाग के थाना प्रभारी को दी गई शिकायत में कहा, जबरन नकाब हटाना न सिर्फ मुस्लिम महिला पर क्रूर हमला था, बल्कि हर भारतीय महिला की स्वायत्तता, पहचान और गरिमा पर भी हमला है। घटना सोमवार को पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में हुई, जहां आयुष चिकित्सक अपने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने पहुंचे थे। मुफ्ती ने कहा कि यह घटना और भी चिंताजनक है क्योंकि यह पूरे भारत में मुसलमानों को अलग-थलग करने और राजनीतिक और आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिशों के बीच घटी है।

उत्तर भारत में घने कोहरे की चादर दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी

- बरेली समेत देश के तमाम शहरों में शून्य हुई दृश्यता, सड़क, हवाई और रेल यातायात प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब से बिहार तक फैले घने कोहरे के कारण उत्तर भारत में दृश्यता शुक्रवार को कम हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित होने की चेतावनी दी है।

आईएमडी के अधिकारियों ने बताया कि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरपूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार में घना कोहरा छाया हुआ दिखाई दे रहा है। सुबह साढ़े पांच बजे उत्तर प्रदेश के आगरा, बरेली, सहारनपुर और गोरखपुर, पंजाब में अंबाला, अमृतसर, बठिंडा, लुधियाना और आदमपुर, दिल्ली में सफदरजंग, हरियाणा में अंबाला, मध्य प्रदेश में ग्वालियर, बिहार में भागलपुर, और झारखंड में डाल्टनगंज में दृश्यता शून्य मीटर दर्ज की गई। आईएमडी ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि कोहरे के कारण कुछ हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित हो सकता है और राजमार्गों व रेलवे मार्गों पर भी असर पड़ सकता है। आईएमडी ने वाहन चलाने में परेशानी होने और सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ने की आशंका जताई है।

दिल्ली में घने कोहरे के बीच अक्षरधाम मंदिर के पास पैदल पुल पर गुजरते लोग।

बरेली समेत यूपी के कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

उत्तर प्रदेश के कई जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है, जिनमें आगरा, अलीगढ़, बागपत, बरेली, बिजनौर, बुलन्दशहर, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहांपुर और शामली शामिल हैं। उत्तराखंड में हरिद्वार और उधम सिंह नगर तथा पंजाब में अमृतसर, फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, पटियाला और संगरूर में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

फोन टैपिंग मामले में तेलंगाना के पूर्व एसआईबी प्रमुख की हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फोन टैपिंग मामले में आरोपी तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव की पुलिस हिरासत 25 दिसंबर तक बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राव को 26 दिसंबर को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया जाएगा और मामले में अगली सुनवाई की तारीख तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शुक्रवार को कार्यवाही के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि राव ने आत्मसमर्पण कर दिया है लेकिन वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अदालत में स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की और पुलिस हिरासत को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया। मेहता ने अदालत को बताया कि राव मार्क्सवादियों पर नजर रखने की आड़ में कुछ खास व्यक्तियों की अवैध निगरानी कर रहे थे। राव की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने दावा किया कि एसआईबी के पूर्व प्रमुख को पूछताछ के नाम पर परेशान किया जा रहा है और उनसे सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक पूछताछ की जा रही है।

संसद परिसर में तृणमूल के सांसदों ने दिया पूरी रात धरना

नई दिल्ली, एजेंसी

- जी राम जी विधेयक का विरोध, कहा- मोदी सरकार ने दूसरी बार की है गांधी की हत्या

तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक' पारित होने के बाद विरोध करते हुए बृहस्पतिवार देर रात से शुक्रवार को दिन में 12 बजे तक संसद परिसर में धरना दिया। तृणमूल सांसद सागरिका घोष ने इस दौरान कहा कि मोदी सरकार ने दूसरी बार गांधी की हत्या की है। उधर, कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने शुक्रवार सुबह संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने से पहले जी राम जी विधेयक को लेकर प्रदर्शन किया।

संसद में विधेयक पारित होने के तुरंत बाद शुरू हुए तृणमूल के धरने में अन्य दलों के सांसद भी शामिल हुए। द्रमुक नेता तिरुचि शिवा, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर, सैयद नासिर हुसैन, इमरान प्रतापगढ़ी, शक्ति सिंह गोहिल, आप के संदीप पाठक ने शुक्रवार सुबह इसमें भाग लिया। तृणमूल सांसद पूरी रात धरने पर बैठे रहे। राज्यसभा में पार्टी की उपनेता सागरिका घोष ने कहा कि जी राम जी विधेयक सदन में पेश करने से सिर्फ पांच घंटे पहले हमें दिया गया था। उन्होंने कहा कि विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए था। घोष ने कहा, मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों-श्रमिकों को रोजगार दे रहा था। इस विधेयक को नष्ट कर सरकार ने गरीबों पर हमला किया है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने दूसरी बार महात्मा गांधी की हत्या की है। उसने रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान किया है।

मनरेगा में बदलाव के खिलाफ शुक्रवार रात संसद परिसर में धरना देते तृणमूल सांसद।

नया विधेयक गरीबों के लिए बेहद हानिकारक : प्रियंका

कांग्रेस और कई विपक्षी दलों के सांसदों ने शुक्रवार सुबह संसद परिसर में प्रदर्शन किया। हाथों में महात्मा गांधी की तस्वीर वाली तख्तियां लिए विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के निकट सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संवाददाताओं से कहा, यह विधेयक सबसे गरीब लोगों के लिए बहुत हानिकारक होने वाला है क्योंकि मूल मनरेगा योजना में केंद्र 90 प्रतिशत धनराशि का भुगतान करता था और वह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ थी। योजना उन लोगों के लिए बड़ा सहयोग थी जो बहुत गरीब हैं और जिन्हें रोजगार मिलने में कठिनाई होती थी।

घने कोहरे के कारण दिल्ली में रद्द की गईं 152 उड़ानें

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह घने कोहरे के कारण 152 उड़ानें रद्द रहीं। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से जाने वाली कुल 79 उड़ानें रद्द रहीं। इनमें दो अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। दूसरे शहरों से दिल्ली आने वाली दो अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों सहित 73 उड़ानें रद्द करनी पड़ी। इनके अलावा कई उड़ानें रद्द भी रहीं। दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार रात नौ बजे के बाद ही दृश्यता कम हो गई थी। आधी रात के बाद कैट-3 की परिचालन प्रक्रिया लागू करनी पड़ी। हवाई अड्डे के तीन रनवे अब दोनों छोरों पर कैट-3 उपकरणों से लैस हो चुके हैं। इससे कैट-3 से लैस विमान कैट-3 प्रशिक्षित पायलटों के साथ उपकरणों की मदद से लैंड और टेकऑफ करने में सक्षम हैं। उत्तर भारत के शहरों में भी सुबह घने कोहरे के कारण उड़ानें बाधित रहीं।

नीदरलैंड से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएगा भारत

● विदेशमंत्री जयशंकर ने समकक्ष से वार्ता के पूर्व की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने नीदरलैंड के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के दायरे को बढ़ाते हुए सेमीकंडक्टर, डिजिटल और साइबरस्पेस आदि क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की पेशकश की है।

विदेश मंत्री डा.एस जयशंकर ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील के साथ वार्ता से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि भारत नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय और यूरोपीय संघ के महत्वपूर्ण देश के रूप में अपने संबंधों को खासा महत्व देता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच पिछले कुछ महीनों में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं जिनसे द्विपक्षीय सहयोग में नए आयाम जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत को यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते में भी नीदरलैंड से समर्थन की उम्मीद है। कहा कि दोनों देशों में समुद्री क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी है और कृषि, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और जहाजरानी क्षेत्र में बहुत मजबूत सहयोग है।

यूक्रेन में जल्द सैन्य लक्ष्य हासिल कर लेगा रूस : पुतिन

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि मॉस्को की सेना यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ रही है और क्रेमलिन के सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए जाएंगे। पुतिन ने अपने वर्षांत संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि रूसी सेनाओं ने रणनीतिक पहल को पूरी तरह से अपने हाथ में ले लिया है तथा वर्ष के अंत तक और अधिक लाभ प्राप्त होंगे। क्रेमलिन का आशय रूस की सरकार या सत्ता प्रतिष्ठान से होता है। वर्ष 2022 में संघर्ष के शुरुआती दिनों में, यूक्रेन की सेना ने रूस की विशाल और बेहतर अस्त्रों से लैस सेना के राजधानी कीव पर कब्जा करने के प्रयास को विफल कर दिया था।

विकसित भारत की नींव होगी मजबूत

विपक्ष के हंगामें और भारी विरोध के बीच संसद ने गुरुवार को विकसित भारत जी राम जी विधेयक पारित कर दिया। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) या वीबी-जी राम जी नाम से लाई गई इस योजना से मजबूत और टिकाऊ ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा। सरकार का कहना है कि विधेयक के प्रावधान ग्राणीम मजदूरों को रोजगार देने के साथ किसानों के हित को भी सुनिश्चित करेंगे। सरकार का कहना है कि यह योजना पूर्ववर्ती मनरेगा योजना से कई मायनों में बेहतर और भिन्न है। यह ग्रामीण भारत को मजबूती देने के साथ ही विकसित भारत की नींव को और सुदृढ़ करेगी। इस योजना से फसली सीजन में कृषि कार्य के लिए मजदूरों की कमी नहीं होगी और ग्रामीणों को रोजगार भी मिलेगा। योजना पहले से अधिक पारदर्शी होगी।

वीबी-जी राम जी योजना

मनरेगा से किस तरह अलग

● सरकार की मानें तो नया कानून पुरानी योजना की ढांचागत कमजोरियों को दूर कर रोजगार, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करेगा। पहले मनरेगा के तहत हर ग्रामीण परिवार को 100 दिन काम की गारंटी थी। अब 125 दिन प्रति वर्ष तक रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार और आय मिल सके। अब काम सिर्फ रोज़गार तक सीमित नहीं रहेगा। अब यह चार प्रमुख क्षेत्रों में काम करेगा जिसमें जल सुरक्षा कार्य, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका से जुड़ी संरचनाएं, क्लाइमेट / आपदा-रोधी कार्य होंगे। नई योजना में केंद्र और राज्यों के बीच खर्च की साझेदारी होगी।

श्रमिकों की नहीं होगी कमी

● नई योजना में कृषि कार्यों के समय मजदूरों की कमी नहीं होगी क्योंकि राज्य फसलों की बुवाई और कटाई के समय कुल 60 दिनों की अवधि अधिसूचित कर सकते हैं जब सार्वजनिक कार्य नहीं कराए जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि फसल सीजन में सार्वजनिक कार्य बंद होने से मजदूरी की दर नियंत्रित रहेगी और खाद्य उत्पादन की लागत भी नहीं बढ़ेगी। मुख्य एवं आजीविका अवसंरचना से किसान अपनी उपज सुरक्षित रूप से भंडारित कर सकेंगे जिससे फसलों को नुकसान भी कम होगा और बाजार तक उनकी फसलें भी आसानी से पहुंच सकेंगी।

पारदर्शिता पर ध्यान

● नई योजना में केंद्र सरकार ने पारदर्शिता पर भी फोकस किया है। योजना में गड़बड़ी रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (एआई) का भी उपयोग किया जाएगा। योजना की निगरानी के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर स्टीयरिंग कमेटियां होंगी। जीपीएस और मोबाइल से काम की निगरानी की जाएगी। हर हफ्ते काम और खर्च का सार्वजनिक रूप से खुलासा किया जाएगा। हर ग्राम पंचायत में वर्ष में दो बार ऑडिट होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सुदृढ़

● सरकार के मुताबिक नई योजना तात्कालिक रोजगार देने के साथ ही ग्रामीण भारत को लंबे समय तक समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का काम करेगी। योजना में जल संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। जल संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने से सिंचाई सुविधाएं बेहतर होंगी। बहु-फसली खेती की संभावना भी बेहतर होगी। बाढ़ के पानी की निकासी, जल संचयन और मिट्टी के संरक्षण जैसे कार्य फसलों की रक्षा करने के साथ प्राकृतिक आपदाओं से भी फसलों की रक्षा करेंगे। कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे की मजबूती से गांवों तक बाजार पहुंचेंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्राउन विवि गोलीबारी का संदिग्ध मृत मिला

प्रोविडेंस। अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में पिछले सप्ताहांत में हुई भीषण गोलीबारी के संदिग्ध की तलाश गुरुवार को न्यू हैम्पशायर के एक भंडारण केंद्र में समाप्त हुई जहां अधिकारियों ने इस घटना के संदिग्ध को मृत पाया। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक प्रोफेसर की हत्या का भी संदेह था। प्रोविडेंस के पुलिस प्रमुख कर्नल ऑस्कर पेरेज ने बताया कि ब्राउन यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र और पुर्तगाली नागरिक 48 वर्षीय क्लाउडियो नेवेस वैलेंते गुरुवार शाम को मृत पाया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि संदिग्ध ने खुद को गोली मारी थी।

पूर्व इराकी राष्ट्रपति बने शरणार्थी एजेंसी प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुरुवार को इराक के पूर्व राष्ट्रपति बरहम सालेह को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) का अगला प्रमुख नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। वह 1970 के दशक के बाद पश्चिम एशिया से इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने कुर्द नेता सालेह (65) को सर्वसम्मति से इस पद के लिए चुना। सालेह, फिलिपो ग्रांदी का स्थान लेंगे जिनका दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। सालेह का कार्यकाल एक जनवरी से शुरू होगा।

यूक्रेन को 106 अरब डॉलर ऋण देगा ईयू

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ के नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन को अगले दो वर्षों में उसकी सैन्य और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़ा ब्याज-मुक्त ऋण देने पर सहमति जताई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे बीच समझौता हो गया है। 2026-27 के लिए यूक्रेन को 106 अरब डॉलर की सहायता देने का निर्णय मंजूर कर लिया गया है। हमने प्रतिबद्धता जताई और उसे पूरा किया।

अमेरिका में ब्रिटेन के नए राजदूत नियुक्त

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने गुरुवार को अमेरिका में ब्रिटेन के नए राजदूत की नियुक्ति की। यह नियुक्ति उस राजनयिक की जगह की गई है, जिन्हें यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों के कारण पद से हटा दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन के मौजूदा स्थायी प्रतिनिधि क्रिश्चियन टर्नर अब पीटर मैंडेलसन की जगह लेंगे, जिन्हें बर्खास्त कर दिया गया था।

भारत के साथ रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाएगा अमेरिका

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सहयोग बढ़ाने से जुड़े रक्षा नीति विधेयक पर किए हस्ताक्षर

● विधेयक में चीन की चुनौतियों से भी निपटने का किया उल्लेख

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वार्षिक रक्षा नीति विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। विधेयक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने और चीन से उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से सहयोग बढ़ाने का भी उल्लेख किया गया है। गुरुवार को हस्ताक्षरित नेशनल डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्ट फॉर फिस्कल ईयर 2026 में युद्ध मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रमों, विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, खुफिया एजेंसियों और अन्य कार्यकारी विभागों व एजेंसियों के लिए वित्तीय वर्ष की धनराशि आवंटित करने का निर्देश दिया गया है।

ट्रंप ने एक बयान में कहा कि यह अधिनियम ताकत के माध्यम से शांति कायम करने के मेरे एजेंडे को लागू करने, घरेलू और विदेशी खतरों से मातृभूमि की रक्षा करने, और रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत बनाने के लिए युद्ध मंत्रालय को सक्षम बनाएगा। इससे उन फिजूल और कठोर कार्यक्रमों के लिए धन मुहैया कराने पर लगाम लगेगी जिनसे हमारे देश के सैन्य कर्मियों की युद्ध लड़ने की भावना कमजोर होती है। इस अधिनियम में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को लेकर संसद के दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है। इसके तहत, रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए, जिनसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के रक्षा गठबंधन और साझेदारियां मजबूत हों ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका को तुलनात्मक बढ़ मिल सके। विधेयक में क्वाड के माध्यम से मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय व बहुपक्षीय संवादों, सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, विस्तारित रक्षा व्यापार, मानवीय सहायता एवं आपदा प्रतिक्रिया को लेकर सहयोग; समुद्री सुरक्षा को लेकर अधिक सहयोग प्रदान करके भारत-अमेरिका साझेदारी को बढ़ावा देना शामिल है।

व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में मारिजुआना को कम खतरनाक दवा के रूप में पुनः वर्गीकृत करने वाले कार्यकारी आदेश को दिखाते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

मारिजुआना को कम खतरनाक श्रेणी में रखा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मारिजुआना (गांजा) को कम खतरनाक श्रेणी में रखने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका में मादक पदार्थों और अन्य रासायनिक पदार्थों का पांच-स्तरीय वर्गीकरण किया गया है। इससे पहले मारिजुआना को पहली श्रेणी में रखा गया था, जहां इसे हेरोइन और एलएसडी जैसे मादक पदार्थों के साथ रखा गया था। अब नए आदेश के साथ इसे तीसरी श्रेणी में रखा जाएगा।

ट्रंप ने ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम को स्थगित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम को गुरुवार को स्थगित कर दिया। ब्राउन विश्वविद्यालय और एमआईटी में गोलीबारी की घटना का प्रमुख संदिग्ध इसी ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम का लाभ उठाकर अमेरिका में दाखिल हुआ था। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप के निर्देश पर, वह अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा को इस कार्यक्रम को रोकने का आदेश दे रही हैं। क्रिस्टी नोएम ने गोलीबारी की घटना के मुख्य संदिग्ध पुर्तगाली नागरिक क्लाउडियो नेवेस वैलेंते के बारे में कहा कि इस घृणित व्यक्ति को हमारे देश में कभी भी प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए था। नेवेस वैलेंते (48) पर ब्राउन विश्वविद्यालय में हुई गोलीबारी में शामिल होने का संदेह है। इस घटना में दो छात्रों की मौत हो गयी थी और नौ अन्य लोग घायल हुए थे। इसके अलावा गोलीबारी की एक अन्य घटना में एमआईटी के एक प्रोफेसर की मौत हो गई थी।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार ने की हिंसा की निंदा, लोगों से शांति बनाने की अपील

● सरकार ने कहा-हम अराजकता और अशांति को नकारते हैं

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को अपने नागरिकों से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई हिंसा से दूर रहने का आह्वान किया है। इससे पहले हाल में यहां नकाबपोश बंदूकधारियों द्वारा गोली मारे जाने के छह दिन बाद एक प्रमुख युवा नेता की मौत हो गई थी। जुलाई में सरकार के विरूद्ध हुई हिंसक प्रदर्शनों में यह एक प्रमुख नेता था।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने एक बयान में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर कर दी गई हत्या की भी कड़ी निंदा की। उसने कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उसने कहा कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। बांग्ला ट्रिब्यून समाचार पोर्टल ने खबर दी है कि मेमनसिंह शहर में गुरुवार को कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपूचंद्र दास नामक एक हिंदू की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई।

मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हम हिंसा, धमकी, आगजनी और संपत्ति को नष्ट करने के सभी कृत्यों की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि इस नाजुक घड़ी में, हम हर नागरिक से हिंसा, उकसावे और नफरत को अस्वीकार करके और उनका विरोध करके हादी (जुलाई के विद्रोह का एक प्रमुख नेता) का सम्मान करने का आह्वान करते हैं।

गुरुवार रात प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के संस्थापक पिता शेख मुजीबुर रहमान के आवास, 32 धानमंडी की पहले से ही ध्वस्त इमारत में तोड़फोड़ की और ढाका में दो प्रमुख मीडिया संस्थानों के कार्यालयों पर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने चट्टगांव में सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर ईंट और पत्थर भी फेंके। पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा एवं 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। बयान में कहा गया कि यह हमारे राष्ट्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है जब हम एक ऐतिहासिक लोकतांत्रिक परिवर्तन से गुजर रहे हैं। हम कुछ लोगों को इसे पटरी से उतारने नहीं दे सकते।

ढाका में हिंसा के दौरान एक अखबार के कार्यालय परिसर के पास एक दुकान को आग लगाए जाने के बाद दुकान से किताबें बचाती एक बालिका।

दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद पड़ोसी मुल्क में हुए हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में हादी की मौत की पुष्टि किए जाने के बाद वहां तनाव फैल गया। इसके बाद गुरुवार रात को वहां प्रदर्शन किए गए और इस दौरान हमले और तोड़फोड़ की गई।

जुबिन की मौत : आपराधिक साजिश के संकेत नहीं मिले

सिंगापुर, एजेंसी

● सिंगापुर पुलिस ने कहा-मामले की अभी चल रही जांच

सिंगापुर पुलिस ने कहा कि मशहूर गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच जारी है लेकिन अब तक किसी आपराधिक साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह मामला सिंगापुर कोरोनर्स अधिनियम, 2010 के तहत सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) की जांच के अधीन है। पुलिस के बयान में कहा गया है कि अब तक की जांच में एसपीएफ को जुबिन गर्ग की मौत में किसी प्रकार की आपराधिक साजिश का संदेह नहीं है। जांच पूरी होने के बाद इसके निष्कर्ष सिंगापुर के स्टेट कोरोनर (सरकारी शवपरीक्षक अधिकारी) को सौंपे जाएंगे, जो कोरोनर इन्क्वायरी करेगा। यह जांच फिलहाल जनवरी और फरवरी 2026 में निर्धारित है। एसपीएफ ने बताया कि सीआई एक तथ्य-खोज प्रक्रिया होती है, जिसका नेतृत्व कोरोनर करता है।

फार्मा कंपनी का मालिक तस्करी में जम्मू से गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस के मादक पदार्थ रोधी कार्य बल ने केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी में कथित संलिप्तता के आरोप में दिल्ली स्थित एक दवा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मादक पदार्थ रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) ने दक्षिणी दिल्ली निवासी और एक फार्मा कंपनी के मालिक जतीश बब्बर को पकड़ा। वह कई मादक पदार्थों और मनःप्रभावी पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त है। आरोपी कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर है।

बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो स्थापित करेगी केंद्र सरकार

● जहाजों, बंदरगाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा यह निकाय

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार बंदरगाहों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने लिए एक वैधानिक निकाय के तौर पर बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो का गठन करेगी। यह निकाय बंदरगाहों और जहाजों से जुड़ी सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का समय पर विश्लेषण, संग्रहण और आपसी आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा।

अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि ब्यूरो साइबर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बंदरगाहों और जहाजों की सुरक्षा के लिए एक समर्पित निकाय के गठन के संबंध में बैठक बुलाई, जिसमें बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू भी उपस्थित हुए। शाह ने देश में एक मजबूत बंदरगाह सुरक्षा ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया।

बंदरगाहों और जहाजों की सुरक्षा संबंधी बैठक करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

साइबर सुरक्षा पर रहेगा खास ध्यान

यह साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा। एक समर्पित विभाग भी होगा जो डिजिटल खतरों से बंदरगाह आईटी अवसंरचना की सुरक्षा करेगा। सरकार ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को एक मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन नियुक्त किया है, जो बंदरगाह सुविधाओं के लिए सुरक्षा आकलन एवं सुरक्षा योजनाओं की तैयारी का जिम्मा संभालेगा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) निजी सुरक्षा एजेंसियों (पीएसओ) को बंदरगाह सुरक्षा में प्रशिक्षण देगा। एजेंसियों को प्रमाणित किया जाएगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 07 .12 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

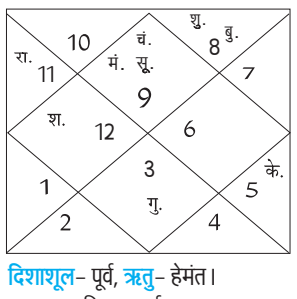

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 21 दिसंबर 01 .21 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज घर का वातावरण बहुत ही शांतिपूर्ण रहेगा। आपकी दिनचर्या अत्यंत संतुलित रहेगी। नए लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें साधने का प्रयास करेंगे। विद्यार्थी अध्ययन के प्रति एकाग्र रहेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी।

वृष — आज कानूनी मामलों में उलझ सकते हैं। बच्चों की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपके काम थोड़े मंद गति से होंगे। शरीर में आलस्य और सुस्ती हो सकती है। परिजनों का पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा।

मिथुन — आज लोग आपकी सोच और कार्यप्रणाली से काफी सहमत रहेंगे। मन में विचारों की अधिकता रहेगी। दूसरों को लेकर अधिक उम्मीद रखना उचित नहीं है। रिश्तेदारों के माध्यम से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

कर्क — आज कारोबार के विस्तार की योजना बना सकते हैं। समय का सार्थक उपयोग कर पाएंगे। रचनात्मक कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी। विपरीत लिंगी जातकों के प्रति आपका व्यवहार काफी अच्छा रहेगा। घर के लिए नई वस्तुएं खरीद सकते हैं।

सिंह — आज खर्चों पर नियंत्रण करने का प्रयास करेंगे। प्रेमी जन के साथ घनिष्ठता का आनंद लेंगे। मन में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। सही रणनीति के साथ कार्य करने से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों के भरोसे बैठकर काम न करें।

कन्या — आज हल्की-फुल्की बीमारियां आपको परेशान कर सकती हैं। धन संबंधित मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। संपत्ति के मामले अटक सकते हैं। अपनी बातों को लेकर अड़ियल रवैया अपनाने से बचना चाहिए।

तुला — आज अधिकारी आपका उत्साहवर्धन कर सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को लाभ मिलेगा। प्रबल इच्छाशक्ति से नए कार्यों का आरंभ कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। नए क्लाइंट्स के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक — आज फाइनेंस से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। नजदीकी संबंधियों के सहयोग से अभिभूत होंगे। खाली समय में पसंदीदा संगीत का आनंद उठा सकते हैं। वरिष्ठ पदों पर बैठे लोग भी आपसे सलाह लेने को उत्सुक रहेंगे।

धनु — आज उच्च पदों पर आसीन लोगों के लिए दिन राहत भरा रहने वाला है। पूर्व में किए गए वादों पर खरे उतरेंगे। घरेलू खर्चों में कमी आएगी। परिवार में आपसी सहयोग और सौहार्द का वातावरण रहेगा। फैशन और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों को प्रसिद्धि मिल सकती है।

मकर — आज उच्च अधिकारी आपके स्थानांतरण को लेकर विचार कर सकते हैं। मन में वैचारिक उथल-पुथल चलती रहेगी। पारस्परिक संबंधों को दूसरों के कारण प्रभावित न होने दें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — आज आपके मनोबल में वृद्धि होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। व्यापार में आप विस्तार करने का विचार बना सकते हैं। बड़े भाई-बहनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे।

मीन — आज भावनात्मक संबंध काफी गहरे होंगे। छोटी कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। व्यावसायिक रिश्ते काफी मजबूत हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

सुडोकू-7

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2				1		7	
		7			6			3
6				3		4	1	
1			2		8		9	
5		9				8		2
	7		4		3			6
	8	6		7				1
4			8			5		
	9		1				2	

सुडोकू - 6 का हल

4	3	5	8	1	2	9	7	6
7	9	8	6	5	3	1	2	4
6	1	2	7	9	4	8	5	3
2	7	9	4	6	1	5	3	8
8	5	6	3	7	9	4	1	2
1	4	3	2	8	5	6	9	7
3	2	1	9	4	8	7	6	5
9	8	7	5	3	6	2	4	1
5	6	4	1	2	7	3	8	9

टी-20 विश्व कप की तैयारी में मेरा पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है।
-वरुण चक्रवर्ती

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

श्रीलंका ने असलंका की जगह शनाका को सौंपी कप्तानी

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के साथ सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप की प्रारंभिक टीम में चरित असलंका को कप्तानी से हटाते हुए दासुन शनाका को कप्तान बनाया है। चयन समिति के प्रमुख के रूप में लौटे प्रमोदया विक्रमसिंघा ने कहा कि पिछले तीन विश्व कप खेलने का शनाका का अनुभव और बल्लेबाजी में असलंका का खराब फॉर्म इस फैसले का आधार था। इस्लामाबाद में आत्मघाती बम विस्फोट में नौ लोगों के मारे जाने के बाद असलंका पिछले महीने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान के सीमित ओवरों के दौरे पर भी नहीं गए थे।

शुभंकर संयुक्त 71वें स्थान पर

पोर्ट लुई (मॉरीशस)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अफ्रएशिया बैंक मॉरीशस ओपन के शुरुआती दौर में दो ओवर का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर है। तेज हवा के कारण मुश्किल परिस्थितियों में शुभंकर का स्कोर 13वें होल तक एक अंडर था लेकिन उन्होंने इसके बाद डबल बोगी और और बोगी कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के केसी जार्विस और स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन एक समान पांच-अंडर-पार 67 स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर हैं।

विजय हजारे के शुरुआती मैच से बाहर रहेंगे रोहित

मुंबई। भारतीय खिलाड़ी रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और सूर्यकुमार यादव विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम पहले दो मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि चयनकर्ता मुंबई की टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं। अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे भी शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने पीटीआई को बताया, रोहित, जायसवाल, दुबे और यहां तक कि रहाणे भी कम से कम पहले दो मुकाबलों के लिए मुंबई टीम का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि चयन समिति युवा टीम के साथ आगे बढ़ रही है।

ऋषभ पंत करेंगे दिल्ली की कप्तानी

नई दिल्ली। दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को कप्तान बनाया है। दिल्ली की टीम में विराट कोहली को भी शामिल किया गया है। डीडीसीए की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि इशांत शर्मा और नवदीप सैनी भी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध होंगे। इसके अलावा हर्षित राणा भी जैसे ही उपलब्ध होंगे उन्हें टीम में शामिल किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 24 दिसंबर से होगी और दिल्ली को ग्रुप डी में हरियाणा, गुजरात, रेलवे, आंध्रा, सौराष्ट्र, ओडिशा और सर्विसेज के साथ रखा गया है। ग्रुप डी के सभी मैच बेंगलुरु में खेले जाएंगे।

चोटरानी, सूरज स्क्वाश में जीते

मुंबई। वीर चोटरानी और सूरज चंद ने सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट में शुक्रवार को अपने अपने मुकाबले जीत लिये। चोटरानी ने रौनक यादव को 11-7, 11-2, 11-5 से हराया जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त सूरज चंद ने रिदान शाह पर 11-9, 11-9, 11-8 से जीत दर्ज की।

टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा आज

मुंबई, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके उप-कप्तान शुभमन गिल का खराब फॉर्म चिंता का विषय है लेकिन राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय टीम का चयन करते समय कोई चौंकाने वाला बदलाव किए जाने की संभावना लगभग नहीं है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सात फरवरी को टी20 विश्व कप शुरू होने तक चुने हुए 15 खिलाड़ियों में से किसी को भी बदलने की छूट होगी। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दुबई की धीमी पिचों को ध्यान में रखते हुए वरुण चक्रवर्ती को यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में शामिल किया गया था। बीसीसीआई में हालांकि कोई भी इस बात को स्पष्ट रूप से नहीं कह रहा है, लेकिन भारत में होने वाला यह वैश्विक टूर्नामेंट सूर्यकुमार के लिए राष्ट्रीय टी20 कप्तान के रूप में आखिरी हो सकता है। वह 35 वर्ष के हो चुके हैं और पिछले एक साल से खराब लय में हैं।

सूर्यकुमार कप्तान होने के कारण ही लगभग 14 महीनों और 24 मैचों में खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम में बने हुए हैं। चयन समिति न्यूजीलैंड के लिए टी20 टीम का भी करेगी और यह टीम विश्व कप के लिए

- किसी अप्रत्याशित चयन की संभावना नहीं

संभावित टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर। संभावित स्टैंड बाई : यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, शाहबाज अहमद/नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा।

चुनी जाने वाली टीम के समान ही होगी। मौजूदा भारतीय टी20 टीम में किसी भी स्थान के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है लेकिन जायसवाल जैसा शानदार विकल्प होने के बावजूद टीम में गिल की मौजूदगी पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में शामिल करते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका मूल्यांकन किया जा सके। टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर फिलहाल संजू सैमसन है। सैमसन को शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन से गिल की वापसी के बाद उन्हें इस भूमिका से हटा दिया।

टी20 विश्व कप अगर छह महीने दूर होता तो चयन समिति के पास कप्तानी के लिए वैकल्पिक नामों पर विचार करने की गुंजाइश होती। लेकिन सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ होने वाले विश्व कप के शुरुआती मुकाबले से पहले केवल पांच मैच बचे हैं, ऐसे में कोई भी चयन समिति इस निरंतरता को तोड़ना नहीं चाहेगी।

इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम न्यूजीलैंड और उसके बाद टी20 विश्व कप में भी खेलेगी, लेकिन जायसवाल का नाम लगभग निश्चित रूप से सामने आएगा क्योंकि उन्होंने गिल और सैमसन दोनों की तुलना में खुद को एक बहुमुखी टी20 खिलाड़ी साबित किया है। सैमसन के लिए विकेटकीपिंग में भी अब दूसरे विकल्प (जितेश शर्मा पहले पसंद के विकेटकीपर और फिनिशर हैं) होने और गिल को उप-कप्तान बनाए जाने के कारण जायसवाल के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाना मुश्किल है। जायसवाल किसी अन्य विशिष्ट भूमिका में फिट नहीं बैठते।

कागजों पर इस 15 सदस्यीय टीम में एकमात्र कमजोर कड़ी वाशिंगटन सुंदर दिख रहे हैं, जिन्होंने 57 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अभी तक कोई शानदार प्रदर्शन नहीं किया है। वह हालांकि इस प्रारूप में मुख्य रूप से गेंदबाजी ऑलराउंडर की तरह हैं।

हार्दिक पंड्या के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

पांचवें व अंतिम मैच में मेहमान टीम को 30 रनों से हराकर भारत ने सीरीज पर 3-1 से कब्जा किया

अहमदाबाद, एजेंसी

तिलक वर्मा (73) और हार्दिक पंड्या (63) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद वरुण चक्रवर्ती (चार विकेट) जसप्रीत बुमराह (दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सरीजी 3-1 से अपने नाम कर ली। 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी।

भारत के लिये जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिए। डिकॉक ने अर्शदीप सिंह को दो ओवर में छह चौके और एक छक्का लगाकर पावरप्ले में जबर्दस्त शुरूआत की। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल सका और रीजा हेंडरिक्स 13 रन बनाकर

दक्षिण अफ्रीका के डोनोवान फेरेरा के विकेट का जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

आउट हो गए। वरुण की गेंद पर मिडविकेट में शिवम दुबे ने एक हाथ से उनका शानदार कैच लपका। डेवाल्ड ब्रेविस (31) के साथ डिकॉक ने दूसरे विकेट के लिये 23 गेंद में 51 रन जोड़े। बुमराह ने ऐसे में डिकॉक का एक हाथ से रिटर्न कैच लेकर भारत को मैच में लौटाया। इसके बाद उन्होंने ब्रेविस को भी आउट किया। वरुण ने चार ओवर में 53 रन देकर चार विकेट लिए। उन्हें पैडल स्वीप खेलने के प्रयास में एडेन मार्क्रम पगबाधा आउट हो गए। इसके बाद उन्होंने डोनोवान फेरेरा को भी रवाना किया। डेविड मिलर को 15वें ओवर में अर्शदीप ने आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे पहले भारतीय पारी का आकर्षण पंड्या रहे जिन्होंने

16 गेंदों में पंड्या ने अपना सातवां अर्धशतक बनाया। यह युवराज सिंह के 12 गेंद में बनाए गए अर्धशतक के बाद किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज पचासा है।

16 गेंद में अर्धशतक बनाया। यह युवराज सिंह के 12 गेंद में बनाये गए अर्धशतक के बाद किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज पचासा है। युवराज ने 2007 में किंग्समीड में इंग्लैंड के खिलाफ यह कारनामा किया था जब उन्होंने छह गेंद में छह छक्के लगाए थे।

पंड्या ने 25 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। उन्होंने चौथे विकेट के लिये तिलक के साथ 44 गेंद में 105 रन की साझेदारी की। तिलक ने 42 गेंद में दस चौकों और एक छक्के के साथ 73 रन जोड़े।

आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर दर्शकों की तालियों के बीच उतरे पंड्या ने जबर्दस्त पारी खेली जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव (पांच) एक बार फिर नाकाम रहे। पंड्या की तूफानी पारी के बीच तिलक ने एक छोर संभाले रखा और स्ट्राइक रोटेट करते रहे। इससे पहले अभिषेक शर्मा (34) और संजू सैमसन (37) ने छठे ओवर में ही भारत को 63 रन तक पहुंचा दिया था। उपकप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण खेल रहे सैमसन ने मौके का पूरा फायदा उठाया और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की टीम के चयन के लिये शनिवार को बैठक करने वाली समिति के सामने अपना दावा पुख्ता किया।

सैमसन को जॉर्ज लिंडे ने लेग स्टम्प पर पड़ती गेंद पर आउट किया। सैमसन ने मार्को यानसेन को छक्का जड़कर शुरूआत की और ओटनील बार्टमैन को भी दो शानदार स्ट्रोक्स लगाए। सैमसन को आउट होने से ठीक पहले जीवनदान भी मिला जब डोनोवान फरेरा उनका रिटर्न कैच लपकने से चूके और गेंद अंपायर रोहन पंडित को घुटने के पास लगी। इसके बाद पंड्या के एक छक्के से प्रसारण टीम का सदस्य घायल हो गया।

भारत

231/5 (20 ओवर)

संजू सैमसन बो लिंडे	37
अभिषेक शर्मा का डिकॉक बो बॉश	34
तिलक वर्मा रन आउट	73
सूर्यकुमार का मिलर बो बॉश	05
हार्दिक का हेंडरिक्स बो बार्टमैन	63
शिवम दुबे नाबाद	10
जितेश शर्मा नाबाद	00

गेंदबाजी : एंगिडि 4-0-29-0, यानसेन 4-0-50-0, बार्टमैन 3-0-39-1, बॉश 3-0-44-2, फेरेरा 2-0-20-0, लिंडे 4-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका

201/8 (20 ओवर)

डिकॉक का और बो बुमराह	65
रीजा हेंडरिक्स का दुबे बो वरुण	13
डेवाल्ड ब्रेविस का सुंदर बो पंड्या	31
मिलर का सैमसन बो अर्शदीप	18
एडेन मार्क्रम पगबाधा बो वरुण	06
डोनोवान फेरेरा बो वरुण	00
जॉर्ज लिंडे बो वरुण	16
यान्सेन का सैमसन बो बुमराह	14
कोर्बिन बॉश नाबाद	17
लुंगी एंगिडि नाबाद	07

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-47-1, सुंदर 4-0-30-0, बुमराह 4-0-17-2, वरुण 4-0-53-4, पंड्या 3-0-41-1, अभिषेक 1-0-13-0

एडिलेड टेस्ट : ट्रैविस हेड ने जमाया लगातार चौथा टेस्ट शतक

एडिलेड, एजेंसी

ट्रैविस हेड ने घरेलू मैदान एडिलेड ओवल पर लगातार चौथे टेस्ट में शतक बनाने के बाद अपने हेलमेट और दस्ताने उतारे और फिर घुटनों के बल बैठने कर पिच को चूम लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 271 रन बनाकर कुल 356 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। हेड को 99 रन पर एक बड़ा जीवनदान मिला जब उन्होंने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर करारा प्रहार किया और गली में खड़े हैरी ब्रूक ने कैच टपका दिया। इससे पहले उन्होंने जो रूट की एक स्पिन गेंद को ऑन-साइड में खेला और एक रन लेने के लिए दौड़े, लेकिन उनके साथी बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने उन्हें वापस भेज दिया। ऑस्ट्रेलिया के इस बेखौफ बल्लेबाज ने 99 रन पर रहते हुए उन्होंने आठ गेंदों का सामना करने के बाद जोखिम लेने का मन बनाया और जो रूट की गेंद पर क्रीज से बाहर निकल कर गेंदबाज के सिर से ऊपर से चौका लगाकर अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया।

पर्थ में पारी का आगाज करने के लिए भेजे जाने के बाद से पांच

- ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज टेस्ट में बनाई 356 रनों की बढ़त

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

(ऑस्ट्रेलिया) (प्रथम पारी)	371/10
(इंग्लैंड) (प्रथम पारी)	286/10
(ऑस्ट्रेलिया) (दूसरी पारी जारी)	271/4

पारियों में उनका दूसरा शतक था। पर्थ में उनकी मैच जिताने वाली पारी ने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट से जीत दिलाई थी। तीसरे दिन का खेल खत्म होते समय हेड 142 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए दक्षिण ऑस्ट्रेलिया टीम के अपने साथी खिलाड़ी कैरी (52) के साथ 122 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। ब्रूक ने इससे पहले जोश टोंग की गेंदबाजी पर मार्नस लाबुशेन (13) और कैमरून ग्रीन (सात) का स्लिप में शानदार कैच लपका था लेकिन हेड का कैच टपकाना टीम के लिए महंगा साबित हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले दिन की शुरुआती सत्र में इंग्लैंड को 286 रनों पर आउट करने के बाद दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी से मजबूत बढ़त बना ली। बेन स्टोक्स ने सुबह के सत्र में जोफ्रा आर्चर के साथ नौवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 106 रनों की साझेदारी करके इंग्लैंड के एशेज अभियान में जान फूंकने की कोशिश की। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बढ़त 85 रन तक सिमट गयी। यह एडिलेड में इंग्लैंड के लिए नौवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। मिचेल स्टार्क की गेंद पर 83 रन पर बोल्ड होने के बाद स्टोक्स निराशा में खुद को कोसते हुए मैदान से बाहर निकले। उन्होंने 198 गेंद की पारी में आठ चौके लगाए जबकि आर्चर ने 51 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने लंच से पहले ब्रायडन कार्स की गेंद पर जेक वेदरल्ड (एक) का विकेट गंवाया।

शतक बनाने के बाद पिच को चूमते हुए ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड। एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच होगा अंडर 19 एशिया कप का फाइनल

दुबई, एजेंसी

- सेमीफाइनल में भारत ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया
- रविवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से होगा फाइनल मुकाबला

उपकप्तान विहान मल्होत्रा और आरोन जॉर्ज की शानदार पारियों के दम पर भारत ने वर्षाबाधित सेमीफाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर अंडर 19 एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां 21 दिसंबर को उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। बारिश के कारण मैच प्रति टीम 20 ओवर का कर दिया गया। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 20 ओवर में आठ विकेट पर 138 रन पर रोक दिया।

जवाब में मल्होत्रा ने 45 गेंद में नाबाद 61 रन बनाए। हाल ही में आईपीएल मिनी नीलामी में आरसीबी द्वारा खरीदे गए मल्होत्रा ने शानदार स्ट्रोक्स लगाये। उनके साथ जॉर्ज ने 49 गेंद में 58 रन की नाबाद पारी खेली। भारत ने लक्ष्य 18 ओवर में हासिल कर लिया। मल्होत्रा और जॉर्ज के बीच 114 रन की अटूट साझेदारी के दम पर भारत आठवीं बार फाइनल में पहुंचा है। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया। भारत और पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में 11 साल बाद फाइनल में खेलेंगे। आखिरी बार भारत अंडर 19 टीम ने पाकिस्तान को 2014 में एशिया कप फाइनल में हराया था जब भारतीय टीम में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, संजू सैमसन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी थे। भारत की सेमीफाइनल में शुरुआत खराब रही जब आयुष म्हात्रे (सात) और वैभव सूर्यवंशी (नौ) को तेज गेंदबाज रसित निम्सारा ने आउट किया। इसके बाद मल्होत्रा ने निम्सारा को छक्का लगाकर दबाव कम किया। उन्हें जॉर्ज के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला। इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले छह ओवर में श्रीलंका के तीन विकेट 28 रन पर निकाल दिए।

नागल और श्रीवल्ली चमके, ईगल्स फाइनल के करीब

बेंगलुरु। भारतीय स्टार सुमित नागल और श्रीवल्ली भामिदीपति के अहम योगदान से ईगल्स ने हॉक्स को हराकर वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली।

लीग मैच में 22-12 की जीत से ईगल्स के कुल 65 अंक हो गए और हॉक्स के लीग मैच के आखिरी सेट के बाद 53 अंक रहे। श्रीवल्ली के लिए दिन की एकमात्र निराशा मिश्रित युगल में मिली हार रही जिसमें उन्हें और गेल मोनफिल्स को युकी भांबरी और एलिना स्वितोलिना से 4-6 से पराजय मिली। हॉक्स को दिन में और कोई सफलता नहीं मिली क्योंकि श्रीवल्ली ने डब्ल्यूटीएल में अपनी पहली उपस्थिति को यादगार बना दिया। श्रीवल्ली ने महिला एकल में माया राजेश्वरन रेवती को 6-2 से आसानी से हराया।

बदला जीवन झारखंड को पहली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाने वाले किशन की भावनाएं हो गईं गीता के अनुरूप

अब आध्यात्मिक ईशान की निगाहें भविष्य पर

कोलकाता, एजेंसी

ईशान किशन के हाव भाव में परिपक्वता साफ झलकती है क्योंकि झारखंड को पहली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाने की खुशी और भारत की टी20 विश्व कप टीम चयन से एक दिन पहले उनके भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता दोनों पर उनकी प्रतिक्रिया एक समान ही है।

उनके पिता प्रणव पांडेय ने पीटीआई को बताया कि अब उनकी भावनाएं भगवद गीता के श्लोकों के अनुरूप हो गई हैं। किशन अब वर्तमान में जीते हैं और उनके लिए इस समय सबसे अहम है झारखंड की मुश्ताक ट्रॉफी में जीत।

किशन ने शुक्रवार को रांची हवाईअड्डे पर जोरदार स्वागत के बाद कहा बहुत अच्छा खेले, बहुत

झारखंड क्रिकेट टीम के कप्तान ईशान किशन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के साथ।

मजा आया। आगे भी बात होगी और ऐसे ही जीतते रहेंगे। किशन की कप्तानी में झारखंड ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में हरियाणा को 69 रन से हराया। बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के औसत और 197 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 517 रन बनाए। फाइनल में किशन ने 49 गेंद में 101 रन की विस्फोटक पारी खेली और यह टूर्नामेंट में उनका पांचवां शतक था। इसके साथ ही उन्होंने भारत के टी20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की। वह अब बहुत शांत दिखते हैं और उनकी प्रतिक्रिया में दिखावा नहीं बल्कि सादगी थी। उन्होंने कहाजीत अच्छी थी, बहुत खुशी हुई और जब टूर्नामेंट शुरू होंगे तो उसमें भी जीतकर आएंगे। ईशान और झारखंड टीम का घर पर उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव सौरभ तिवारी के साथ टीम का हवाई अड्डे पर स्वागत हुआ।

पिता ने दी गीता पढ़ने की सलाह

इशान के पिता प्रणव पांडेय पेशे से व्यवसायी हैं और उन्होंने ही इशान को अपनी परेशानियों का हल निकालने के लिए गीता पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा मेरी मां ने मुझे गीता पढ़ने को कहा था। इसलिए मैंने इशान को गीता पढ़ने की सलाह दी। मेरी मां ने कहा था कि अगर तुम बहुत तनाव में हो तो अपने मन में सवाल रखकर गीता खोलिए। जो पन्ना खुले, उसे पढ़ो, वहीं सवाल का जवाब मिल जाएगा। मैंने इशान से भी यही करने को कहा। अब यह इशान की आदत बन चुकी है। उन्होंने कहा गीता हमेशा उसके साथ रहती है। वह उसे अपने किट बैग में रखता है। जरूरत महसूस होने पर पढ़ता है।